हिमाचल प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की बैठक मंगलवार, दिनांक 08 सितम्बर, 2020 को अध्यक्ष श्री विपिन सिंह परमार की अध्यक्षता में कौंसिल चैम्बर, शिमला -171004 में पूर्वाह्न 11.00 बजे आरम्भ हुई।

नियम-67 के तहत स्थगन प्रस्ताव पर आगे चर्चा

अध्यक्ष : इससे पूर्व की मैं आज की कार्यवाही का संचालन करूं, मैं कोरोना महामारी के अति गंभीर विषय पर सभी माननीय मंत्रियों एवं माननीय सदस्यों से अपील करना चाहूंगा कि यदि किसी भी माननीय मंत्री या माननीय सदस्य को तनिक भी शंका है कि उनमें कोरोना संक्रमण के लक्षण हैं, वे कृपया करके अपने आपको होम क्वारंटीन कर लें और सदन में उपस्थित न हो। यदि वे अवश्व समझें तो स्वयं फैसला लेकर एंटिजन या कोरोना टैस्ट करवाने की पहल करें। मेरा सभी से यह भी अनुरोध है कि आप विधान सभा के अंदर प्रवेश से पूर्व थर्मल स्क्रीनिंग अवश्व करवाएं ताकि हम सभी सुरक्षित रह सकें। आप सभी फेस मास्क का सही इस्तेमाल करें तथा अपने नाक व मुंह को पूरी तरह से ढक लें। हम सभी जनप्रतिनिधि हैं। हम रोज जनता से संपर्क में रहते हैं। हम उन्हें कोरोना न दें बल्कि जनता को कोरोना संक्रमण से बचने के लिए प्रेरित करें। आप सभी जानते हैं कि विधान सभा का मॉनसून सत्र पिछले कल से आरंभ हो चुका है। हम जनप्रतिनिधि हैं और जो कोरोना महामारी इस समय विश्व को घेरे हैं उसके प्रति हमें सबसे अधिक जागरूक रहना चाहिए क्योंकि पूरा हिमाचल प्रदेश हमारी ओर देख रहा है। जैसा आचरण और चाल-चलन हम रखेंगे, जनता भी उसका अनुसरण करेगी। अतः मेरा पुनः निवेदन है कि इसका कड़ाई से पालन किया जाए ताकि हम इस 10 दिवसीय सत्र को पूरी निष्ठा, तत्परता तथा जन अपेक्षा के साथ पूरा करें। हैंड सैनिटाइजर का प्रयोग करें। जहां पर थर्मल स्क्रीनिंग हो रही है कृपया करके वहां थर्मल स्क्रीनिंग करवाई जाए और सामाजिक दूरी का विषेश ध्यान रखा जाए। मैं देख रहा हूं कि इन चीजों का पालन करने में कहीं-न-कहीं कोताही बरती जा रही है। चाहे पक्ष गैलरी हो या विपक्ष गैलरी या चाहे वह विधान सभा का परिसर हो। मेरा विशेष रूप से आग्रह रहेगा कि जहां पर थर्मल स्क्रीनिंग की व्यवस्था है वहां पर हम इसकी अनुपालना करें। वैसे तो हमने माननीय विधायकों के आसनों के बीच पोलिकार्बोनेट शीट्स लगाई हैं लेकिन साइंटिफिक अनुसंधान के अनुसार एस.ओ.पीज. की गाइडलाइन्स यह है कि जो हमारी स्वाभाविक बोलने की लय है उसी के अनुसार बात

करें। अत्यधिक जोर से बोलने से भी वायरस फैलता है। अतः आपसे आग्रह है कि आप कृपया जोर से न बोलें। 'जान है तो जहान है', इसलिए विधान सभा सचिवालय द्वारा जो

08.09.2020/1100/RKS/AS-2

मापदंड निर्धारित किए गए हैं उनका हम अक्षरशः पालन करें। क्योंकि शुरूआत मुझसे और आपसे सामूहिक रूप से होगी। मैं यही कहना चाहता हूं कि इस 10 दिवसीय सत्र में भाग लेकर हम अपनी बात रखें।

अध्यक्ष श्री बी.एस. द्वारा.... जारी

08.09.2020/1105/बी0एस0/ए0एस0/-1

माननीय अध्यक्ष जारी...

पिछले कल स्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था, आज भी इस पर चर्चा जारी रहेगी और दोपहर बाद माननीय मुख्य मंत्री जी चर्चा का उत्तर देंगे, कृपया समय का ध्यान रखें। इस पर बोलने वाले वक्ता सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों तरफ से हैं। माननीय सदस्य श्री परमजीत सिंह जी कोरोना पॉजिटिव हुए थे, उसके बाद निगेटिव हो करके, स्वस्थ हो करके इस माननीय सदन में पहुंचे हैं। मैं आपका स्वागत करता हूं, अभिनंदन करता हूं। अब माननीय सदस्य श्री सुभाष ठाकुर जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री सुभाष ठाकुर (बिलासपुर) : सम्माननीय अध्यक्ष जी, नियम-67 के तहत कोविड-19 पर जो चर्चा हो रही है उसके संदर्भ में मैं भी आपनी बात रखने के लिए सदन में खड़ा हुआ हूं। कोविड-19 दुनिया भर में एक वैश्विक महामारी है और यह बहुत ही संवेदनशील विषय है जिसने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। यह मानवता के लिए बहुत बड़ा खतरा है। दुनिया वे पूरे देश जो अपने से आगे किसी को मनते तक नहीं थे, वे भी घुटनों के बल इस महामारी ने कर दिए हैं। लेकिन भारत देश जिसमें 130 करोड़ की आबादी है, हमारे देश के सम्मानीय प्रधानमंत्री जी ने जनता कर्फ्यू लगाया, लॉकडाउन लगाया और देश की जनता से जो निवेदन किया उसे अक्षरशः इस देश की जनता ने माना है। यह पहली बार हुआ है कि प्रधानमंत्री जी ने देश की जनता से कोई बात कही हो और पूरे देश की जनता ने

उस बात का समर्थन किया हो। इसके लिए मैं देशवासियों का भी धन्यवाद करता हूं। उसी तरह से भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय जगत प्रकाश नड्डा जी ने भी भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्त्ताओं से कहा कि आप सभी लोग फीड द निडी, जो अप्रवासी और दूसरे लोग हैं, इस कोरोना काल में कोई भूखा न रहे। उन्होंने मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग और आरोग्य सेतु के लिए जनता को जागरूक किया। पूरे देश में 17 करोड़ जो हमारे कार्यकर्त्ता हैं उन्होंने भी इन बातों को अक्षरशः माना है। उन्हें भी मैं यहां पर बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं। आदरणीय अध्यक्ष जी, इसी तरह से हमारे देश के सम्माननीय मुख्य मंत्री जी ने भी फ्रंट लाइन पर इसका नेतृत्व करते हुए प्रदेश में इस कोरोना की चुनौती को जिस संजीदगी के साथ सभी लोगों को साथ ले करके, प्रदेश की जनता को साथ ले करके, सभी चुने हुए लोगों को साथ ले करके, यहां तक की पंचायत के पंचों तक को अपने साथ लिया वह काबिले तारीफ है। जिस तरह से आपने यहां से निर्देश दिए और चुने हुए प्रतिनिधियों ने इसमें सहयोग किया है वह भी एक सराहनीय कार्य हुआ है। जिसके कारण 3 मई तक हिमाचल प्रदेश में केवल एक कोरोना का केस था। उसके लिए भी
08.09.2020/1105/बी0एस0/ए0एस0/-2

माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद और जिन भी लोगों से इसमें सहयोग मिला है उन सभी का धन्यवाद करना चाहता हूं।
श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

08-09-2020/1110/डी.सी.-एन.जी./1

श्री सुभाष ठाकुर जारी.....

हिमाचल प्रदेश में कुल सक्रिय केस 7415 हैं, कोरोना से 5184 लोग ठीक हुए हैं और 55 लोगों की जान चली गई है। इसके अलावा मैं कहना चाहूंगा कि भारत में पी.पी.ई. किट्स नहीं बनती थी जो अब बनने लगी हैं और आज भारत देश पी.पी.ई. किट्स बनाने वाले देशों में नम्बर एक स्थान पर है। इसके लिए मैं माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को बधाई देना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि हमारे नेता प्रतिपक्ष श्री मुकेश

अग्निहोत्री जी ने कल अपने भाषण से सनसनी पैदा करनी चाही और इससे राजनीतिक लाभ भी प्राप्त करना चाहा था। ऐसे बहुत मुद्दे होते हैं जिन पर राजनीति की जा सकती है लेकिन कोरोना महामारी ऐसी है जिसका जवाब किसी के पास भी नहीं है और अभी तक इसका इलाज भी किसी के पास नहीं है। इस बीमारी में सावधानी बरतने के अलावा हम कुछ नहीं कर सकते। यदि हम पूरी सावधानी बरतेंगे तो निश्चित तौर पर हम इस बीमारी से बच सकते हैं। यह बीमारी न बड़ा, न छोटा, न अच्छा, न बुरा, न गरीब, न अमीर और न ही कोई पार्टी देख कर होती है, यह बीमारी तो किसी को भी हो सकती है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने हिमाचल प्रदेश में 16 हज़ार आशा वर्कर और स्वास्थ्य कर्मियों को कहा कि प्रदेश के सभी लोगों को इस बीमारी के बारे में शिक्षित और जागरुक कीजिए। इसके साथ-साथ जो लोग इससे प्रभावित हैं या इस बीमारी के कोई लक्षण उनमें दिखाई देते हैं तो उन्हें चिन्हित भी कीजिए। यह अभियान हर पंचायत और गांव स्तर तक चलाया गया। जिसका लाभ प्रदेश की जनता को मिला और लोगों को महसूस हुआ कि सरकार व प्रशासन हमारी चिन्ता कर रहे हैं। इस बीमारी के कारण लोगों में एक भय पैदा हो गया था कि जिसको कोरोना हो गया वह नहीं बचेगा। जिस कारण परिवार के लोग व रिश्तेदार उस व्यक्ति से दूर भागने लग गए थे। लेकिन अब जिस गति से लोग ठीक हो रहे हैं तो भय भी कम होना शुरू हो गया है। प्रशासन, सरकार और चुने हुए जन प्रतिनिधियों ने इस बीमारी के समय बहुत संजीदगी के साथ कार्य किया है और लोगों को कहा कि हम सभी आपके साथ हैं

08-09-2020/1110/डी.सी.-एन.जी./2

जिससे लोगों में भय का माहौल कम हुआ। आज सभी लोग कोरोना से सावधानी बरतते हुए अपने काम पर जा रहे हैं। किसी को भी यह मालूम नहीं है कि कोरोना महामारी कब तक चलेगी इसलिए इस बीमारी के साथ ही लोग अपना जीवन यापन कर रहे हैं। मेरे चुनाव क्षेत्र में हमने 6 स्थानों पर लंगर लगा कर 39,200 खाने के पैकेट, 8,600 सुखा राशन किट्स, 55,000 मास्क वितरित किए हैं और 43,200 लोगों ने आरोग्य सेतू एप्प डाउनलोड की है। मेरे चुनाव क्षेत्र में 22 सामाजिक संस्थाओं ने हमारा भरपूर समर्थन किया और उन सभी ने

लोगों के बीच में जाकर उन्हें जागरुक किया। लॉकडाउन के समय हमारे क्षेत्र में आलू और प्याज के दाम आसमान छूने लगे थे जिस कारण कुछ व्यापारियों ने इन्हें जमा करना शुरू कर दिया था। उसके बाद हमने अपने व्यापार मण्डल के अधिकारियों से बात की और उनसे कहा कि जितने भी आलू-प्याज आप लेकर आते हैं वह सभी लोगों में वितरित करने की व्यवस्था करें। इस समय लॉकडाउन लगा हुआ है और ऐसे समय में मुनाफा कमाने पर ध्यान न देकर इन्हें कम-से-कम रेट पर उपलब्ध करवाएं और इन्हें हमने सभी पंचायतों में जीपों के माध्यम से वितरित किया जिस कारण रेट 40-45 रुपये से घट कर 15-20 रुपये तक आ गए। हमारे लोगों ने इस प्रकार के कार्य पूरे बिलासपुर जिले में किए और हमने अपने चुनाव क्षेत्र में इन कार्यों को किया। माननीय सदस्य श्री जीत राम कटवाल जी ने अपने चुनाव क्षेत्र झंडुता में, माननीय मंत्री श्री राजिन्द्र गर्ग जी ने अपने चुनाव क्षेत्र घुमारवीं में भी इस प्रकार के कार्य किए हैं।

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

08/09/2020/1115/MS/AG/1

श्री सुभाष ठाकुर जारी------

हमारे बड़े भाई आदरणीय राम लाल ठाकुर जी ने आपसे कल ज़िक्र किया है और उन्होंने स्वयं अपना वक्तव्य रखा है। लेकिन मैं यह जानना चाहूंगा कि बिलासपुर जिला में और सदर चुनाव क्षेत्र में कांग्रेस ने क्या किया? विपक्ष के नेता मुकेश अग्निहोत्री जी ने कहा था कि यहां पर बहुत सी आत्म-हत्यायें हो रही हैं। मैं एक उदाहरण देना चाहता हूं। बिलासपुर जिला में एक आत्महत्या होती है। एक अंशुल शर्मा नाम का युवक बिलासपुर से चलता है और पद्धर में जाता है। वह युवक रास्ते से विडियो बनाता है और उस विडियो को प्रसारित करता है कि कांग्रेस के पूर्व विधायक और कुछ अन्य लोगों से मुझे ख़तरा है। वे लोग मुझे जान से मार देंगे या मुझे कुछ खिला देंगे। उनसे मेरे परिवार को भी ख़तरा है। वह अंशुल शर्मा नाम का युवक दूसरे दिन मर जाता है। क्या इसको हम आत्महत्या माने? एक कांग्रेस के पूर्व विधायक जिनके ख़िलाफ उसने मरने से पहले अपना वक्तव्य दिया और उस पर एक दिन तक कार्रवाई न होकर, उसके ऊपर एफ.आई.आर. दर्ज़ हुई है। यह बात मैं नहीं

कह रहा हूं, यह रिकॉर्डिड बात है। उसमें कांग्रेस के पूर्व विधायक की संलिप्तता और जिस तरह से उसने वक्तव्य दिया तथा जिस तरह से उसकी मृत्यु हुई, यह लॉकडाउन के दौरान की बात है। इस तरह की आत्म-हत्यायें और उनके बारे में यह प्रश्न है। इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि कांग्रेस का इसके बारे में क्या कहना है? मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से भी निवेदन करना चाहता हूं कि इस घटना से बिलासपुर की जनता बहुत उद्वेलित है तथा इस केस में दूध-का-दूध और पानी-का-पानी चाहती है। इसमें कोई निर्दोष नहीं फंसना चाहिए लेकिन जो दोषी है, वह इसमें न छूटे, यह मैं कहना चाहता हूं।

उसी तरह से लॉकडाउन के दौरान पूर्व विधायक का बेटा धारा-144 तोड़ता है और उसके ऊपर एफ.आई.आर. दर्ज़ होती है। यह इस महामारी के दौरान मेरे चुनाव क्षेत्र का हाल है।

अध्यक्ष जी, हमारे बड़े भाई राम लाल जी ने भी डॉक्टर्ज की कमी का ज़िक्र किया है। बिलासपुर का अस्पताल जब कांग्रेस की सरकार थी और आदरणीय वीरभद्र सिंह जी मुख्य मंत्री थे तो वहां पर कुल सात-आठ डॉक्टर्ज थे। उस जोनल अस्पताल में कोई डॉक्टर आना नहीं चाहता था क्योंकि वहां गुण्डागर्दी का माहौल था। आज वहां पर 25 डॉक्टर्ज हैं। इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं ।

08/09/2020/1115/MS/AG/2

इसी तरह से एक सप्ताह पहले पूर्व विधायक की पत्नी कोरोना पॉजिटिव आती है जो कि स्वास्थ्य विभाग में नौकरी करती है। वह स्वास्थ्य विभाग में स्टाफ नर्स है। उनका कोरोना टैस्ट होता है जिसमें उन्हें पॉजिटिव पाया जाता है। वह महिला दूसरे दिन अस्पताल में आती है और कहती है कि टैस्ट गलत है तथा हंगामा भी करती है। उस समय वहां पर 40-50 गर्भवती महिलाएं भी मौजूद थीं। उन पर एफ.आई.आर. होती है और फिर बाद में क्या कहते हैं कि राजनीतिक प्रतिशोध और राजनीतिकरण के कारण ऐसा हुआ है। यह घटिया राजनीति मैंने कभी नहीं की और न ही ऐसी चीजें मैंने कभी इस सदन में उठाई हैं। लेकिन यह बात तथ्यों पर आधारित है। अगर मैं गलत हूं तो मुझे टोक देना, मैं उस बात को सही कर लूंगा। ये कारनामे कोरोना की महामारी के दौरान बिलासपुर में कांग्रेस के

जिम्मेवार लोगों ने किए हैं। उनके प्रति कांग्रेस क्या कहना चाहती है, इस बात को यह सदन, हिमाचल प्रदेश की जनता और बिलासपुर की जनता जानना चाहती है?

जारी जे0के0 द्वारा-----

08.09.2020/1120/JK/HK/1

श्री सुभाष ठाकुरः-----**जारी**----

उसी तरह से आदरणीय श्री मुकेश अग्निहोत्री जी, जो प्रतिपक्ष के नेता हैं, उन्होंने कहा कि यह सरकार कन्फ्यूज्ड है। यह भी कहा कि प्रदेश में बदहाली है। ये सारी चीज़ें आपने कही हैं। लेकिन मुझे लगता है कि कन्फ्यूज़न अगर कहीं पर सबसे ज्यादा है तो वह कांग्रेस में है। **"नाच न जानें आंगन टेढ़ा"**

अध्यक्षः माननीय सदस्य, प्लीज वाइंड अप करें।

श्री सुभाष ठाकुरः अध्यक्ष महोदय, इस कोरोना के दौर में ये छिपे रहे और कहीं पर कोई काम नहीं किया। ये केवल दोषारोपण करना चाहते हैं। इन्हीं लोगों ने कहा कि बाहर से हमारे लोगों को नहीं लाया जा रहा है। माननीय मुख्य मंत्री जी ढाई लाख लोगों को बसों के माध्यम से, ट्रेनों के माध्यम से और हवाई जहाज के माध्यम से यहां पर लाए और वे लोग कौन थे? वे या तो हमारे पड़ौसी थे, रिश्तेदार थे या हमारे बच्चे थे जिनके स्कूल बन्द हो गए, कॉलेजिज़ बन्द हो गए, जिनकी कारखानों में नौकरी बन्द हो गई, वे फिर कहां जाते? उन्होंने अपने घर ही तो आना था। जब वे घर आए तो इन्होंने कहा कि वे कोरोना ले कर आए हैं। अगर न लाएं तब भी दिक्कत, अगर लाएं तब भी दिक्कत, इसलिए अगर कन्फ्यूज़न कहीं पर है तो यह कांग्रेस के लोगों में है।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, प्लीज आप वाइंड अप कर दें।

श्री सुभाष ठाकुरः अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि हमारे सम्माननीय, पूर्व अध्यक्ष, डॉ0 राजीव बिन्दल के बारे में भी कहा गया। मैं तो यह कहूंगा कि इन्होंने नैतिकता का एक ऐसा उदाहरण दिया है जिसके लिए मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से बिंदल जी ने नैतिकता के ऊपर कहा कि मेरी न इसमें कोई संलिप्तता है और मैं पाक-साफ़ हूं, पाक-साफ़ हो करके ही निकलूंगा। आप पाक-साफ़ हो करके ही निकले हैं। यह भारतीय जनता पार्टी में अपेक्षा हो सकती है, कांग्रेस में नहीं हो सकती । भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र को पहले मानती है, पार्टी

08.09.2020/1120/JK/HK/2

को बाद में और व्यक्ति को अंत में। कांग्रेस में गांधी परिवार को पहले माना जाता है, उसके बाद अपने व्यक्तिगत स्वार्थ को, फिर पार्टी को और उसके बाद देश को माना जाता है। यह कांग्रेस की परिभाषा हो गई है।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, आप वाइंड अप करें। आप अपने विषय को खत्म करें। प्लीज वाइंड अप करें।

श्री सुभाष ठाकुरः माननीय अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस के जिन नेताओं ने कहा कि गांधी परिवार के बाहर का कोई अध्यक्ष बनाइए, उनको हाशिए पर धकेला जा रहा है। दूसरी तरफ एक गरीब, गांव का व्यक्ति उच्च पद पर राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है। केवल एकमात्र पार्टी यदि कोई है तो वह भारतीय जनता पार्टी ही है। यह कांग्रेस में कभी नहीं हो सकता है। इसलिए अंत में मैं यही कहना चाहूंगा कि इस कोरोना की महामारी में हम सभी इस राष्ट्र के लिए काम करें। यह इतिहास में लिखा जाएगा कि किस पार्टी ने क्या किया है, किस सरकार ने क्या किया है और किस व्यक्ति ने क्या किया है? इससे पहले न कभी ऐसी महामारी हुई थी और न ही हमें ऐसी कोई जानकारी थी।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, प्लीज अब वाइंड अप करें, समय का ध्यान रखें।

श्री सुभाष ठाकुरः माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अंत में, मैं यही कहूंगा कि संवदेनशील मुद्दे पर राजनीति न करें, अपनी ओर से योगदान दें। हमारी तरफ से जितना योगदान होगा, वह हम देंगे। जय हिन्द, जय हिमाचल। ...(व्यवधान)

08.09.2020/1120/JK/HK/3

अध्यक्षः हमने सभी को ठीक समय दिया है। आपके जितने भी माननीय सदस्य बोलें हैं, उनको प्रॉपर समय दिया है। अब इस चर्चा में श्री जगत सिंह नेगी जी हिस्सा लेंगे।

श्री जगत सिंह नेगी (किन्नौर)ः माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने नियम-67 के अन्तर्गत मुझे बोलने का मौका दिया, मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही महत्व का प्रस्ताव नेता प्रतिपक्ष व अन्य साथियों की ओर से यहां पर लाया गया है।

श्री एस.एस. द्वारा जारी----

08.09.2020/1125/SS-HK/1

श्री जगत सिंह नेगी क्रमागत :

यह भी वाकई ऐतिहासिक है कि नियम-67 के तहत पहली बार इस माननीय सदन में चर्चा की जा रही है और उसमें जिस तरह से आपने व्यवस्था दी उसके लिए मैं आपकी तारीफ करता हूं। हम आपके आभारी हैं कि आपने हमारे महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाने का मौका दिया और इस कोविड काल में जहां पर लॉकडाउन हुआ, विपक्ष के सदस्यों को भी जिस तरह से वर्तमान सरकार ने क्वारंटाइन करके मजबूरन अंदर रखा, बाहर निकलने नहीं दिया, ऐसे वक्त में भी माननीय अध्यक्ष महोदय आपने विधान सभा के अंदर एक कंट्रोल रूम स्थापित किया। जिसके माध्यम से हम कम-से-कम सरकार के साथ अपनी मांगें उठाते रहे। उसी का नतीजा यह रहा कि कई महीने अंदर रहने के बाद विपक्षी विधायकों को ई-पास मिला। चंद घंटों के लिए गाड़ी निकालने के लिए सुविधा मिली। जिन पंचायत प्रतिनिधियों की यहां

बात हो रही है उनको भी क्वारंटाइन करके रखा, उनको बाहर निकलने नहीं दिया। केवल बाहर कौन निकले - (***) बी0जे0पी0 के लोग और बी0जे0पी0 के माननीय सदस्यों को छूट थी। मंत्रियों को छूट थी। हमें ऐसे बंद करके रखा गया जैसा एमरजैंसी में भी नहीं हुआ। जैसे अभी हमारे एक माननीय सदस्य कह रहे थे। ...(व्यवधान)... एमरजैंसी में ऐसा नहीं हुआ, बाहर जा सकते थे। आप (संसदीय कार्य मंत्री) तो उस समय सबसे ज्यादा माल रोड पर घूमते थे। उस समय आप कैसे घूमते थे? अभी यहां पर गांधी परिवार की बात की। गांधी परिवार शहीदों का परिवार है, यह कोई गद्दारों का परिवार नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, यह जो प्रस्ताव है इसमें कोरोना वैश्विक महामारी में कुप्रबंधन यानी मिस-मैनेजमैंट और उसमें हुए व्यापक भ्रष्टाचार तथा उत्पन्न हुई बेरोज़गारी पर चर्चा है। मैं आगे बढ़ते हुए आपका ध्यान इस ओर लाना चाहता हूं कि किसी भी सरकार की कारगुजारी या उसकी कसौटी की परख ऐसी आपदाओं के समय की जाती है कि सरकार ने इस आपदा में कितने कारगर कदम उठाए। क्या रिलीफ मुसीबत में फंसे लोगों को सरकार ने दिया? किस तरह से इस वैश्विक महामारी में आपने अपना रोल अदा किया, यह एक सबसे बड़ा प्रश्नचिन्ह है। अगर इसका जवाब हमारी तरफ से आए, आम जनता की तरफ से आए तो उसमें माननीय मुख्य मंत्री जी की जो सरकार है वह हिमाचल प्रदेश की पहली सरकार है और माननीय मुख्य मंत्री जी आपको उस निकम्मी सरकार के

(***)**अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाला गया।**

08.09.2020/1125/SS-HK/2

मुख्य मंत्री होने पर ऐतिहास में दर्ज किया जायेगा। कोविड की आड़ में आपने वह सब कुछ किया लेकिन कोविड से निपटने के लिए कोई काम नहीं किया। सबसे पहले आप सैंटर में मोदी जी को देखते हैं। बिना मोदी जी के छींक लिये आप आगे बढ़ते नहीं हैं। यह कोरोना पूरे विश्व में 19 दिसम्बर को चाईना से शुरू हुआ। हिन्दुस्तान में तीन जनवरी और 2-3 फरवरी को तीन लोग केरल में कोरोना पॉजिटिव आ गए। परन्तु हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री जी को नमस्ते ट्रम्प करना था। एक लाख लोगों को इकट्ठा किया और फरवरी के महीना भर नमस्ते करते रहे। फिर आपने मध्य प्रदेश में सरकार गिरानी थी, तब तक आप

बाहर से 15 लाख लोगों का स्वागत करते रहे, उनका किसी किस्म का टैस्ट नहीं करवाया और जब पूरी-की-पूरी बीमारी वहां से यहां आ गई तो आनन-फानन में 23 मार्च को जब यहां पर बजट सत्र चला हुआ था तो माननीय मुख्य मंत्री जी यहां पर खड़े हुए और सत्र के बीच में आपने एकदम से लॉकडाउन घोषित कर दिया। हमने आपसे निवेदन किया कि माननीय मुख्य मंत्री जी थोड़ा समय दीजिए, कुछ विचार कीजिए, कुछ नीति बनाईये। मगर आप मानने वाले कहां थे क्योंकि आगे से इशारा था। उनके पद चिन्हों पर चलना था। हम लोग उस वक्त किस तरह से बाहर जा सकते थे, आप भी यहां से नहीं जा सकते थे क्योंकि आपने लॉकडाउन कर दिया था। 24 तारीख को आपने धारा-144 लगा दी। परन्तु हम सब ने न तो गाइडलाइन को माना और न ही धारा-144 को माना क्योंकि हम सबने घर पहुंचना था..

जारी श्रीमती के0एस0

08.09.2020/1130/केएस/वाईके/1

श्री जगत सिंह नेगी जारी----

इस किस्म के काम अपर्याप्त तैयारी के साथ, बिना सोचे-समझे, बिना किसी योजना के आपने कोविड में सारी ताकत अपने पास ले ली और आप तानाशाह बन गए तथा अपने आप को आपने एक महल के अंदर, ओक ओवर में कैद कर दिया और वहां से मनमानी करते रहे, फरमान जारी करते रहे। लोग भूखे-प्यासे सड़कों पर मरते रहे ...(व्यवधान) आपको उसकी चिंता नहीं रही। माननीय मुख्य मंत्री जी, हमने आपको उसी दिन, 23 तारीख़ को लिख कर दिया कि जनजातीय क्षेत्र के विद्यार्थी वाराणसी से किन्नौर आना चाहते हैं। हमने आपसे मांग की कि उन्हें ई-पास दिया जाए परन्तु आपने दो महीने तक नहीं दिया। ई-पास का ऐसा सिस्टम बनाया,(***) इनकी फौज खड़ी हो गई। बिना इनके(***) ई-पास नहीं मिलता था और आपके अधिकारी ...(व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सदस्य, आप बैठिए। मुख्य मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं।

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, हम कोशिश कर रहे थे कि जो माननीय सदस्य बोल रहे हैं, उसको शांति से सुन कर बाद में अपनी बात कहेंगे लेकिन अध्यक्ष महोदय, यह सम्भव नहीं हो सकता क्योंकि जैसे शब्दों का चयन नेगी जी कर रहे हैं, आप दलाल किसको कहना चाहते हैं, कौन हैं ये? ...(व्यवधान) अगर बाहर घूम रहे हैं तो आप बताएं कि ये कौन हैं? ...(व्यवधान) आप अपने दौरान की बातों का ज़िक्र मत करिए यहां पर। यह दौर कांग्रेस का था, आपकी पार्टी का था। ...(व्यवधान) आज अगर कांग्रेस सरकार होती तो प्रदेश बर्बाद हो जाता, तबाह हो गया होता। देश तो बर्बाद ही हो गया होता। अध्यक्ष महोदय, इनको संयम करना चाहिए। ...(व्यवधान) मुकेश जी, एक मिनट, आप बैठिए। बिना इजाज़त के बोलने की आपको आदत है। ...(व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया बैठिए।

(***)**अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाला गया।**

08.09.2020/1130/केएस/वाईके/2

मुख्य मंत्रीः आप ऐसे कैसे बोल सकते हैं। ...(व्यवधान) मैं अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बोल रहा हूं। कुछ तो सब्र करो, संयम करो। कुछ तो शर्म करो...(व्यवधान) कोई नियम होता है, तरीका होता है। आप कभी भी ऊंचा बोलना शुरू कर देते हैं ...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, ऐसे नहीं चलेगा। हम इनकी सारी बातों को सुन रहे हैं।

(पक्ष और विपक्ष के सभी माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े हो गए।)

(कांग्रेस पार्टी के सभी माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े हो कर नारेबाजी करने लगे।)

अध्यक्षः मेरा सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि अपने-अपने स्थान पर बैठ जाएं। आपको अपना विषय रखने का पूरा अधिकार है परन्तु किन शब्दों का प्रयोग हो रहा है, ऐसी हमारी परम्पराएं नहीं हैं। आप अपने निर्धारित समय में अपनी बात रखें परन्तु इस

माननीय सदन का माहौल इस शब्दावली के माध्यम से न बिगड़े, यह मैं निवेदन करना चाहता हूं।

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि क्या इनको मालूम नहीं कि पूरे देश भर में लॉक डाउन की घोषणा एक एक्ट के मुताबिक की गई थी? नेशनल डिजास्टर मैनेजमैंट एक्ट के अंदर की गई और हिमाचल देश का हिस्सा है और यह नहीं हो सकता कि किसी राज्य में, किसी शहर में वह लगे और किसी में न लगे। नेशनल डिजास्टर मैनेजमैंट एक्ट के तहत जब यह घोषणा हुई कि लॉक डाउन पूरे देश में लगेगा चाहे वह राज्य किसी भी दल का था, सभी में एक बराबर लगा और सारे नियम और उसके एक्ट के प्रोविज़न के अंतर्गत ही हमने हिमाचल प्रदेश में कार्यवाही की। मुझे समझ नहीं आ रहा है, जैसे ये कह रहे हैं कि विधायक को रोक दिया, यह कर दिया, वह कर दिया। आपकी पार्टी के ही नहीं, भारतीय जनता पार्टी के विधायक भी रुके हुए थे। जो व्यवस्था आप पर थी, वही व्यवस्था इन पर भी थी। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं ...(व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सदस्य, सुन लीजिए । आपको भी बोलने का समय दिया जाएगा।

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, जो तथ्य हैं, जो हकीकत है, सच्चाई है, ये उस पर बात करें। ...(व्यवधान)

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

8.9.2020/1135/av/yk/1

नियम-67 के अंतर्गत चर्चा क्रमागत----------

मुख्य मंत्री------- **जारी**

---(व्यवधान) लॉकडाउन के दौरान मुख्य मंत्री कहां पर रहेगा? मुख्य मंत्री भी अपने निवास पर ही रहेगा, आप क्या चाहते हैं कि मैं कहीं तम्बू में रहूं? ---(व्यवधान) माननीय सदस्य (श्री जगत सिंह नेगी) कह रहे हैं कि मुख्य मंत्री ओक ओवर में रहे। ओक ओवर मेरा सरकारी निवास है। एक संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार मैं इस प्रदेश का मुख्य मंत्री हूं और मुख्य मंत्री के लिए सरकारी आवास ओक ओवर में बनाया गया है इसलिए मैं वहां रह

रहा हूं। ---(व्यवधान) मैं और कहां जाकर रहूं? मेरे कहने का मतलब यह है कि हमने लॉकडाउन के दौरान पूरे नियमों का पालन किया तथा तय किया कि हमें भी बाहर नहीं जाना है। तकनीक के माध्यम से जिस-जिस विषय पर अधिकारियों, जनता, जनप्रतिनिधियों से बात व संवाद कर सकते थे हमने वह करने की कोशिश की। लेकिन इनका कहना है कि फरमान जारी कर दिया, हमने फरमान कोई जारी नहीं किया। इस महामारी के चलते उस दौरान जो भी इस प्रदेश के हरेक नागरिक के हित में था हमने वह करने की कोशिश की है और यही मैं कहना चाहता हूं। धन्यवाद।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री जगत सिंह जी, आप अपनी बात जारी रखिए।

श्री जगत सिंह नेगी : अध्यक्ष महोदय, मेरा समय नोट कर लिया जाए क्योंकि मेरा कुछ समय माननीय मुख्य मंत्री जी ने ले लिया है।

अगर मैंने किसी असंसदीय शब्द का इस्तेमाल किया है तो आप उसको कार्यवाही से निकाल सकते हैं। (***) यह कोई असंसदीय शब्द नहीं है। मैं यहां पर अपने विचार माननीय मुख्य मंत्री की सुविधा के लिए नहीं रखूंगा, मैं विषय को अपने हिसाब से रखूंगा। मेरी अभिव्यक्ति को मुख्य मंत्री नहीं रोक सकते। ये अपने हिसाब से मेरे मुंह में शब्द नहीं डाल

(***)अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाला गया।

8.9.2020/1135/av/yk/2

सकते, मेरे मुंह से वही शब्द निकलेंगे जो मैं सोच रहा हूं। ---(व्यवधान) अगर आप मुझे बोलने से रोक रहे हैं तो इस तरह से आप लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपको बोलने से कोई नहीं रोक रहा है। आप इस तरह की बात करके अपना समय नष्ट कर रहे हैं। ---(व्यवधान) माननीय सदस्य, आप अपना विषय रखें।

श्री जगत सिंह नेगी : अध्यक्ष महोदय, मैं विषय रख रहा हूं मगर माननीय मुख्य मंत्री जी व्यवधान डालकर मुझे विषय ही तो रखने नहीं दे रहे हैं। मुझे ऐसा लग रहा है कि (***)ये बार-बार कुछ बोलने के लिए खड़े हो रहे हैं। ---(व्यवधान) यह भी असंसदीय शब्द नहीं है। पिछले 6 महीने में इस देश में जो कुप्रबंधन यशस्वी प्रधान मंत्री और हिमाचल प्रदेश के लोकप्रिय मुख्य मंत्री ने किया वह आज तक के इतिहास में नहीं हुआ। मुख्य मंत्री जी को तो यही पता नहीं होता था कि आज इन्होंने कौन-सा ऑर्डर पास किया है तथा शाम होते-होते इन्होंने कौन-सा ऑर्डर बदल दिया। आप राम राज्य की बात करते हैं, खाली नाम के आगे राम लगने से राम राज्य नहीं आ जाता। आपसे अच्छा तो रावण का राज्य था, वहां कम-से-कम सोने की लंका तो थी। आपके राम राज्य में तो लोग भूखे-प्यासे मर रहे हैं। आपके अधिकारियों की चाटुकारिता इस हद तक बढ़ गई है कि ऐतिहासिक रिज़ पर महात्मा गांधी की मूर्ति से 30 फीट ऊपर आपने कोविड-19 का होर्डिंग (फोटो दिखाते हुए कहा।) लगा रखा है। इसको पूरा सदन देख सकता है कि महात्मा गांधी की मूर्ति से 30 फीट ऊंचा होर्डिंग लगाया गया है और इसमें डी0सी0, शिमला निवेदन कर रहे हैं। ---(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप एक मिनट बैठ जाइए। मुख्य मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं।

मुख्य मंत्री ::::: **टी सी द्वारा जारी**

-

(***)**अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाला गया।**

08.09.2020/1140/TCV/AG-1

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, बैठ जाइये। माननीय मुख्य मंत्री जी आप बोलिए।

मुख्य मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, विचित्र स्थति है ...(व्यवधान) गांधी जी का स्थान बहुत ऊंचा है। हमारा होर्डिंग एक किनारे में लगा होगा। इनको उस पर भी परेशानी है। क्या

ये तह करेंगे कि होर्डिंग कहां लगाना है? ...(व्यवधान) आप भाषा का सही इस्तेमाल करें। ऐसा नहीं है कि आप कुछ भी बोलते रहें। ...(व्यवधान)

श्री जगत सिंह नेगी : अध्यक्ष महोदय, ये है इनकी कार्यशाली (फोटो दिखाते हुए) इससे बड़ी धांधली और क्या हो सकती है। आपके राम राज्य में क्या हो रहा है-मजदूर मजबूर, कारोबारी का कारोबार खत्म, बेरोजगारी चरम पर, महंगाई आसमान को छू रही है, बागवान और किसान बेहाल और युवा वर्ग नौकरी के लिए तरस रहा है। ये कोविड की आड़ में नौकरियां बाहर वालों को दे रहे हैं। आपने नियम बनाये थे कि क्लास-II। और IV के इंटरव्यू नहीं होगें, आपने उसमें भी परिवर्तन करके कई विभागों में बाहर के लोगों को लगा दिया। ये काम आप कोविड की आड़ में कर रहे हैं और आपने सारा सिस्टम खत्म कर दिया है। कोविड के समय आप हवन करने और ताली-घण्टी बजाने चले गये। उससे क्या कोरोना भाग जाना था? क्या आपने डिजास्टर मैनेजमैंट में सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन किया। आपने सोशल डिस्टेसिंग के नियमों का पालन नहीं किया, आपने मुहं पर मास्क नहीं लगाया था। इसलिए सबसे पहली एफ0आई0आर0 तो आपके खिलाफ होनी चाहिए क्योंकि आपने कोविड की गाइडलाइन्ज को तोड़ा। आपने धारा-144 का भी उल्लंघन किया। आप स्वागत व शान के लिए सैंकड़ों लोगों को साथ लेकर चलते रहें। क्या आपके ऊपर कोई कानून-कायदा लागू नहीं होता? क्या आप कानून से ऊपर हैं? फिर आप कहते हैं कि हम राम राज्य लाएंगे। ...(व्यवधान) आप टाइम से क्यों डर रहे हो? अभी तो बहुत कुछ कहने को है। आप कोरोना की जंग में शुरू से ही एक बेतुजुर्बेकार और इनएफिशिएंट आदमी की तरह काम करते रहे हैं। आपने विपक्ष के साथ बैठकर कोई नीति बनाने की कोशिश

08.09.2020/1140/TCV/AG-2

नहीं की। हम शुरू से आपको कहते रहे कि हिमाचल प्रदेश में कोरोना बाहर से आएगा। हमने आपसे निवेदन किया था कि आप बॉर्डर क्वारंटाइन कीजिए। आप टैस्टिंग बॉर्डरों पर

कीजिए और वहां से क्वारंटाइन करके लोगों को प्रदेश के अंदर आने दीजिए ताकि यहां बीमारी न आए। हम छह-छह महीने से अपने घरों में बन्द थे। ...(व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सदस्य, वाइंड अप कीजिए। आपका विषय आ चुका है। ...(व्यवधान) नेता प्रतिपक्ष ने कल काफी विस्तार से अपनी बात कही है। आप वाइंड अप करें। ...(व्यवधान)

श्री जगत सिंह नेगी : अध्यक्ष महोदय, फिर मैं वाइंड अप करके सदन से ही बाहर चले जाता हूं। आप 12 मिनट में मेरी बात खत्म कर देते हैं। जब ये लोग 20-25 मिनट बोलते हैं, आप उस समय इनको नहीं रोकते हैं। आप सत्तापक्ष को बोलने के लिए टाइम देते है लेकिन विपक्ष को आप बोलने के लिए समय नहीं देते हैं। सर, लोकतंत्र में ऐसा नहीं चलेगा। आपने मेरे से पहले वक्ता को 18 मिनट दिए हैं। मुझे बोलते हुए अभी 12 मिनट हुए हैं और इस बीच में मुख्य मंत्री जी 6 बार डिस्टर्ब कर चुके हैं।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया दो मिनट में समाप्त करें।

श्री जगत सिंह नेगी : अध्यक्ष महोदय, फिर मैं बैठ ही जाता हूं। ...(व्यवधान) इस कोविड की आड़ में भ्रष्टाचार व्याप्त रहा। जैसे ही लॉकडाउन हुआ तो पहली बात इनके ध्यान में आई कि सैनिटाइजर और मॉस्क में बहुत प्रोफिट है क्योंकि यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि आपदा में भी अवसर ढूंढों। इन्होंने अवसर ढूंढने शुरू कर दिए और 10 रुपये की शीशी को 150 रुपये में बेचना शुरू कर दिया। दो रुपये के मास्क को 200 रुपये में बेचने का प्रावधान हुआ।

श्री आर0के0एस0 द्वारा जारी ...

08.09.2020/1145/RKS/AG-1

श्री जगत सिंह नेगी... जारी

स्वास्थ्य विभाग उस समय माननीय मुख्य मंत्री के पास था लेकिन त्यागपत्र भाजपा प्रदेशाध्यक्ष, माननीय राजीव बिन्दल जी देते हैं। स्वास्थ्य विभाग मुख्य मन्त्री के पास और नैतिकता के नाम पर कोई और व्यक्ति 'बलि का बकरा' बने। अनैतिक काम पर नैतिकता की दुहाई देकर उनसे त्याग पत्र दिलवाया गया ताकि 'शक की सुई' आपकी तरफ न जाए। त्याग-पत्र तो आपको देना चाहिए था। आज क्या हो रहा है? कल माननीय मुख्य मंत्री ने माननीय राजीव बिन्दल जी को इस सदन में क्लीन चिट दे दी। (...व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सदस्य आपका निर्धारित समय पूरा हो गया है, कृपया आप वाइंड-अप करें।

श्री जगत सिंह नेगीः आपने 47 लाख रुपये इकट्ठे किए हैं। आप मुझे बताइए कि जिन-जिन लोगों से आपने पैसे लिए हैं क्या उन लोगों को आपने इसकी रसीद दी है? मुझे मालूम है कि आपने ठेकेदारों से पैसे लिए हैं। आपने इस तरह का काम किया है कि जिस ठेकेदार ने 50 हजार रुपये दिये उसको आपने तीन ठेके दे दिए। यह पैसा कहां गया? आपने कुछ पैसा अपने पास रखा, कुछ राजकीय कोष में और कुछ पैसा प्रधानमंत्री राहत कोष में दिया। यह किस किस्म की कॉलैक्शन थी? (...व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सदस्य महोदय, मैंने पहले भी कहा है कि इतनी जोर से बोलने की जरूरत नहीं है। कृपया आप आधे मिनट में वाइंड-अप करें अन्यथा मैं दूसरे वक्ता को बोलने के लिए आमंत्रित करुंगा।

श्री जगत सिंह नेगीः माननीय अध्यक्ष जी, इस कोविड काल में जहां इस प्रदेश का हर वर्ग परेशान है, मैं एक बात कहना चाहूंगा कि रोम में एक बादशाह थे, निरू। जब रोम जल रहा था तो वह म्यूजिक बजाते रहे। उसी तरह हमारे मुख्य मंत्री जी इस कोरोना

काल में वीडियों गेम खेलते रहे। Power tends to corrupt, and absolute power corrupts absolutely. 'शक्ति भ्रष्ट करती है परंतु पूर्ण शक्ति पूर्णतः भ्रष्ट कर देती है' और यह चीज आप पर लागू होती है। आप तानाशाह बन गए। आपने विधायकों की विधायक निधि खत्म कर दी। आपने यह निधि खत्म करके विधायकों को अपंग बना दिया।

अध्यक्षः माननीय सदस्य आपका विषय आ गया है अब आप कृपया बैठ जाइए।

श्री जगत सिंह नेगीः सर, मुझे अपनी बात समाप्त करने दीजिए। ये मेरे पास कुछ कागज हैं, जिन लोगों को कोविड-19 के चलते संस्थागत क्वारंटीन किया गया, यह उनकी हालत दर्शाते हैं। संस्थागत क्वारंटीन के नाम पर लोगों को ऐसे तम्बुओं में रखा गया। (...व्यवधान)

अध्यक्षः आप इस प्रकार से अखबार के पन्नों को नहीं लहरा सकते, यह नियम के विरुद्ध है। आप इस प्रकार से सनसनी न पैदा करें। आपका विषय आ गया है। अब आप अपनी बात समाप्त करें।

श्री जगत सिंह नेगीः माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं इन कागजों को सभापटल पर भी रख रहा हूं।

अध्यक्षः माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी, क्या आप कुछ कहना चाहेंगे।

संसदीय कार्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदन में इस प्रकार कागज लहराना नियमों के विरुद्ध हैं। (...व्यवधान)

श्री बी.एस. द्वारा.... जारी

08.09.2020/1150/बी0एस0/ए0एस0/-1

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया बैठ जाइए।

श्री जगत सिंह नेगी : खाली पेट- नंगे पांव कैसे पंहुचा अपने गांव,
हम सब याद रखेंगे, पाई-पाई तेरी जुल्म का हिसाब रखेंगे,
हम सब याद रखेंगे ॥...(व्यवधान)

अध्यक्ष : मैं यह कहना चाहता हूं कि यह अखबारों के पन्ने और फोटोकॉपियां जो यहां पर प्रस्तुत की जाती है। ये सब बातें आपको एक एप्लिकेशन हस्ताक्षर करके मेरे पास चैंबर में दी जानी चाहिए थी। हमारे विधान सभा की परंपराएं ऐसी नहीं है कि किसी भी कागज़ को लहराना आरम्भ कर दिया जाए। दूसरा माननीय सदस्य महोदय, आप इस माननीय सदन के बहुत वरिष्ठ संदस्य हैं। आप इस कुर्सी को भी सुशोभित कर चुके हैं। यहां जो असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल किया गया जैसे कि (***) **इस** शब्द इस्तेमाल किया गया, इसका क्या अर्थ है? आप जैसे वरिष्ठ माननीय सदस्य इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल करेंगे तो यह उचित नहीं होगा, कृपया आप बैठ जाइए। दूसरा यह कहा कि (***) **इन बातों का क्या मतलब है**? इसके आगे कहा गया कि ये कीलें आपको चुभ रही हैं।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : माननीय अध्यक्ष जी, यह दलाल शब्द यहां के लिए नहीं बल्कि जो बाहर लोग इस तरह के कार्य कर रहे हैं उनके लिए कहा गया है और दूसरा मैं कहना चाहता हूं कि ये शब्द आपके नेता आदरणीय शांता कुमार जी के ही इज़ाद किए हुए हैं।

अध्यक्ष : उन्होंने जो कहा होगा बिल्कुल उस समय की परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए कहा होगा। उन्होंने किन परिस्थितियों में ये कहा होगा, उन्हें मैं रिकॉर्ड में देखूंगा। मैं समझता हूं कि ये असंसदीय लाइने हैं। मैं इन शब्दों की पूरी जांच-पड़ताल करूंगा और ये कार्यवाही से निकलने चाहिए। माननीय सदस्य पिछली सरकार में उपाध्यक्ष रह चुके हैं कृपया शब्दों का सही इस्तेमाल करें। आप अपना विषय रखें उसमें कोई मनाही नहीं है। मैं निष्पक्षता की ओर बढ़ रहा हूं और आपको कुछ और लगता है। मुझे यही कहना है कि कृपया इस तरह के शब्दों का उच्चारण न करें। अब माननीय वन मंत्री राकेश पठानिया जी अपना विषय रखेंगे।

(***)**अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाला गया।**

08.09.2020/1150/बी0एस0/ए0एस0/-2

वन मंत्री : अध्यक्ष महोदय, नियम 67 के ऊपर आपने चर्चा के लिए अनुमति दी, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करना चाहता हूं । आपने एक इतिहास इस प्रदेश,देश और इस माननीय सदन में बनाया है। मैं विपक्ष के नेता से कहना चाहता हूं, कृपया बाहर न जाएं और मेरी पूरी बात सुन लें।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : मैं यहीं हूं, कहीं नहीं जा रहा हूं।

संसदीय कार्य मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, जो वक्ता पहले बोलता है और उसके बाद दूसरा वक्ता बोलता है तो नियमो के अनुसार पहले वक्ता को सीट पर बैठना होता है। वह वक्ता सीट छोड़ कर बाहर नहीं जा सकता। माननीय जगत सिंह नेगी जी बोल रहे थे, उसके बाद उन्हें अगले वक्ता की बात को सुनना चाहिए था। यह संसदीय परंपरा और नियमों में है।

श्री जगत सिंह नेगी : आप मुझे इस नियम को बताने की कृपा करें कि यह कहां लिखा हुआ है।

संसदीय कार्य मंत्री : मैं आपको बताऊंगा कि यह नियमों में है। ...(व्यवधान)

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

08-09-2020/1155/ए.एस.-एन.जी./1

(व्यवधान)...

अध्यक्ष : माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी और माननीय सदस्य श्री जगत सिंह नेगी जी आप दोनों दोपहर के समय मेरे चैंबर में आएंगे और वहां बैठ कर बातचीत करेंगे। अब आप दोनों बैठ जाएं।

वन मंत्री : अध्यक्ष महोदय, नियम-67 के अन्तर्गत(व्यवधान)... सुक्खु जी मैं 20 मिनट नहीं लूंगा यदि आप मुझे बोलने देंगे तो मैं 5 मिनट में पूरा कर दूंगा।(व्यवधान)... नेगी साहब आपको तो मैं प्रणाम करना चाहूंगा। आपके झूठ बोलने की डीग्री पूरी हो गई की नहीं।(व्यवधान)... अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से पूरे प्रदेश और माननीय सदन के

सामने केवल एक छोटी सी प्रार्थना है कि जिस चीज पर हम चर्चा कर रहे हैं उसी विषय पर रह कर चर्चा करनी चाहिए। अगर आप इस देश का इतिहास देखेंगे तो वर्ष 1962 में चीन के साथ भारत का युद्ध हुआ, वर्ष 1965 और 1971 में पाकिस्तान के साथ भारत का युद्ध हुआ और इसके अलावा इस देश पर जितनी भी आपदाएं आई उन सभी आपदाओं में हरेक भारतीय नागरिक ने एक-दूसरे के साथ खड़े होकर उसका सामना किया। माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने वर्ष 1971 में श्रीमती इन्दिरा गांधी जी को दुर्गा का रूप बताया था क्योंकि हम एक ऐसी लड़ाई लड़ रहे थे जिसमें हर भारतीय को एक होकर लड़ना पड़ रहा था। आज इस लड़ाई को केवल हम नहीं बल्की पूरा विश्व लड़ रहा है। पूरा विश्व तो कोरोना से लड़ाई लड़ रहा है लेकिन यहां पर आप लोग कौन सी लड़ाई लड़ रहे हैं इस पर भी जरूर विचार करें और don't come here to score political points. लोगों ने आपको चुन कर भेजा है और चुने हुए प्रतिनिधी चाहे इस तरफ हों या उस तरफ वह इस बीमारी के विरूद्ध लड़ाई लड़ने आए हैं। इस लड़ाई को हमें इक्ठ्ठा हो कर लड़ना है। जिस प्रकार राजनीतिक गर्माहट पैदा करने का प्रयास किया गया वह ठीक नहीं है। I have a high regards for you, Negi Ji. Let's make the decorum of House. (व्यवधान)...

08-09-2020/1155/ए.एस.-एन.जी./2

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी तो आपके लिए बड़ी मान सम्मान की भावना व्यक्त कर रहे हैं। (व्यवधान)...

वन मंत्री : -(***)- जिस कारण आप बार-बार खड़े हो जाते हो।(व्यवधान)... अध्यक्ष महोदय, आज यह लड़ाई केवल हम नहीं लड़ रहे हैं, the whole world is fighting against the Corona virus. माननीय सदस्यों ने इस के बारे में विस्तार से चर्चा की है कि पूरे विश्व की तुलना भारत देश के साथ करें तो मालूम पड़ जाएगा कि हमारा देश कहां खड़ा है। मृत्यु दर के मामले में हम कहां खड़े होते हैं(व्यवधान)...

(***)**अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाला गया।**

श्री विक्रमादित्य सिंह : पूरे विश्व में दूसरे स्थान पर हैं।

Forest Minister : I am talking about the mortality rate. श्री विक्रमादित्य जी ध्यान से सुन लिया करो और उसके बाद रिसपोंड किया करो।(व्यवधान)... आज कोरोना काल के समय विश्व में किसी की successful management है तो भारत सरकार की है। (व्यवधान)... यदि आप developed or highly populated countries के साथ हमारे देश की तुलना करेंगे और उसके अनुसार परिणाम निकालेंगे तो मालूम पड़ जाएगा कि हम एक बेहतर स्थिति में हैं। पूरे विश्व में भारत एक अलग स्थान पर खड़ा है। इसके अलावा भारत में अन्य राज्यों की तुलना में हिमाचल प्रदेश भी एक अलग स्थान पर खड़ा है और सबसे बढ़िया व सबसे बेहतर स्थिति में खड़ा हुआ है।

.....श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

08/09/2020/1200/MS/डीसी/1
वन मंत्री जारी-----

We are lucky and we are blessed. हम इसमें राजनीति क्यों ला रहे हैं? कहते हैं कि मुख्य मंत्री जी ओक ओवर में हैं। मुकेश जी, मैंने आपका एक बयान नहीं बल्कि कम-से-कम 15 पढ़े हैं कि मुख्य मंत्री जी ओक ओवर में बैठकर राजनीति चला रहे हैं। तो क्या वे आकर चौक पर खड़े हो जाएं? ...(व्यवधान) या उनको हरोली चौक पर भेजें? मुख्य मंत्री ने तो ओक ओवर से ही ऑपरेट करना है और बेहतरीन तरीके से ऑपरेट करना है और किया भी है। ...(व्यवधान)जब तक ये ओक ओवर में रहे, तब तक आपको तकलीफ़ रही और आपका हररोज़ बयान आता रहा कि हिमाचली बाहर फंसे हुए हैं, बेड़ा गर्क हो गया है और सरकार कुछ नहीं कर रही है। इसी तरह से जब कलकत्ता से लेकर गोवा और बैंगलोर तक ट्रेनें और बसें पहुंची तथा अढ़ाई- पौने तीन लाख लोग अंदर आए तो आपको फिर तकलीफ़ हो गई कि कोरोना आ गया। लो जी, आप कोरोना ले आए। जब कोरोना आ गया तो फिर आपने आपदा के ऊपर अपनी एक्सप्लेनेशन देनी शुरू कर दी और ऐसा लग रहा था जैसे पिछले 50 साल से आपकी पांच पुश्तें यही काम करती आई हैं। हमें तो समझ नहीं

आ रहा है कि आपकी किस बात का जवाब दें और किस बात की सराहना करें। आप हर बात पर आलोचना करते हैं। आपकी केवल-और-केवल नकारात्मक सोच है। आप कहीं तो सकारात्मकता की बात करें। मैं आपको उदाहरण दे रहा हूं कि वर्ष 1962 से लेकर अभी तक जितने विश्व युद्ध हुए हैं और जब-जब इस देश ने संकट का सामना किया है तो सभी ने इकट्ठे होकर इस लड़ाई को लड़ा है। आप लोगों ने केवल आलोचना की है, one and only one track आपका प्रोग्राम था और जिस दिन अन-लॉकडाउन-टू शुरू हो गया तथा मुख्य मंत्री जी धर्मशाला आ गए तो फिर आपको मरोड़ पड़ना शुरू हो गए कि मुख्य मंत्री जी धर्मशाला क्यों आ गए। वहां पर मण्डल की बैठक में केवल 35 लोग थे। अगर वहां पर 15 डेपुटेशन बाहर आ गए तो क्या कर सकते थे? क्या उन पर लाठीचार्ज करवाते? अगर बाहर डेपुटेशन आ गए कि उन्हें ये-ये मुश्किलें हैं तो क्या करते? वे मुख्य मंत्री जी के पास नहीं आते तो किसके पास आते? उसके ऊपर भी आपको समस्या आ गई। मुकेश जी, कल आपने बड़ा लम्बा-चौड़ा भाषण दिया। कल आशा जी, राम लाल ठाकुर जी, अनिरूद्ध जी और यहां से भी बहुत से हमारे

08/09/2020/1200/MS/डीसी/2

मित्र बोले हैं। सबने अच्छा बोला और यह भी कहा कि कुछ अच्छे काम हुए, कुछ बुरे भी हुए। परन्तु जिस तरीके से मुकेश जी आपकी और जगत सिंह नेगी जी की गाड़ी एक ही ट्रैक पर चली गई कि कुछ हुआ ही नहीं, वह सही नहीं था। मुकेश जी, मैं तो कल शाम को आपका इंटरव्यु सुन रहा था। आपने मीडिया के सामने बहुत ही शानदार इंटरव्यु दिया। ...(व्यवधान) आपने कहा कि नियम-67 की चर्चा में हमने सरकार के घुटने लगा दिए। आप लोगों ने सरकार के कैसे घुटने लगा दिए? आप लोगों ने कौन से घुटने लगा दिए? यह तो हमारे माननीय मुख्य मंत्री और अध्यक्ष महोदय का बड़प्पन है कि नियम-67 में आपको चर्चा की अनुमति दी और वह इसलिए दी क्योंकि यह सरकार बिल्कुल पाक थी। ...(व्यवधान) जनाब, हम आपका स्वागत कर रहे हैं कि आप अच्छा प्रस्ताव लेकर आए और हमने आपको उस पर चर्चा भी अलाऊ की क्योंकि प्रस्ताव प्रदेशहित में था। इस सरकार ने काम किये हैं इसलिए हमें चर्चा करने में कोई आपत्ति नहीं है। इस सरकार ने बेहतर काम किये हैं लेकिन आप लोगों ने बिल्कुल भी योगदान नहीं दिया है। आप लोगों ने केवल अपोज किया है और कभी भी साथ नहीं दिया। ...(व्यवधान) सुनिये, आपने तो कल इस तरीके से यहां पर ओपनिंग की कि ऐसा लग रहा था कि अब तो ट्वेंटी-ट्वेंटी भी खत्म हो गया और पांच-

पांच ओवरों के मैच शुरू हो गए हैं। जिस तरीके से आपने मोरल ग्राउंड पर मुख्य मंत्री और पूरे-के-पूरे केबिनैट का इस्तीफ़ा मांगा, वह सही नहीं था। जब आपका पांच साल पूरा केबिनैट उच्चतम न्यायालय में घूमता रहा, तब आपको नैतिकता याद नहीं आई? आपको यहीं आकर नैतिकता याद आती है? ...(व्यवधान)आप लोग मेरी बात सुन लीजिए। जब आप लोगों की बारी आएगी तो आप बोल लीजिएगा। मुकेश जी, आप उद्योग मंत्री थे। ईज ऑफ डूईंग बिजनैस में आप कहां पर थे? आपका क्या स्थान था? मैं ईज ऑफ डूईंग बिजनैस की बात कर रहा हूं और इसमें हमारा 7वें स्थान पर आने का मतलब है कि we are very close to...(interruption) सुन लीजिए। We are very close to reach Bulk Drug Park. पार्क के बारे में, जिसकी तरफ हम बढ़ रहे हैं, अगर वह बल्क ड्रग पार्क हिमाचल प्रदेश को मिल गया तो हिमाचल प्रदेश की इण्डस्ट्री के अंदर इससे बड़ा रेवोल्यूशन कभी नहीं आएगा and we are very close to it. मैं आपको यह बताना चाहता हूं। आपका यह हाल है। बैठे-बैठे बोलते रहते हैं कि यह नहीं मिलना। आप लोग हिमाचल प्रदेश के दुश्मन हैं। आप लोग हिमाचल के मित्र तो है ही नहीं।
जारी जे0के0 द्वारा----

08.09.2020/1205/JK/DC/1

वन मंत्रीः------जारी---------

आप हिमाचल के दुशमन हैं। आप हिमाचल के दुशमन हैं और आपको कोई मित्रता ही नहीं है। आप यही कहते रहते हैं कि ये नहीं मिलना। आप लोगों की यह नैगेटिव सोच ही कभी खत्म नहीं होगी। आप जैसे लोग जब यहां पर रहेंगे तो कुछ भी नहीं आएगा। आप जैसे लोग यहां पर बैठे हैं इसलिए कुछ नहीं आएगा, ऐसा मैं आपको विश्वास दिलाता हूं।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जी प्लीज बैठे-बैठे न बोलें। प्लीज आप सुनें। आप को भी मौका मिलेगा।

वन मंत्रीः यह आपकी नैगेटिविटी है और यह आपकी असलियत है। इसके अलावा आपका प्रदेश के लिए कुछ भी कॉन्ट्रीब्यूशन नहीं है इसलिए यह बात आप बोल सकते हैं। मैं आपको इसमें कुछ नहीं बोलना चाहता । विक्रमादित्य जी, मैं कुछ नहीं बोलना चाहूंगा।

आप चुप ही रहें तो बेहतर है। मेरा मुंह मत खुलवाएं। मेरा मुंह खुलवाइएगा, फिर मैं वकामुल्ला से शुरू हूंगा और बहुत दूर तक चला जाऊंगा...(व्यवधान)

अध्यक्षः मैं कांग्रेस के माननीय सदस्यों से कहना चाहूंगा कि जितना समय आपको दिया जाएगा, उतना ही समय इनको भी दिया जाएगा।

वन मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे कम समय लूंगा। कल मैं इनका स्टेटमैंट पढ़ रहा था। 'Government was missing in COVID' कि पूरे कोविड में सरकार नाम की कोई चीज़ ही नहीं थी। श्री जगत सिंह नेगी जी, आप तो कमाल करते हैं। आप लोगों का यह हाल है। मैं आप लोगों को उदाहरण देता हूं कि श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने इन्दिरा जी को दुर्गा का रूप कहा था और आदरणीय प्रधान मंत्री जी ने जिस तरह से लड़ाई लड़ी और जिस घटिया भाषा में श्री जगत सिंह नेगी जी आपने बार-बार प्रधान मंत्री को कोट करने का प्रयास किया, जिस तरह की भाषा आपने बोली है, आप तो दिमाग की बात न करना। मैं आपसे अभी बहुत पीछे हूं। अध्यक्ष महोदय, जिस तरीके से हमने लोगों को कोविड के दौरान राशन बांटा, हमने मास्क बांटे, हमने

08.09.2020/1205/JK/DC/2

सैनेटाइजर बांटे, हमने पुलिस वालों को खाना खिलाया और हमने डॉक्टर्ज़ का मान-सम्मान किया। मैंने कल श्री राम लाल ठाकुर जी की स्पीच में सुना था कि मैंने ये किया। इसके अलावा आप लोगों के बीच से एक भी नहीं बोला कि आपने क्या किया? सिर्फ राम लाल ठाकुर जी को छोड़ करके एक भी आदमी ने यह नहीं बोला कि मैंने भी एक मास्क बांटा, मैंने भी एक सैनेटाइज़र की शीशी बांटी है। सबसे बढ़िया बात तो यह है, जो कि मुझे बहुत अच्छी लगी और इस बात को सुन कर बड़ा मजा आया कि यह जो सारी एक्सरसाइज़ हुई, क्योंकि आदरणीय मुख्य मंत्री जी पूछ रहे थे कि जो ये लोग आए इनमें कितना खर्चा आ गया? सरकार ने जब आंकड़ें निकाले तो 13 करोड़ रुपया हमारी सरकार का खर्च हुआ। जब आपकी हाइ कमांड ने आपसे आंकड़ें मंगवाए कि आपका कितना खर्चा

हुआ और आपने उनको खर्चा 12 करोड़ रुपये का बताया? कमाल हो गया। आपने अपनी पार्टी ही नहीं छोड़ी तो प्रदेश को क्या छोड़ना है? ये हाल आपके हैं। जब मुकेश अग्निहोत्री जी आप बोल रहे थे तो उस वक्त 9 लोग अन्दर बैठे हुए थे। जब आशा कुमारी जी बोल रही थीं तो 8 लोग अन्दर बैठे हुए थे। यहां पर आप केवल पोलिटिकल प्वाइंट स्कोर करने के लिए आते हैं। आप लोग बार-बार हर बात की क्रिटिसाइज करके और ऊपर देख कर यह तय करते हैं कि मेरी कल खबर लगेगी या नहीं लगेगी। हिमाचल प्रदेश भाड़ में जाए। इससे आपको कोई लेना-देना ही नहीं है। इस कोविड में आपने अपनी एक्टिविटिज़ के द्वारा प्रूव कर दिया है। इस प्रदेश को बता दिया कि आप केवल ऑपोजिशन के रोल में फिट है, यहां पर बैठ कर आप क्रिटिसाइज़ कर सकते हैं इसलिए भगवान आपकी आत्मा को शांति दें और आप हमेशा यही रहें। मैं आपको इस बात का विश्वास दिलाना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, अभी 14 मिनट हुए। मैं अपनी बात को खत्म कर रहा हूं। श्री मुकेश अग्निहोत्री जी जिस तरह की भाषा आप इस्तेमाल कर रहे हैं यह भाषा तो आप लोगों को ही सूट करती है। इस भाषा को आप ही बोलें। मेरा मतलब यह है कि आपको जो बार-बार उबाल आ रहा है, बार-बार

08.09.2020/1205/JK/DC/3

गर्मी आ रही है उसको आप ज़रा शांत रखें, उसको ठंडा रखें। अध्यक्ष महोदय, यह एक ऐसी घड़ी है, जिस घड़ी के अन्दर इस प्रदेश को न तो कोई एक्सपीरियंस था, न तो आशा कुमारी जी आपको था, न हमें था, न इस ब्युरोक्रेसी को था और न ही किसी पत्रकार को था। आज हिमाचल के अन्दर एक्टिव केसिज केवल 2200 के करीब हैं। आज हम 2200 से 3800 के बीच में रुके हुए हैं और अभी भी यह बीमारी खत्म नहीं हुई है। यह कभी भी, कहीं भी फट सकती है।

श्री एस.एस. द्वारा जारी------

वन मंत्री क्रमागत :

इस देश के अंदर एक बात तो तय हो गई कि now we have to live with it. अब यह हमारी ज़िन्दगी का एक हिस्सा बन गया है। इससे पहले कि इस वायरस का कोई एंटीडॉट आए, वैक्सीन आए तब तक के लिए हमें इस बात को समझना होगा और समझकर अपने अंदर ढालना होगा कि it is now part of our life and we have to live with it. और जो सरकार चल रही है उसने भी चलना है। सरकार ने भी अपने काम करने हैं। सरकार ने भी डवलपमैंट वर्क्स को करना है। आज हमारी सरकार 30 हजार करोड़ का घाटा देख रही है उसके बावजूद भी मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा कि आपने हमारे डवलपमैंट वर्क्स को रुकने नहीं दिया। आप विधायक निधि से दुखी नहीं हैं लेकिन सत्ता पक्ष दुखी है। ये बार-बार इस बात को उठाते हैं। हमारी जो इंटरनल बैठकें हुई हैं उन बैठकों में सभी विधायकों ने बोला और जोर-शोर से बोला कि विधायक निधि के बारे में क्या किया जाए। जब मुख्य मंत्री जी ने पूरा आंकड़ा हमारे सामने रखा उसके बाद हमने एक बात बोली कि वाकई यह प्रदेश/देश जो लड़ाई लड़ रहा है हम सबको उसके अंदर साथ देना चाहिए। सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जी, मुझे आपकी प्रैस कांफ्रैंस नहीं भूली। आपने कहा कि मैंने पूरी-की-पूरी सैलरी कोविड फंड में दे दी। क्या आपने एहसान किया? क्या हम सबने सैलरी नहीं दी? सब-के-सब विधायकों ने सैलरी दी हुई है। किसने सैलरी नहीं दी। सब-के-सब एम0एल0ऐज़0 ने अपनी पूरी सैलरी दे रखी है। आपने अकेले सैलरी नहीं दी हुई है। इस करके मैं इसको ऑन रिकॉर्ड लाना चाहूंगा that everybody has contributed equal amount you have contributed. हमने अपनी जेब से कई गुणा ज्यादा पैसा लगाकर अपने चुनाव क्षेत्र के लोगों की सेवा की है। कल मुकेश जी ने एक बात को बोला और आज आपने भी उस बात को बार-बार उठाया है। आप बिंदल साहब को टारगेट करने का प्रयास कर रहे हैं। किस लिये? क्योंकि आपके पास अपनी बात कोई बोलने के लिए कुछ नहीं है। मैं आपकी बातें करने लगूंगा तो यहां राख हो जायेगी कि आपका अंदर से बुरा हाल है। मैं उस विषय पर नहीं जाना चाहता। हम केवल वह बात करना चाह रहे हैं जो सरकार ने काम किया है और पॉजिटिवली करके इस प्रदेश के सामने रखा है। आकलन, फैसला हिमाचल की जनता करेगी। जनता भलीभांति जानती है कि किसने क्या किया है।

आज विनोद जी गुस्सा कर रहे थे। क्यों कर रहे थे? मेरा छोटा भाई गुस्सा कर रहा था, जिसने दिन-रात एक किया हो और आप करें कुछ न तथा आगे से जोर-जोर से बोलें तो

08.09.2020/1210/SS-HK/2

नेगी साहब दर्द होता है, तकलीफ होती है। काश आपने भी कुछ किया होता तो हमें तकलीफ न होती। आप सत्तापक्ष को छोड़िये, अपनी बात करिये, अपने गिरेबान में झांक कर देखियेगा कि आपने इस कोविड की लड़ाई में क्या किया है, अपने क्षेत्र व इस प्रदेश के बारे में क्या किया है। नेगेटिव बोलना बंद करें, प्रदेश के हित के बारे में सोचना शुरू करें।

अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

08.09.2020/1210/SS-HK/3

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जी।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु (नदौन): माननीय अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी बने हैं, नया-नया जोश है। इन्होंने सैलरी के बारे में कहा।

अध्यक्ष : वैसे सुखविन्द्र जी आपको भी समय दिया जायेगा। तब आप अपनी बात रख सकते हैं।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने सैलरी की बात कही। सरकार ने एक नोटिफिकेशन की और आप भी अपने आपको कॉरैक्ट कर लेना कि कुल 30 परसैंट सैलरी का काटेंगे। हम सब ने 30 परसैंट दिया। मैं आपके पास आया। मैंने बोला कि मेरी 30 परसैंट के अलावा और भी जो बची हुई सैलरी है उसको काट लीजिए। आपने वह काटनी स्टार्ट कर दी। मंत्री जी की सैलरी अगर नहीं कट रही है तो जैसे मेरी सैलरी कट रही है वैसे ही मंत्री जी की भी काटी जाए। आप यह क्लैरीफिकेशन करें कि मैंने 30 परसैंट के अलावा कितनी सैलरी दी। ...(व्यवधान)... आप बोलते हैं लेकिन सुनते नहीं हैं। 30 परसैंट सैलरी सब की कट रही है।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपका विषय आ गया।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु : सुनो, 30 परसैंट हम सब की कट रही है। 30 परसैंट के अलावा मुझे जो सैलरी मिलती थी मैंने उसे भी काटने का आपसे आग्रह किया। आपने वह काटी। मेरे सिवाय 30 परसैंट के अलावा किसी की सैलरी नहीं कट रही। यह आप (वन मंत्री) माननीय अध्यक्ष महोदय से क्लैरीफाई कर लें। माननीय अध्यक्ष महोदय, आप भी इनको क्लैरीफाई कर देना।

अध्यक्ष : इससे पहले कि श्री नन्द लाल जी अपनी बात कहें, एक विषय आया था कि जब राकेश पठानिया जी ने बोलना शुरू किया तो कुछ विपक्ष के माननीय सदस्य उठकर बाहर जाने लगे। नन्द लाल जी, आप बैठिये। जो माननीय सदस्यों द्वारा नियमों का पालन करना है मैं उसके बारे में इंगित करना चाहता हूं, आप उसको ध्यान में रखें। सभा में उपस्थिति के समय सदस्यों द्वारा पालनीय नियम - "जब सभा की बैठक हो रही हो तो कोई सदस्य कोई ऐसी पुस्तक, समाचार-पत्र जो यहां लहराये जा रहे हैं, फोटोकॉपियां या पत्र नहीं पढ़ेगा

08.09.2020/1210/SS-HK/4

और न ही कोई ऐसा कार्य करेगा जिससे सभा की कार्यवाही बाधित हो या रुके

जारी श्रीमती के0एस0

08.09.2020/1215/केएस/एच0के0/1

अध्यक्ष जारी---

और इसकी क्रमांक संख्या-17 यह कहती है कि अपना भाषण देने के तुरंत बाद सभा से बाहर नहीं जाएंगे, इसको ध्यान में रखें। जब हम बोलते हैं तो तुरंत एक या दो सैकिण्ड के बाद बाहर चले जाते हैं तो आप इन बातों का ध्यान रखेंगे। जो नियमों में लिखा है, जो हमारी परिपाटी और परम्पराएं हैं, उसी का ज़िक्र मैंने किया है। माननीय सदस्य, श्री नेगी जी, आप बैठ जाएं। श्री नन्द लाल जी का समय न लें नहीं तो उनका समय कट जाएगा। ...(व्यवधान) नहीं, अब हो गया। मैंने इसी के संदर्भ में बात कही है। ....(व्यवधान) मैंने उसके बारे में आपको कहा है कि उसके बारे में मुझे सूचित किया जाए। नेगी जी, आप बैठें और श्री नन्द लाल जी अपनी बात रखें।

श्री नन्द लाल (रामपुर): माननीय अध्यक्ष महोदय, नियम-67 में कोविड-19 और इसके कुप्रबन्ध पर जो यह डिबेट आई है, मैं भी उसमें अपने आप को शामिल करता हूं। कोविड-19 एक बहुत बड़ी महामारी है और यह हम सभी को मालूम है। देखना है कि इसमें सरकार क्या कुछ कर पाई है। विपक्ष के हमारे मित्रों ने इस पर काफी विचार रखे और सत्ता पक्ष के मित्रों की तरफ से भी काफी अच्छे विचार आए मगर सवाल यह है कि हम मिस मैनेजमैंट के बारे में बोल रहे हैं कि यह कहां-कहां हुआ, क्या-क्या हुआ और क्या होना चाहिए था, मुद्दा यह है। जनवरी में जब पता चल गया था कि इस तरह की बीमारी, फ्लू फैल चुका है तो इस पर सरकार को चिंता करनी चाहिए थी । मैं सिर्फ हिमाचल की ही बात नहीं कर रहा हूं, इसमें केन्द्र सरकार की भी बात है कि जब जनवरी में पता चल गया था, तो जगत सिंह नेगी जी ने ठीक कहा कि केन्द्र सरकार तो उस समय इस इन्तज़ार में थी कि कब नमस्ते ट्रम्प हो जाए, मध्य प्रदेश में सरकार बन जाए और ये ही दो मुख्य मुद्दे थे जिनकी वजह से इसको रोका गया और इस पर जो एहतियात बरतने की ज़रूरत थी, उस पर सरकार की कोई मन्शा नहीं बनी। यहां तक कि हिमाचल में भी बजट सत्र के दौरान हमारे विपक्ष के नेता श्री अग्निहोत्री जी ने यह बात रखी कि इस पर एक डिबेट लाएं ताकि कुछ एहतियात बरती जा सके। जब इस तरह की महामारी फैली हुई है तो इस पर

08.09.2020/1215/केएस/एच0के0/2

एहतियात लिए जाएं लेकिन अध्यक्ष महोदय, आपने अलाउ नहीं किया, हमें वाक आउट करना पड़ा और आखिरकार अगले दिन 23 मार्च को लॉकडाउन शुरू हुआ तो नेगी जी ने कहा कि अब हमें घर तो जाने दीजिए। इस तरह की हालत हो गई कि लोगों को अपने घर जाना था लेकिन परमिट का चक्र पड़ गया,बाकी चीजें हो गईं। अध्यक्ष महोदय, मैं यही कहना चाहूंगा कि हम भी चुने हुए लोग हैं और ये भी चुने हुए लोग हैं । जो दिक्कतें हम फेस कर रहे हैं, इनको भी फेस करनी पड़ सकती हैं । ठीक है, सरकार की बात हमें माननीय चाहिए और हम इसमें बुरा भी नहीं मानते मगर यह भी देखा जाना चाहिए कि इसमें क्या-क्या और कहां-कहां कमियां रहीं। माननीय मुख्य मंत्री जी ने स्वयं फोन करके सभी

विधायकों को बताया कि इस पर थोड़ा ध्यान दीजिए और ऊपर से मोदी जी का भी यही आदेश है। इन्होंने सभी से कहा कि अपनी-अपनी पंचायतों में जाएं with full cooperation to the Government ताकि हम इस महामारी से बचने की कोशिश करें। यह मुद्दा था । हुआ यह कि हम लॉक डाउन के बाद अपने क्षेत्रों में गए तो हमने सबसे पहले अपनी स्वास्थ्य संस्थाओं को देखना चाहा। उनमें जो आइसोलेशन सैंटर क्रिएट किए हैं, जो इंस्टीट्यूशनल क्वारंटीन सैंटर क्रिएट किए हैं और जो दूसरे सैंटर क्रिएट किए हैं, उनका मुआयना किया। मैं रामपुर की बात कर रहा हूं। हमने देखा कि रामपुर में जो एक रैफरल हॉस्पिटल है, उसमें कोई भी वेंटिलेटर नहीं है। हमने उसी दिन एक सैंक्शन इशू किया out of my MLA-LAD. हमने कहा, it was costing around 3.5 lakhs कि कम से कम एक-एक वेंटिलेटर चला जाए । वेंटिलेटर एक अहम चीज़ है । जो यह महामारी है इसमें सांस लेने की समस्या एक मेजर इशू है इसलिए हमने कहा कि और कुछ नहीं तो इनीशियली एक-एक वेंटिलेटर आइसोलेशन वार्ड के अंदर हो and the very next day the decision was taken कि जो

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

8.9.2020/1220/av/yk/1

श्री नन्द लाल---------- जारी

एम0एल0ए0 लैड फ्रीज़ किया जाए। बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि आज 6 महीने के बाद भी हमारे वहां वैंटिलेटर नहीं लगे हैं। अब केंद्र सरकार की एड मिलने से वहां पर वैंटिलेटर तो पहुंच गये हैं मगर खेद की बात यह है कि उनको सरकार अभी तक इंस्टॉल नहीं कर पाई। इसके लिए अभी डॉक्टर्ज ट्रेनिंग करेंगे उसके बाद वे इंस्टॉल होंगे, मेरे कहने का अर्थ यह है कि 6 महीने बीत जाने के बाद भी वैंटिलेटर इंस्टॉल नहीं किए गए हैं। हमारा विषय ही यही है कि सरकार ने इस महामारी से रोकथाम के लिए 6 महीने में क्या-क्या किया। ठीक है, पिछले कल माननीय सदस्य श्री राकेश सिंघा जी ने उन

एन0जी0ओज0 का धन्यवाद किया जो इस महामारी के दौरान लोगों व मज़दूरों की सहायता के लिए आगे आईं और उनके लिए खाने व वित्तीय व्यवस्था प्रदान करने में मदद की। हम भी उनका धन्यवाद करना चाहेंगे क्योंकि इस महामारी में सब लोगों ने अपना योगदान दिया। केवल यह कहना कि हमने यह किया या हमने मदद की, यह सही नहीं है। यह बड़े शर्म की बात होगी कि हम यह कहें कि हमने फलां-फलां को रोटी खिलाई। मेरे कहने का मतलब यह है कि सरकार ने क्या किया? सरकार एक श्वेत पत्र लाये। धारा-144 जो लगाई गई थी इसके बारे में मेरा यह मानना है कि स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत कुछ तो गलत हुआ है। आपको स्वास्थ्य विभाग का तो पता ही है और इसके बारे में यहां पर काफी चर्चा हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग में सेनिटाइजर, पी0पी0ई0 किट्स इत्यादि को लेकर किस तरह के घोटाले हुए और फिर निदेशक (स्वास्थ्य) तथा प्रधानाचार्य बदले गये। इसके अतिरिक्त हमारे माननीय विधायक राजीव बिन्दल जी को इस्तिफा देना पड़ा। यहां पर सभी जानते हैं कि स्वास्थ्य विभाग में क्या-क्या हुआ, मैं उसको दोहराने की जरूरत नहीं समझता। इस महामारी के दौरान जो केंद्र सरकार से मदद मिली उसके अंतर्गत आपने कहां-कहां पर पैसा खर्च किया, आप सदन में इस बारे में बताये। मुख्य मंत्री जी आज बड़े गुस्से में हैं और ये इस तरह की कोई बात नहीं सुनना चाहते। देखिए, इसमें गुस्सा करने की जरूरत नहीं है। नियम-67 के अंतर्गत कोविड-19 के दौरान सरकार

8.9.2020/1220/av/yk/2

द्वारा किए गए कुप्रबंध के बारे में चर्चा आई है और यहां पर उसी के बारे में बात हो रही है। यहां पर अभी माननीय वन मंत्री जी ने ठीक कहा कि हमें यह सोचना है कि इस महामारी को कैसे रोकें। इसकी जब तक वैक्सीन नहीं आती तब तक हमें यह सोचना है कि इससे कैसे बचना है। इससे बचने के लिए आइसोलेशन मैंटेन करना है, बड़े-बड़े फंक्शनों में नहीं जाना है। अगर आपने सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन किया है तो ठीक नहीं है मगर गाइडलाइन्स का उल्लंघन हुआ है और मैं यहां पर किसी का नाम नहीं लेना चाहता। मगर उल्लंघन तो उल्लंघन ही होता है क्योंकि कानून सबके लिए बराबर होता है। जो कानून

मुख्य मंत्री जी के लिए हैं वही हमारे लिए भी हैं। यह पोपुलैरिटी की बात नहीं है, हमें तो केवल यह देखना है कि इस पर चैक कैसे रखना है। मैं यहां पर आइसोलेशन सैंटर की बात भी करना चाहूंगा। अगर आप संस्थागत क्वारंटाइन सैंटर देखेंगे तो आपको वहां के कुप्रबंधन का पता चलेगा। आपको यहां पर माननीय जगत सिंह नेगी जी ने फोटो दिखाई है। संस्थागत क्वारंटाइन सैंटर में एक-एक शौचालय के अंदर 10-15 लोग जा रहे हैं। मैं यह आपकी सूचना के लिए बता रहा हूं। अगर आपको इस बारे में जानकारी नहीं है तो आप स्वास्थ्य विभाग से अपने स्तर पर पता कर लीजिए। वहां आप लोगों के खाने, रहने इत्यादि की व्यवस्था का पता कीजिए। मुख्य रूप से मैं शौचालय की बात करना चाहूंगा क्योंकि 10-10, 15-15 लोग एक ही शौचालय का प्रयोग कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त जो कोरोना वॉरियर हैं जिनको हम सम्मान देते हैं, माला पहनाते हैं उनके लिए सरकार ने क्या किया? उनकी तनख्वाहें कट रही हैं, उनको बीमारी भी हो रही है क्योंकि वे हर समय अपनी ड्यूटी पर तैनात रहते हैं। बैरियर, अस्पताल इत्यादि हर जगह पर वे खड़े रहते हैं, वे सारे काम कर रहे हैं तो सरकार उन्हें क्या इंसैंटिव दे रही है?

श्री टी सी द्वारा जारी

08.09.2020/1225/टी0सी0वी0/वाई0के0-1

श्री नन्द लाल ... जारी

सारे काम उन्होंने करने हैं उनके लिए what kind of incentives we could give? उनके लिए कोई भी इनसैंटिव नहीं मिले है। इन सारी चीजों को देखने की जरूरत है ताकि इस महामारी में हम कुछ करने लायक हो सकें। यहां पर एम.एल.ए.लैड फंड के बारे में सभी चर्चा कर रहे हैं। यदि केन्द्र सरकार ने सांसदों के एम.पी. लैड फंड को फ्रिज कर दिया है तो why have you done it here, why it is not done in the other states of the country? ...(Interruption)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, वाइंड अप करें। प्लीज समय का ध्यान रखें। आपने काफी विषय कवर कर लिया।

Shri Nand Lal : Speaker, Sir, I have just started now. मैं वैसे ही कम बोलता हूं। मेरा आज भी सरकार से आग्रह रहेगा, अभी माननीय सदस्य, श्री विक्रमादित्य जी ने कहा कि यह रिबन काटने वाली सरकार है। I am telling you. आज जितने भी रिबन काटने के कार्य हो रहे हैं, वे पुराने काम जो कंप्लीशन स्टेज पर थे they have just finished it. वे भी आधे-अधूरे ही हुए हैं। हमें इस बात का अफसोस है, हमारे फांचा में, यहां स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी भी बैठें हैं, वहां एक पी0एच0सी0 बिल्डिंग का उद्घाटन किया गया। जिसमें आज भी बिजली और पानी नहीं है। वहां स्वास्थ्य विभाग द्वारा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने का अलग इश्यू है। इसकी इनोग्रेशन करने से पहले उसमें बिजली-पानी तो लगा लेते। It is for on record. इसी तरह से दूसरे काम भी हो रहे हैं। इसलिए इनको ध्यान देना होगा कि जो छोटे-मोटे काम है जैसे आपने एम.एल.ए. लैड के तहत कोई ऐंबुलैंस रोड बनाया और वह कंप्लीशन स्टेज पर है you are unable to complete it now. क्योंकि आपके पास एक्स्ट्रा फंड हैं नहीं और वे जैसे-के-तैसे रहेंगे जब तक एम.एल.ए. लैड से पैसा नहीं मिलेगा। प्रदेश में जितने विकासात्मक कार्य होने हैं, वे सारे रुके रहेंगे। मेरा आज भी माननीय मुख्य मंत्री जी से आग्रह रहेगा कि दूसरे राज्यों को भी देखो, वहां भी

विधायक हैं, वे भी काम कर रहे हैं। इससे आपको कोई फर्क नहीं पड़ेगा बाकी केन्द्र सरकार जो चाहे वह करती रहे। It is their problem and it is the problem of the Hon'ble Prime Minister of the country. मेरा आग्रह रहेगा कि माननीय मुख्य मंत्री जी इस पर भी ध्यान देंगे। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, वाइंड अप करें।

श्री नन्द लाल : अध्यक्ष महोदय, एक बात बड़े जोर-शोर से कही गई कि बाहर से लोगों को लाया गया। Hon'ble Speaker, Sir, ours is a welfare State. सरकार ये कोई एहसान नहीं कर रही है। It is our job we have to get them back. हमारे लोग चण्डीगढ़, दिल्ली, बम्बई और महाराष्ट्र में फंसे हुए हैं और उनको लाना सरकार की जिम्मेवारी है। इसलिए आपको सरकार में मुख्य मंत्री, मंत्री या विधायक बनाया है बल्कि हम उनको लाने में लेट हो गये। यहां पर कहा गया कि जो लोग नीचे से लाये जा रहे है उनसे बीमारी फैल रहे है। What are the arrangements you have made? आपने बॉर्डर पर टैस्टिंग का क्या इंतजार किया है? वहां पर कमी थी और उस कमी को आज भी पूरा करने की जरूरत है। हमारे बॉर्डर सील होने चाहिए और वहां पर जो लोग आ रहे हैं उनकी प्रोपरली चैकिंग होनी चाहिए ताकि इस बीमारी को रोका जा सके।

अध्यक्ष महोदय, हमारे अपर के क्षेत्रों में बगीचों में काम करने के लिए लेबर की मदद लेनी ही पड़ती है। हमने कई बार माननीय मुख्य मंत्री जी से आग्रह किया कि हमारे लिए लेबर का इंतजाम करें लेकिन वह आज तक नहीं हुआ। अल्टमेटली हमारे लोगों को इधर-उधर से लेबर का इंतजाम करना पड़ा। सरकार को जिस तरह से अपना काम करना चाहिए था, वह नहीं हो पाया, इस कारण से हम बहुत नाराज हैं।

अध्यक्ष महोदय, आपने समय दिया, आपका धन्यवाद।

08.09.2020/1225/टी0सी0वी0/वाई0के0-3

अध्यक्षः अब इस चर्चा में माननीय विधायक, श्री अरुण कुमार जी भाग लेंगे।

श्री अरुण कुमार (नगरोटा): अध्यक्ष महोदय, पिछले कल नियम-67 के तहत माननीय नेता प्रतिपक्ष ने चर्चा मांगी थी, आपने मुझे उसमें बोलने का अवसर प्रदान किया, उसके लिए आपका धन्यवाद। माननीय नेता प्रतिपक्ष कल इसे अपनी जीत बता रहे थे। हमारी बहुत सीनियर लीडर श्रीमती आशा कुमारी जी यहां बैठी हैं

श्री आर0के0एस0 द्वारा जारी ...

08.09.2020/1230/RKS/AG-1

श्री अरुण कुमार... जारी

कल इन्हें भी संशय हुआ कि यह चर्चा नियम-67 के तहत की जा रही है या नियम-130 के तहत। क्योंकि इससे पहले नियम-67 में कभी ऐसी चर्चा नहीं हुई। आपने जनता को बरगलाने की कोशिश की लेकिन मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि इन्होंने ईमानदारी के साथ जनता के प्रति अपनी जवाबदेही सुनिश्चित की। कोविड-19 से न केवल हिमाचल प्रदेश में अपितु पूरे विश्व के अंदर जिसमें रूस, ईटली, फ्रांस और जर्मन जैसे बड़े देश भी शामिल हैं, में लाखों मौते हुई। इस महामारी पर नियंत्रण पाने के लिए हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस दिशा में तेजी से कदम उठाए हैं। चाहे जनता कर्फ्यू की बात हो या लॉक डाउन-1, 2 या तीन हो, पूरे हिन्दुस्तान ने इसे सहर्ष स्वीकार किया है। जो उन्होंने कहा लोगों ने उनकी बात को माना। माननीय जगत सिंह नेगी जी कह रहे थे कि 'घंटा बजाया, थाली बजाई' लेकिन यह सब उन लोगों के लिए किया गया जो हमारे कोरोना योद्धा थे। यह सब डाक्टर्ज, पैरा-मैडिकल स्टाफ और पुलिस कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने के लिए किया गया। माननीय प्रधानमंत्री जी ने जिस-जिस चीज को करने के लिए लोगों से आग्रह किया लोगों ने उनका दिल खोलकर साथ दिया। यह उनकी कार्यदक्षता और कार्यकुशलता ही है कि आज पूरा विश्व उन्हें प्रभावशाली नेता के रूप में स्वीकार कर रहा है।

20 जनवरी, 2020 को चीन के वुहान शहर में इस संक्रमण के चलते मरीजों की असामान्य रूप से बढ़ोतरी हुई। इसे देखते हुए दिनांक 23 व 25 जनवरी, 2020 को माननीय मुख्य मंत्री जी ने सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को जागरूक रहने के आदेश दिए ताकि इस संक्रमण को नियंत्रित किया जा सके। 31 जनवरी, 2020 को

आई.जी.एम.सी., शिमला और डॉ0 आर.पी. जी. एम. सी., टांडा में आइसोलेशन वार्ड बनाने के निर्देश भी जारी किए गए। माननीय मुख्य मंत्री जी इस महामारी के प्रति काफी

08.09.2020/1230/RKS/AG-2

चिंतित रहे। इन्होंने इस पर नियंत्रण पाने के लिए वह हर कदम उठाया जिसे उठाने की आवश्यकता थी। जो हमारे प्रदेश के लोग दूसरे प्रांतों में फंसे थे वे यहां आने के लिए दबाव डाल रहे थे और सरकार द्वारा उन्हें भी यहां वापिस लाने का प्रबंध किया गया। सबसे पहले प्रदेश में कोविड-19 का सिर्फ एक मामला सामने आया था। उसके बाद तीन मामले कांगड़ा जिला में आए जिनमें एक तिब्बती मूल का व्यक्ति था। धीरे-धीरे कोरोना के मामले बढ़ते गए। बीच में एक स्थिति भी आई जब प्रदेश सरकार द्वारा इस महामारी पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया गया था। पूरे देश में कोरोना बड़ी तेजी से फैल रहा था और कुछ लोग नियमों की अवेहलना भी कर रहे थे। दिल्ली जैसे बड़े शहर में जो ज़माती लोग ठहरे थे वे देश के हर कोने में पहुंचे। उसके बाद परिस्थितियां बिगड़ी और ऐसी ही परिस्थिति हिमाचल प्रदेश के अंदर भी बनी।

श्री बी.एस. द्वारा.... जारी

08.09.2020/1235/बी0एस0/ए0जी0/-1

श्री अरूण कुमार जारी...

कोरोना बड़ी तेजी से बढ़ रहा था। लोग नियमों की अवहेलना कर रहे थे। दिल्ली जैसे बड़े शहर में जमाती लोग प्रदेश की हर जहग पर पहुंचे और उसके बाद परिस्थितियां बिगड़ी और लोग पैदल अपने घरों तक जा रहे थे । हिमाचल प्रदेश में भी ऐसी ही परिस्थितियां बनी। हमारी सरकार के दिशा-निर्देश थे और माननीय मुख्य मंत्री जी की अपील पर और हमारे प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 राजीव बिंदल जी की अपील के पर सभी भाजपा के कार्यकार्त्ताओं ने अपनी जैब से पैसा खर्च करके मुख्य मंत्री केयर फंड और प्रधानमंत्री केयर फंड में करोड़ो रुपए डिपॉजिट किए। इस प्रकार का कार्य केवल भारतीय जनता

पार्टी के कार्यकर्त्ताओं ने किया। इसके साथ-साथ हमने क्वारंटीन सैंटर बनाए। जितने भी बाहर के लोग यहां पर कार्य कर रहे थे, चाहे वे ठेकेदार के लोग थे, चाहे दूसरे लोग थे उन सब के लिए क्वारंटीन सैंटर बनाए गए। माननीय विपिन सिंह परमार जी और माननीय मुख्य मंत्री जी ने परोल में राधा स्वामी सत्संघ कैंपस के लिए उनके प्रबंधकों से एक अपील की और उन लोगों ने इसे स्वीकार करते हुए वहां पर क्वारंटीन सैंटर बनाया। उसमें प्रतिदिन 800 से ले करके 1,000 तक लोगों के ठहने की व्यवस्था की गई। वहां पर सरकार द्वारा जितने लोग बाहर के प्रांतों से थे उनके लिए खाने-पीने की हर सुविधा प्रदान की गई। मेरे विधान सभा चुनाव क्षेत्र में भी इंजीनियर कॉलेज और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हटवास में भी प्रवासी लोगों को ठहराया गया और वहां पर उनके खाने-पीने की व्यवस्था भी की गई थी। वहां पर उन्हें टुथब्रश, साबुन, अंडरगामैंट और अन्य सभी जरुरत का सामान मुहैया करवाया गया। इसी तरह से हमारे विधान सभा चुनाव क्षेत्र में मेरी छोटी सी अपील पर बहुत सी समाजसेवी संस्थाओं ने लाखों रुपए की अन्न सामग्री एस.डी.एम. के माध्यम से प्रदान की। यहां पर कहा गया कि ठेकेदारों से पैसा इकट्ठा किया गया। आप एक भी उदाहरण इस प्रकार का दीजिए जहां इस तरह का कार्य हुआ हो। इस कार्य के लिए जो भी पैसा आया वह प्रशासन के माध्यम से आया और फिर उसका उचित उपयोग किया गया। भाई राकेश पठानिया जी ने ठीक कहा कि अब आरोप लगाए जा रहे हैं। मेरे विधान सभा क्षेत्र के अंदर हमारे जो पूर्व मंत्री थे, उन्होंने एक लाख रुपया एस.डी.एम. को प्रदान किया है और एक लाख रुपया उनके बेटे ने दिया और मात्र दो हजार मास्क दिए, 300 सैनिटाइजर की छोटी बोतलें दीं तथा लगभग 200 ग्लबज़ दिए। हमने वहां पर 45,000 मास्क बनवाए। खादी का कपड़ा ले करके हर महिला मण्डल को दिए। उन महिला मण्डलों ने पहले उस कपड़े के मास्क बनाए और फिर घर-घर जा करके उन्हें लोगों को बांटा। हमारे क्षेत्र में कोई भी महिला वर्कर और सफाई कर्मचारी ऐसा नहीं था जिन्हें ये

सामान न दिया गया हो। हमारे मीडिया के साथी जो जान हथेली पर रख कर कार्य कर रहे थे। हमनें ये चीजें उन्हें भी उपलब्ध करवाई हैं। हमने किसी लोकप्रियता के लिए यह कार्य नहीं किया है परंतु इस आपदा से निपटने के लिए जो माननीय मुख्य मंत्री जी ने जिस संजीदगी से इसे ले रहे थे और हर पार्टी के कार्यकर्त्ता से यह अपील की थी कि इस आपता

से निपटना है। हमने इस पर कार्य किया है। यहां पर कहा गया कि लोगों को पास नहीं मिले। मैं कहना चाहता हूं कि पास की व्यवस्था डी.एम. के पास और एस.डी.एम. के पास थी। जिन-जिन लोगों ने इसके लिए अप्लाई किया उन सभी लोगों को पास मुहैया कराए गए। मेरी धर्मपत्नी भी स्वास्थ्य विभाग में काम करती है। माननीय मुख्य मंत्री जी की धर्मपत्नी भी डॉक्टर हैं, इनकी बेटियां भी टांडा मैडिकल कॉलेज में हैं सभी लोग अपनी सेवाएं दे रहे हैं। हमारे परिवार के लोग इस संकट के समय में घर पर नहीं बैठे हैं वे सभी अपनी जान को जोखिम में डाल कर कार्य कर रहे हैं। आदरणीय नेगी जी ने यहां पर दलाल की बात कही थी । मैं ऐसी बात नहीं करना चाहता। कल भाई मुकेश जी बोल रहे थे कि जो पहली बार आए हैं वे अगली बार नहीं होंगे। आदरणीय मुकेश जी, इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता कि अगली बार मैं नहीं हूंगा या आप नहीं होंगे। यह जनता के ऊपर निर्भर है। मैंने एक नहीं दो चुनाव लड़े हैं।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

08-09-2020/1240/ए.एस.-एन.जी./1

श्री अरुण कुमार जारी.....

इससे पहले मैंने आजाद उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था और केवल 1150 मतों से हारा था। मैं पीढ़ी-दर-पीढ़ी यहां पर नहीं आया हूं, मैं एक सामाजिक कार्यकर्ता था और मैंने जीवन में बहुत मेहनत की है। मैं राजा साहब के साथ भी रहा हूं और उस समय हम एक शेर बोलते थे;

"राजा नहीं फकीर है, माता भीमाकाली जी के भक्त और वजीर है,

जिसने आंखे दिखाई समझो उसकी खराब तकदीर है।"

मैं आप सब से कहना चाहता हूं कि आप लोग थोड़ा धैर्य रखें क्योंकि जिस-जिस ने आंखे दिखाई थी वे सभी घर पर बैठे हैं। मैं माननीय श्री मुकेश को कहना चहता हूं कि आप भी यहां पर सौभाग्य से बैठे हैं क्योंकि माननीय श्री आशा कुमारी, श्री राम लाल ठाकुर जी व

अन्य सभी आपसे वरिष्ठ हैं और इस माननीय सदन में बैठे हैं। आप जब बोलते हैं तब माननीय नेगी जी और माननीय श्री हर्षवर्धन चौहान जी खड़े हो जाते हैं और ऐसा लगता है कि ये आपकी कुर्सी की तरफ बढ़ रहे हैं। माननीय श्री जगत सिंह नेगी जी अयोध्या और राम राज की बात कर रहे थे। मैं कहना चाहूंगा कि दिनांक 05 अगस्त, 2020 को देश के यशस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अयोध्या में भूमि पूजन कर दिया है। आपकी पार्टी ने तो इसी अयोध्या के चक्कर में भाजपा की सरकारें गिरा दी थी लेकिन हमारी पार्टी राम राज व राष्ट्र निर्माण की बात करती है। हमारी पार्टी देश के प्रति चिन्ता प्रकट करती है और अपने स्वार्थ की राजनीति नहीं करती है। इस ओर हम जितने भी माननीय सदस्य बैठे हैं इन सब का कोई भी राजनीतिक आका नहीं रहा है। हम सब गरीब व समाज सेवी परिवारों से निकले हुए व्यक्ति हैं। इसके अतिरिक्त आपकी ओर जब किसी नेता के घर पुत्र जन्म लेता है तो उसे उसके राजनीतिक उत्तराधिकारी की संज्ञा दे दी जाती है। यह केवल भाजपा में ही सम्भव है कि एक चाय बेचने वाला गरीब परिवार का व्यक्ति भी हमारे देश का प्रधान मंत्री बन सकता है।

08-09-2020/1240/ए.एस.-एन.जी./2

इसके अलावा एक मिस्त्री का बेटा हिमाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री की कुर्सी को सुशोभित कर रहा है। हमसे ज्यादा गरीबों की चिन्ता आप लोगों को नहीं हो सकती। हम सब गरीबी में पले-बढ़े हैं और हमने गरीबी को झेला है इसलिए हम सब गरीबों के दुःख दर्द को अच्छे से महसूस कर सकते हैं। कल तक आप माननीय श्री राकेश पठानिया जी के लिए बोलते थे कि इन्हें मंत्री बनाओ और मैं आपसे कहना चाहता हूं कि यह बुलेट ट्रेन के समान हैं। अब आप बोल रहे हैं कि माननीय बरागटा जी को मंत्री क्यों नहीं बनाया, मुझे ऐसा लग रहा है कि माननीय मुख्य मंत्री जी को मंत्री मण्डल बनाने के लिए आपसे परामर्श करना चाहिए। माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस कोरोना संक्रमण के नियंत्रण हेतु प्रदेश में समय रहते लॉकडाउन लगाया और विभिन्न दिशा निर्देश जारी किए थे। माननीय मुख्य मंत्री जी ने आशा वर्कर्स को घर-घर में भेजा और सभी घरों में जाकर जानकारी प्राप्त की गई। उसके

कारण जो लोग गम्भीर बीमारियों से ग्रसित थे उन लोगों का आंकडा भी हमारे पास आ गया। उन परिवारों को किस प्रकार स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जाएं इसके लिए भी माननीय मुख्य मंत्री जी ने बहुत सारे उपाए किए हैं। आज ऐसा कोई भी परिवार नहीं है जिसमें हमारी आशा वर्कर, हैल्थ वर्कर या आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नहीं गया हो। यह सर्वे आज तक निरन्तर चला हुआ है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने आशा वर्कर्स को प्रोत्साहन हेतु पहले तीन महीने तक 1000 रुपये प्रति माह और फिर 2000 रुपये दिए गए। इसी प्रकार माननीय प्रधान मंत्री जी ने भी 20 लाख करोड़ रुपये के अर्थिक पैकेज की घोषणा की है। हमारे माननीय स्वास्थ्य मंत्री और माननीय मुख्य मंत्री जी इस संक्रमण के बारे में विस्तृत रिपोर्ट देंगे। अंत में मैं कहना चाहूंगा कि माननीय श्री मुकेश जी ने जो विषय उठाया था और जब वह बोल रहे थे तब वह विषय से भटक गए थे। कोविड-19 का विषय बहुत महत्वपूर्ण था लेकिन माननीय श्री मुकेश जी इसमें रेप व सुसाईड विषय को भी ले आए। मेरे चुनाव क्षेत्र में पिछले कल एक 67 वर्ष के बुजुर्ग ने आत्महत्या कर ली है तो आप उसको किस चीज से जोड़ेंगे, उनकी क्या घरेलू परिस्थितियां थीं

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

08/09/2020/1245/MS/डीसी/1
श्री अरुण कुमार जारी-----

या अन्य क्या कारण थे, ये भी कई बातें हैं। हमारे मुख्य मंत्री जी ने कानून-व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए शुरू से ही कड़े कदम उठाए हैं। हमारे समय में जितना चिट्टा पकड़ा गया, वह चिट्टा ही रहा और आपके समय में जितना चिट्टा पकड़ा गया, वह चॉक पाउडर में तब्दील हो गया। आज यदि प्रदेश में कोई क्रिमिनल एक्टीविटीज होती है तो कल तक अपराधी जेल की सलाख़ों के पीछे होते हैं। आपके समय में तो दो साल तक डैड बॉडी ज़मीन के नीचे दबी रही और परिवार के लोग बोलते भी रहे लेकिन पुलिस ने उस पर कोई कार्रवाई नहीं की। जैसे ही हमारी सरकार आई, हमने उस मुद्दे को उठाया। उस डैड बॉडी को वहां से निकाला गया और जो अपराधी थे, वे आज जेल की सलाख़ों के पीछे हैं।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया समाप्त कीजिए।

श्री अरुण कुमार : अध्यक्ष जी, मैं अन्त में यही कहना चाहता हूं कि इन्होंने कहा कि चैयरमेन बनाए गए, क्या आपके समय में चैयरमेन नहीं बनें? आप कह रहे हैं कि चैयरमेन नई गाड़ियां मांग रहे हैं जबकि आपके समय में तो मंत्रियों की गाड़ियां तक चोरी हुईं या करवाई गईं, मालूम नहीं है और आज तक नहीं मिली।

अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

08/09/2020/1245/MS/डीसी/2

अध्यक्ष : अब इस चर्चा में माननीय सदस्य, श्री राजेन्द्र राणा जी भाग लेंगे।

श्री राजेन्द्र राणा(सुजानपुर) : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि नियम-67 के तहत स्थगन प्रस्ताव जो लाया गया है, उस पर आपने चर्चा करने के लिए मुझे समय दिया।

हमारे बहुत सारे माननीय सदस्यों ने इस प्रस्ताव पर चर्चा की है और सभी ने अपनी-अपनी राय रखी है। जहां तक कोविड-19 का प्रश्न है, जब यह लॉकडाउन 24 मार्च को हुआ तो हिमाचल प्रदेश के जो नौज़वान बेटे/बेटियां प्रदेश से बाहर पढ़ाई करने के लिए गए थे, वे चाहे नौकरी करने या किसी व्यापारिक क्षेत्र में थे, उनका लगातार दबाव आता रहा कि हमारी अपने घर में वापसी की जाए। उस समय वे कहते रहे कि हमारी घर वापसी शीघ्र करवाई जाए और हमें ई-पास जारी किए जायें। उसका क्या कारण था? उसका कारण यह था कि अगर वे ज्यादा देर तक दिल्ली या अन्य जो भी क्षेत्र रैड जोन बने हैं, वहां रहेंगे तो वे भी कोरोना से संक्रमित हो जाएंगे। इस देरी का यह कारण रहा कि आज प्रदेश में कोरोना पॉजिटिव ज्यादा लोग आए हैं। दूसरा, मैं यह कहना चाहता हूं कि सरकारें चलती रहती हैं। सरकारें गलतियां भी करती हैं और अच्छे काम भी करती हैं। सारा हिन्दुस्तान जानता है कि यह जो कोरोना वायरस है यह हिन्दुस्तान में पैदा नहीं हुआ है बल्कि यह विदेशों में पैदा हुआ है। लोक सभा में इस महामारी के ऊपर 12 मार्च को चर्चा हुई और श्री राहुल गांधी जी ने उस समय भी कहा था कि इस महामारी को गम्भीरता से लिया जाए तथा इस पर कड़े फ़ैसले लिए जाएं। केन्द्र सरकार व्यस्त रही और इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स खुले रहे।

इंटरनेशनल फ्लाइट्स आती रहीं और विदेशों से लोग भी यहां आते रहे। यही कारण रहा कि आज लाखों की तादाद में हिन्दुस्तान में कोरोना वायरस के पॉजिटिव केसिज आए हैं। सरकार से गलती हुई है। हालांकि बाद में इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स बन्द किए गए। अगर विदेशों से विदेशी या कोई भारतीय आ रहे थे तो उनको उस समय आप होटलों में ठहराते। आप 10,000-20,000 या 50,000 करोड़ रुपया खर्च कर देते और उनकी रक्षा/सुरक्षा करते। यदि ऐसा कर देते तो आज देश की जो आर्थिक स्थिति हो गई है और देश जिस आर्थिक संकट के दौर से गुज़र रहा है, वह स्थिति आज नहीं होती। हिमाचल प्रदेश में जो लोग आए और

08/09/2020/1245/MS/डीसी/3

जिन्हें इंस्टीच्यूशनल क्वारेंटाइन किया गया, मैंने व्यक्तिगत तौर पर देखा है कि वहां की जो हालत थी, वह ठीक नहीं थी। वहां की अच्छी व्यवस्था करना सरकार की जिम्मेवारी बनती थी। लेकिन वहां के हालात ठीक नहीं थे यानी वहां की हालत रहने के लायक नहीं थी। जैसे अन्य साथियों ने भी कहा कि एक टॉयलेट 100-200 आदमी यूज कर रहे हैं। इस कारण से जो लोग नैगेटिव भी थे, उनकी भी पॉजिटिव होने की संभावनाएं बनीं। यहां सरकार की कमी रही है। तीसरे, वहां पर जो लोग ठहराये गए, उनको खाने की व्यवस्था नहीं थी। लोग हमें लगातार टेलीफोन कर रहे थे। इस तरह से सरकार का यह भी फेल्योर रहा है।

इसके अलावा, सरकार कह रही है कि हिमाचल प्रदेश में बाहर से अढ़ाई लाख लोग आ गए। ठीक है, सरकार के पास आंकड़े होंगे कि कितने लोग बाहर से आए। सरकार ने बॉर्डर पर आने वालों का पंजीकरण किया है। क्या सरकार ने यह भी आंकड़ा रखा है, हम बार-बार बोलते रहे कि जो लोग बाहर हैं, हिमाचल प्रदेश के बच्चे बाहर हैं क्योंकि हिमाचल प्रदेश के पास इतने संसाधन नहीं है कि,
जारी जे0के0 द्वारा----

08.09.2020/1250/JK/DC/1

श्री राजेन्द्र राणा :----------जारी-------

सभी लोगों को नौकरी दे सकें तो जो लोग बाहर प्राइवेट सैक्टर में नौकरियां कर रहे थे, चाहे किसी दूसरे बिजनैस में थे, जो लोग वहां से बेरोज़गार हो गए, वहां से जो आए क्या सरकार ने उनका आंकड़ा इकट्ठा किया कि कितने नौजवान, जो पड़ौसी प्रदेशों पंजाब, हरियाणा, दिल्ली या किसी दूसरे प्रदेश में नौकरी कर रहे थे और बेरोज़गार हो गए, क्या उनका आंकड़ा सरकार के पास है? आज वे नरेगा में काम कर रहे हैं। उनके पास नौकरी नहीं है और उनके घर की हालत दयनीय हो गई है। क्योंकि किसी के पास जितनी आमदनी होती है, वह उसके हिसाब से खर्चा करता है। आज की तारीख़ में उनकी नौकरियां चली गईं। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि सरकार उनके बारे में कुछ सोचें। लोग यह भी जानना चाहते हैं कि कोविड-19 के दौरान सरकार के पास कितना पैसा लोगों ने डोनेट किया? एम.एल.एज़. ने सैलरी डोनेट की, अधिकारियों/कर्मचारियों की एक दिन की सैलरी काटी गई और पैंशन के पैसे काटे गए। ठीक है, जब संकट आता है तो पैसा इकट्ठा किया जाता है । लोग यह जानना चाहते हैं कि कोविड-19 के तहत कितना पैसा इकट्ठा हुआ? क्या वह पैसा उन लोगों पर खर्च किया गया जो कोविड-19 में पोज़िटिव पाए गए या उस समय जो लोग समस्या में थे, उनके ऊपर सरकार ने कितना पैसा खर्च किया और क्या काम किया, इस बारे में प्रदेश के लोग जानना चाहते हैं।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर मेरे बहुत सारे साथियों ने ज़िक्र किया और मैं भी उसका ज़िक्र करना चाहूंगा कि इस सरकार के शासन में जितना एम.एल.एज़. का इंस्टीट्यूशन कमज़ोर हुआ है, मुझे लगता है कि यह इतिहास के पन्नों में लिखा जाएगा। इसका कारण मैं आपको बताता हूं। एम.एल.ए. की सैलरी काटी जा रही है। ठीक है, हम इसे बड़ी खुशी से दे रहे हैं कि किसी अच्छे काम में लगे। एम.एल.ए. लैड काटा गया, वह किसलिए काटा गया? सरकार ने जो 49 हजार 200 करोड़ का जो

08.09.2020/1250/JK/DC/2

बजट पेश किया, क्या एम.एल.ए चुना हुआ नहीं है? उस विधायक के पास उसके चुनाव क्षेत्र का हर व्यक्ति आता है और उसको उम्मीद होती है, उसने गली का काम कराना है,

सड़क का काम कराना है, उसने भवन का काम कराना है तो क्या सरकार की यह मन्शा है, क्या सरकार छोटे से छोटे डवलपमैंट के काम भी रोकना चाह रही है? क्या एम.एल.ए. लैड का जो बजट बनता है, अगर 1 करोड़ 75 लाख की बात करें तो कुल मिलाकर 119 करोड़ रुपये बनता है। आप डेढ़ करोड़ रुपये दीजिए, आप 1 करोड़ 25 लाख दीजिए तो क्या साल में 100 करोड़ रुपये से सरकार चलने वाली है? किश्तों में पैसे देने हैं। एम.एल.ए. यहां पर किसलिए बैठे हैं? जिन लोगों ने हमें वोटे डाली हैं, उनको हमसे उम्मीद है कि हमारे छोटे से छोटे काम आएंगे और हमारे किसी साथी ने ठीक कहा कि आज प्रधान विधायक से ज्यादा पावरफुल हो गया है। एम.एल.ए. के पास लोग कम आते हैं और प्रधान के पास ज्यादा जाते हैं । उन्हें लगता है कि वह हमारा काम कर देगा। अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या सरकार पर आर्थिक संकट आ गया है? क्या आर्थिक संकट को ले कर सरकार का दिवालियापन निकल गया है? हिमाचल प्रदेश के लोग जानना चाहते हैं कि जब आप डबल इंजन की बात करते हैं कि जब हिमाचल में भाजपा की सरकार होगी, यह भी इंजन चलेगा और दिल्ली वाला भी चलेगा तो क्या दिल्ली वाला इंजन फ्रीज हो गया जैसे एम.एल.ए. के पैसे फ्रीज हुए हैं? आज आप दिल्ली की हालत देख रहे हो, जितने संस्थान 60 साल में खड़े किए थे, आज केन्द्र सरकार उनको एक-एक करके प्राइवेट सैक्टर के हवाले कर रही है, बेच रही है। सरकारी संस्थान किसलिए बनाए जाते हैं, किसलिए गवर्नमैंट अंडर टेक करती है ताकि नौकरी करने वाला जो आदमी है, उसकी नौकरी सुरक्षित रहे, उसकी सोशल सिक्योरिटी हो। जो प्रोफिट मेकिंग इंस्टीट्यूशन्ज़ थे, हवाई अड्डे प्राइवेट में दे रहे हैं। आज सुबह मैं समाचर पत्र में पढ़ रहा था कि सरकार का 25 परसेंट एल.आई.सी. का शेयर भी बेच रहे हैं। कोल इंडिया की बात ले लो, आपने बी.एस.एन.एल.खत्म कर दिया, आप रेलवे को प्राइवेट कर रहे हैं।

08.09.2020/1250/JK/DC/3

आर.बी.आई. के पास जो रिज़र्व पैसा पड़ा हुआ था वह कोविड-19 से पहले ही उठा लिया, वह भी 1 लाख 76 हजार करोड़ रुपया । वह रिज़र्व इसलिए रखा था ताकि देश पर अगर कोई अमरजेंसी आ जाए तो उस समय वह खर्चा जाए तो देश किस ओर जा रहा है? क्या सरकार बताएगी कि प्रदेश सरकार भी आर्थिक दौर से गुज़र रही है और क्या सरकार का फाइनैंशियली दिवालापन निकल गया है, सारे काम बंद हो गए हैं? आज प्रदेश में आप सड़कों की हालत देखें तो वे गड्ढों की तरह बन गई हैं।

श्री एस0एस0 द्वारा जारी--

08.09.2020/1255/SS-HK/1

श्री राजेन्द्र राणा क्रमागत :

क्या पी0डब्ल्यू0डी0 विभाग का उस तरफ ध्यान नहीं है? आज प्रदेश में बेरोज़गारों की हालत बड़ी खराब है। आज समाचार पत्रों की सुर्खियां बन रहा है कि बाहर के लोगों को नौकरियां दी जा रही हैं। मैंने मसला उठाया, हमीरपुर में 100 के करीब लोग एन0आई0टी0 में बाहर के भर दिये, एक ही बिरादरी के रख दिये। मैंने बार-बार इस मुद्दे को उठाया कि प्रदेश सरकार इस मामले को केन्द्र सरकार से उठाए। पूरे कायदे-कानून व नियम ताक पर रखकर वे भर्तियां हुईं। उसके बाद गवर्नमैंट ऑफ इंडिया ने उसकी इंक्वायरी शुरू की। आज आप देखिये कि पहले सचिवालय में भर्तियां हुईं, जब मामला गर्माया तो सरकार ने नोटिफिकेशन जारी की कि क्लास- III और क्लास-IV में बाहर के लोग भर्ती नहीं किये जायेंगे। हिमाचल प्रदेश के लोगों को नौकरी दी जायेगी। आज फिर से लिस्ट आ गई कि जे0ई0 बाहर के लोग रखे गए और बहाना क्या दिया जा रहा है कि 2018 में इन लोगों ने जब एप्लाई किया था तो ऐसी कंडीशन नहीं थी। अगर ब्यूरोक्रेसी ऐसा कारण दे रही है तो वह सही नहीं है। यहां पर जूनियर ऑफिस असिस्टैंट की भर्ती भी हुई थी तब भी 2018 में ऐसी कंडीशन नहीं थी तो उनकी भी भर्ती होनी चाहिए थी। आज यहां पर हमारे बहुत से साथी चर्चा कर रहे हैं कि हमने कोविड-19 काल में लोगों की बहुत ज्यादा मदद की। कहा गया कि आप सेवा कर रहे हैं और हम लोग घर में सोये हैं। हम तो कुछ कर ही नहीं रहे हैं। देखिये, ऐसी बात कहना गलत है। ये जितने लोग हैं वे इलैक्टिड लोग हैं। इन्होंने भी सेवा की है। अगर मेरे चुनाव क्षेत्र के बारे में हिसाब लेना है तो मैं आपको वीडियो दे देता हूं कि

हमने कितना काम किया है। वहां के लोगों को पूछो कि कितनी सेवा की है। मेरे और भी साथियों ने सेवा की है मैंने अकेले सेवा नहीं की। श्री लखनपाल जी मेरे साथी हैं। मैंने देखा कि इन्होंने कोविड-19 काल में जब राशन का ट्रक आया तो बोरी को अपनी पीठ पर उठाकर नीचे रख रहे थे। आज क्या है? प्रदेश में क्या सरकार को इसलिए शाबाशी दें कि जब पूरा देश व प्रदेश कोविड-19 की दहशत से गुजर रहा था और हिमाचल प्रदेश सरकार की सुर्खियां बन रहा था कि स्वास्थ्य विभाग में इतना घोटाला हो गया। उसको विजीलैंस ने पकड़ा। आयुर्वेदिक विभाग में घोटाला। आपके जमीनों का मामला सुर्खियां बन रहा है। मैंने पहले भी कहा था कि आज नहीं तो कल यह इश्यु बनेगा। हिमुडा में ऊना में जमीन खरीदी गई। मैं आज फिर दोहरा रहा हूं कि वह मामला सुर्खियां बनेगा क्योंकि उसकी मुझे नॉलेज है, मैं बड़ा लम्बा ज्ञान रखता हूं। जमीनों की नॉलेज रखता हूं। कोई ऊना शहर से 25 किलोमीटर दूर अगर हिमुडा नालों की कौड़ियों के भाव की जमीन लाखों रुपये में खरीद

08.09.2020/1255/SS-HK/2

रहा है और वहां पर जाकर कॉलोनियां बसा देंगे और लोगों को बेच देंगे तो मुझे लग रहा है कि यह गलत सोच है। ये जो जमीनें खरीदी गई हैं इनमें शत-प्रतिशत घपला हुआ है और आज नहीं कल यह मामला सुर्खियां बनेगा। इसके अलावा आज एम0एल0ऐज़0 की सैलरी की बात आ रही है। एम0एल0ए0 सेवा के लिए होते हैं परन्तु सरकार को जो सलाह दे रहे हैं कि इनकी तनख्वाहें काटिये, थोड़ा बहुत तो क्लास-। और क्लास-॥ ऑफिसर भी कुछ डोनेशन कर देते हैं। अगर वे भी 15 या 10 परसैंट अपनी तनख्वाह कटवा लेते तो मुझे लगता है कि प्रदेश के लोग उनको भी एप्रीशियेट करते। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाह रहा हूं कि जब आदमी सरकार में होता है, हमने भी कई दौर देखे हैं तो उस वक्त हरा-हरा दिखता है। सूखा हुआ घास कहीं नजर नहीं आता है। इसलिए अपना बढ़िया काम करो। हमें और प्रदेश के लोगों को बड़ी उम्मीद है कि आप अच्छा काम करेंगे। हम यह नहीं कह रहे हैं कि आप गलत काम कर रहे हैं परन्तु अगर अच्छा करेंगे तो लोग उसकी तारीफ करेंगे। प्रदेश में आज लोगों में निराशा है। निराशा किन-किन कारणों से है आप उनको ढूंढिये। आपको भगवान् ने मौका दिया है, प्रदेश की जनता ने मौका दिया है, आप उस मौके का फायदा उठाईये। प्रदेश की सेवा करिये। जो लोग आज तंग हैं वे किन-किन वजहों से तंग हैं, डवलपमैंट रुक गई है, छोटे-से-छोटे व्यापारी का व्यापार खत्म हो गया है, बड़ा व्यापारी खत्म हो गया। हिन्दुस्तान में मुझे लगता है कि सिर्फ चार-

पांच घराने रह गए हैं जोकि अमीर हो रहे हैं। आज उनकी रिटर्न में हजारों परसैंट इजाफा हो रहा है और हिन्दुस्तान की जी0डी0पी0 माइनस टैम्परेचर में 23.9 परसैंट जा रही है। पाकिस्तान की जी0डी0पी0 5.5 परसैंट है तो हिन्दुस्तान कहां जा रहा है!

जारी श्रीमती के0एस0

08.09.2020/1300/केएस/एचके/1

श्री राजेन्द्र राणा जारी---

बातें करने से कुछ नहीं होने वाला है। ज़मीन पर प्रैक्टिकल काम चाहिए। जमीन पर क्या हो रहा है, सरकार को इस पर विचार करना चाहिए। कोविड-19 के दौर में सभी लोगों ने सेवा की और मेरा किसी पर कोई आरोप नहीं है। सत्ता पक्ष के लोगों ने भी सेवा की होगी परन्तु जो इस तरफ विपक्ष में जो हम लोग बैठे हैं, हमने भी कोई कमी नहीं रखी। परन्तु जो-जो मामले प्रदेश की जनता के सामने आए हैं, उनको गम्भीरता से लिया जाना चाहिए और जिन-जिन लोगों ने कोई गलत काम किया है, उन पर कार्रवाई हो, प्रदेश सरकार इस चीज़ का आकलन करें। जो एम.एल.ए. इंस्टीट्यूशन है, जो अधिकारी यह सलाह दे रहे हैं कि इनके फंड बंद कर दो, इनका सब कुछ बंद कर दो, वे अपना स्वार्थ सिद्ध कर रहे हैं, एम.एल.ए. इंस्टीट्यूशन को कमज़ोर करने की बात कर रहे हैं। यह इंस्टीट्यूशन राजा वीरभद्र सिंह जी के राज में मज़बूत हुआ था और अगर आपका इंस्टीट्यूशन मज़बूत होगा...(व्यवधान) हुआ था, इन्होंने विधायकों की हर चीज़ बढ़ाई है। हम सुविधाओं की बात नहीं कर रहे हैं परन्तु लोगों की जो उम्मीद है, आपसे उम्मीद है कि आप डवलपमैंट के काम करवाएं, छोटे-छोटे काम भी आपने बंद कर दिए और मुझे लग रहा है, मैंने जो एम.एल.ए. इंस्टीट्यूशन की बात कही है, इस पर मेरे पक्ष के लोग तो सहमत हैं ही लेकिन सत्ता पक्ष के लोग भी सहमत हैं और अगर कोई सहमत नहीं हैं तो वह हाथ खड़ा करें। अध्यक्ष जी, आपने मेरी बात सुनी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्षः अब इस माननीय सदन की बैठक भोजनावकाश के लिए दोपहर के 2.00 बजे तक स्थगित की जाती है।

8.9.2020/1400/av/ Yk/1

(सदन की कार्यवाही दोपहर के भोजनोपरान्त 2.00 बजे अपराह्न पुनः आरम्भ हुई।)

अध्यक्ष : नियम-67 के अंतर्गत जो पिछले कल से यहां पर चर्चा हो रही है उसमें बहुत से माननीय सदस्यों ने हिस्सा लिया है और अभी काफी सारे माननीय सदस्य चर्चा में हिस्सा लेने वाले हैं। मैं एक तो यह कहूंगा कि जितने भी सदस्य बोलने के लिए शेष रहते हैं वे अपनी बात 5-5 मिनट में समाप्त करेंगे। सत्ता पक्ष और विपक्ष; दोनों तरफ के सदस्यों के लिए 5-5 मिनट का समय निर्धारित है क्योंकि ठीक 3.00 बजे अपराह्न माननीय मुख्य मंत्री जी इस चर्चा का उत्तर देंगे। सभी को बोलने का मौका मिलेगा परंतु समयावधि का ध्यान रखा जाए।

अब इस चर्चा में माननीय बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा मंत्री जी हिस्सा लेंगे।

बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा मंत्री : अध्यक्ष महोदय, नियम-67 के अंतर्गत कल नेता प्रतिपक्ष श्री मुकेश अग्निहोत्री जी जो चर्चा लाए थे मैं उस पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं।

कल जब मुकेश अग्निहोत्री जी ने यह प्रस्ताव पेश किया और इस पर अपना वक्तव्य दिया तो यह दर्शाने की कोशिश की कि कोरोना के दौरान हिमाचल प्रदेश की सरकार ने हिमाचल प्रदेश के लोगों के साथ बहुत बड़ा धोखा किया तथा षड़यंत्र रचा।

श्री टी सी द्वारा जारी

08.09.2020/1405/टी0सी0वी0/वाई0के0-1

बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा मंत्री... जारी

उन्होंने कहा कि हमारे मंत्रिमंडल को त्याग-पत्र देना चाहिए। इन्होंने जिस पर चर्चा ली उस पर कम बोले लेकिन अन्य विषयों पर ज्यादा बोले। सर्वप्रथम 24 मार्च, 2020 को जब लॉकडाउन शुरू हुआ उस समय से आज तक हिमाचल प्रदेश के प्रशासन, अधिकारियों, कर्मचारियों ने जो काम किया है, मैं अपनी ओर से उनको बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं। मुख्य सचिव से लेकर आशा वर्कर, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता, फिमेल हैल्थ वर्कर, मेल हैल्थ वर्कर, पटवारी, पंचायत सेक्रेटरी, पैरामैडिकल स्टॉफ, पुलिस के कर्मचारी, डॉक्टर्ज और जो भी जिला प्रशासन ने काम किया है, आदरणीय मुख्य मंत्री, श्री जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व में उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाये वह कम है। इसी का नतीजा है कि आज हिमाचल प्रदेश इस कोरोना महामारी में एक मॉडल प्रदेश के रूप में पूरे भारतवर्ष में जाना जाता है। जिला सिरमौर, हरियाणा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश की सीमा के साथ लगता हुआ जिला है। कालाअंब हमारा औद्योगिक क्षेत्र है और 25,000 मजदूर वहां पर काम करते हैं। पावंटा साहिब भी औद्योगिक क्षेत्र है और वहां पर 20,000 मजदूर कार्यरत हैं। जिस तरह से प्रशासन के साथ मिलकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्त्ताओं ने काम किया है, कोई भी मजदूर भूखा न सोए और किसी भी मजदूर को अपने प्रदेश में वापिस न जाना पड़े, ये व्यवस्था प्रशासन के साथ मिलकर हमने की। पांवटा एक ऐसा औद्योगिक क्षेत्र रहा है जिसमें कोरोना महामारी में भी 70 प्रतिशत उद्योग काम करते रहे हैं। "मुख्य मंत्री रिलिफ फंड" में जिला सिरमौर के लोगों ने 1.13 करोड़ रुपये का योगदान दिया और महिला मोर्चा ने 2.05 लाख मास्क बांटें हैं। इस महामारी के दौरान प्रवासी मजदूरों और जरूरतमंद लोगों को 1.85 लाख खाने के पैकेट दिए गए। हमने जिला सिरमौर में 41000 सैनिटाजर बांटें हैं और 15,300 खाने की किटें कार्यकर्त्ताओं द्वारा बांटी गईं। सभी पंचायतों को हमारे कार्यकर्त्ताओं द्वारा सैनिटाइज किया गया और प्रशासन द्वारा लगभग 40,000 किटें बांटीं गई। जिला सिरमौर में हिमालयन इंस्टिट्यूट, कालाअंब, गुरुद्वारा पांवटा साहिब, सरांह, संगड़ाह,

यमुना होटल,पोटी का होटल और रॉकबुड क्वारंटाइन सेंटर बनाये गये थे और जो वहां पेशेंट्स रह रहे थे, उनको अच्छा खाना दिया गया। हमारा बॉर्डर का एरिया है, शिमला, चौपाल, सोलन और अन्य क्षेत्रों से बहुत से प्रवासी मजदूर पावंटा पहुंचे और वे यमुना नदी को क्रॉस नहीं सकते थे। उनको पुल के ऊपर से जाना था इसलिए हमने शिविर लगाकर उनको खाने का इंतजाम किया और प्रशासन से परमिशन लेकर उनको गंतव्य तक पहुंचाने का इंतजाम किया।

अध्यक्ष महोदय, श्री मुकेश अग्निहोत्री जी यहां पर बड़ी-बड़ी बातें कर रहे थे कि बिजली के रेट बढ़ा दिए। मैं उनको बताना चाहता हूं कि जब वर्ष 2012 से 2017 तक आपकी सरकार थी तो आपने भी पांच सालों में हिमाचल प्रदेश के लोगों की सब्सिडी 80 पैसे से 90 पैसे कम की और वर्तमान सरकार ने अभी तक यह सब्सिडी 90 पैसे से एक रुपया कम की है लेकिन ये लोग शोर ऐसा मचा रहे हैं जैसे हमने हिमाचल प्रदेश में बड़े भारी टैक्स लागू कर दिए या बड़ी सब्सिडी कम कर दी।

श्री आर0के0एस0 द्वारा जारी ...

08.09.2020/1410/RKS/AG-1

बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा मंत्री.... जारी

मैं आपको अवगत करवाना चाहूंगा कि अगर 0 से 125 युनिट बिजली खर्च होगी तो उसमें किसी प्रकार की सब्सिडी नहीं है। 126 से 200 युनिट बिजली की खपत पर 30 पैसे, 126 से 300 युनिट बिजली की खपत पर 1 रुपये और 301 युनिट से ऊपर बिजली खर्च करने पर 60 पैसे प्रति युनिट के हिसाब से सब्सिडी कम की गई है। विपक्ष के लोग इस बात का शोर पूरे प्रदेश में मचा रहे हैं कि सरकार ने सब्सिडी कम कर दी है तो मैं उन्हें बताना चाहूंगा कि इस कोरोना काल में हिमाचल प्रदेश सरकार ने जो सब्सिडी कम की है इसकी दर 1 रुपया प्रति युनिट बनती है। कांग्रेस ने अपने पिछले कार्य काल में 90 पैसे सब्सिडी

कम की थी, वह आपको याद नहीं है। जबकि इस कोरोना महामारी के चलते हमने एक रुपया सब्सिडी कम की है। आपने तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने की कोशिश की है ताकि हिमाचल प्रदेश के लोग यह समझें की विपक्ष ही हमारा हितैषी है और भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सरकार उनकी हितैषी नहीं है। केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार ने इस कोरोना काल में भी लोगों को काफी सुविधाएं दी हैं। उज्ज्वला योजना के तहत लोगों को 3 सिलैंडर मुफ्त दिए गए। किसान सम्मान निधि में पैसे डाले गए। चाहे इंडस्ट्रियल कनैक्शन्ज हों या अन्य कनैक्शन्ज, 30 जून तक जिन व्यक्तियों ने बिजली का बिल जमा नहीं करवाया उनके ऊपर कोई चार्ज नहीं लगाया गया। मैं अपने विपक्षों के मित्रों को यह बताना चाहता हूं कि इस कोरोना काल में भी सरकार द्वारा लोगों को काफी राहत दी गई है। आपने कहा कि जे.ईज. के पदों में बाहर के लोगों को भर्ती करके प्रदेश सरकार के द्वारा प्रदेश के युवाओं के अधिकारों का हनन किया गया। जो भर्ती एवं प्रोन्नति रूल्ज आपकी सरकार ने बनाये थे उन्हीं नियमों के आधार पर यह भर्तियां हुई हैं। इस सरकार ने भर्ती एवं प्रोन्नति के लिए कोई नया नियम नहीं बनाया लेकिन जब माननीय मुख्य मंत्री जी के संज्ञान में यह बात आई कि इसमें हिमाचल प्रदेश के लोगों का अहित है और भविष्य में यह बात न हो, इसके लिए नवम्बर, 2019 में

08.09.2020/1410/RKS/AG-2

माननीय मुख्य मंत्री जी बिजली बोर्ड के पास एक प्रस्ताव लाये की इस नियम में आप परिवर्तन करिये और वर्ष 2020 में यह परिवर्तन किया गया कि बाहरी राज्य के केवल उसी अभ्यर्थी को प्रतियोगिता परीक्षाओं में बैठने का अधिकार होगा जिन्होंने प्रदेश से दसवीं या बारहवीं की परीक्षा पास की हो। जो बेसिकली हिमाचल से है उसे तो यह हक है ही। हिमाचल प्रदेश के हितों को सुरक्षित करने के लिए ही माननीय मुख्य मन्त्री महोदय के संज्ञान लेने के बाद ही R&P रूल्ज बदले गए हैं। आपने कहा कि हिमाचल प्रदेश में बिजली की दरें बहुत मंहगी हो गई हैं। मैं माननीय सदन को बताना चाहूंगा कि हिमाचल प्रदेश में

बाकी राज्यों की तुलना में सबसे सस्ती बिजली दी जा रही है। प्रदेश में जो उपभोक्ता 0 से 125 युनिट बिजली खर्च करते हैं उन्हें प्रति युनिट 1.55 रुपये की अदायगी करनी पड़ती है। पंजाब में, जहां कांग्रेस की सरकार है, वहां बिजली की प्रति युनिट दर 4.49 रुपये, हरियाणा में 2.00 रुपये, उत्तराखंड में 2.80 रुपये और दिल्ली में 3.00 रुपये है। हिमाचल प्रदेश में 126 से 200 युनिट तक 3.95 रुपये, पंजाब में 6.34 रुपये, हरियाणा में 2.50 रुपये, उत्तराखंड में 3.75 रुपये और दिल्ली में 3.00 रुपये प्रति युनिट हैं। 201 युनिट से 400 युनिट तक हिमाचल प्रदेश में 5.00 रुपये, पंजाब में 7.30 रुपये, हरियाणा में 6.30 रुपये, उत्तराखंड में 5.15 रुपये और दिल्ली में 4.50 रुपये प्रति युनिट हैं। 400 से 800 युनिट तक हिमाचल प्रदेश में 5.00 रुपये, पंजाब में 7.30 रुपये, हरियाणा में 7.10 रुपये, उत्तराखंड में 5.90 रुपये और दिल्ली में 7.00 रुपये प्रति युनिट हैं। 800 युनिट से ऊपर हिमाचल प्रदेश में 5.00 रुपये, पंजाब में 7.30 रुपये, हरियाणा में 7.10 रुपये, उत्तराखंड में 5.90 रुपये और दिल्ली में 8.00 रुपये प्रति युनिट हैं।

श्री बी.एस. द्वारा.... जारी

08.09.2020/1415/बी0एस0/ए0जी0/-1

बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एंव ऊर्जा मंत्री जारी...

इसलिए जो आपने सरकार की छवि बिगाड़ने की कोशिश की है कि हिमाचल प्रदेश में बिजली बाकी राज्यों से अधिक मंहगी हो गई है, यह सही नहीं है। जो आंकड़े मैंने दिए हैं वे सही आंकड़े हैं। इसलिए आदरणीय मुख्य मंत्री महोदय जी ने हिमाचल प्रदेश में जिस तरह से कोरोना से निपटने के लिए मेनेजमैंट की है वह सराहनीय है।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, कृपया समय का ध्यान रखें।

बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एंव ऊर्जा मंत्री : हिमाचल प्रदेश उन राज्यों में शामिल हो गया है जहां पर आज की तारीख में सबसे कम कोरोना के केस हैं। सरकार से मिल कर प्रशासन द्वारा जिस तरीके की व्यवस्था की गई वह काबिले तारीफ है। यही सही है कि कोई-न-कोई कमी रह जाती है। जहां-जहां भी कोरोना सैंटर बनाए गए वहां थोड़ी-बहुत सुविधाओं का

अभाव हो सकता है परंतु सरकार की मंशा रही है कि प्रदेश के लोगों को सही इलाज मिले। आज की डेट में हिमाचल का रिकवरी रेट बहुत अच्छा है। आज पूरा हिमाचल प्रदेश आदरणीय जय राम ठाकुर जी की भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहा है। जहां तक लोगों को प्रदेश से बाहर से लाने की बात है, हमारे मित्र पहले शोर मचाते रहे कि लोगों को बाहर से लाया जाए और जब लाने शुरू हुए तो फिर कहने लगे कि कोरोना आ जाएगा। मैं जिला सिरमौर की बात करूं तो वहां पर एक हजार से अधिक लोगों को बाहर से लाया गया। मेरी विधान सभा के जम्मू-कश्मीर में लगभग 200 लोग थे। वे लोग बारामुला और श्रीनगर से पैदल चल कर जम्मू-कश्मीर आ गए थे। मैं कांगड़ा के प्रशासन का धन्यवाद करना चाहता हूं, आदरणीय मुख्य मंत्री जी से हमारी बात हुई और सभी लोगों को सरकारी गाड़ियों में पॉवटा तक छोड़ा गया, जिला सिरमौर के अंतिम कोने तक छोड़ा गया है।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, कृपया समय का ध्यान रखें।

08.09.2020/1415/बी0एस0/ए0जी0/-2

बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एंव ऊर्जा मंत्री : कुछ लोगों को जम्मू-कश्मीर से अपनी गाड़ियों में लाया गया। इसलिए इस कोरोना की महामारी के दौरान जो इंतजाम हिमाचल प्रदेश सरकार ने किए हैं वे बहुत सराहनीय हैं। आदरणीय मुकेश अग्निहोत्री जी जिस मकसद से यह पस्ताव लाए हैं उससे उन्होंने अपना मकसद पूरा नहीं किया है। उन्हें कोरोना पर सार्थक चर्चा करनी चाहिए थी । माननीय मुख्य मंत्री जी को अच्छे सुझाव देने चाहिए थे। यह कमी रही गई है और मैं चाहता हूं कि वे इसे पूरा करें। परंतु लाइन से परे हट कर वे सब्सिडी में चले गए, भर्ती पर चले गए और उसके बाद राशन पर चले गए। इसलिए हिमाचल प्रदेश की सरकार ने जो काम किया है उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है। आदरणीय जय राम ठाकुर जी की प्रशंसा देश के प्रधान मंत्री जी ने भी की है। आज हिमाचल प्रदेश एक मॉडल प्रदेश के रूप में उभर कर सामने आया है। मैं इन्हें बधाई देता हूं और अपनी बात समाप्त करता हूं।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु (नदौन) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी ने जो नियम-67 के तहत स्थगन प्रस्ताव यहां पर लाया है और इस सदन में भी एक इतिहास बना है जो कांग्रेस पार्टी के दबाव के कारण आपने स्वीकार किया है उसके लिए कांग्रेस पार्टी आपका धन्यवाद करती है।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, मेरे ऊपर किसी प्रकार का दबाव नहीं है। यह समायिक विषय था जिसे आपने रखा और इसे स्वीकार किया गया और अब इस पर विस्तार से चर्चा हो रही है। तीन बजे माननीय मुख्य मंत्री जी चर्चा का उत्तर भी देंगे।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु : माननीय अध्यक्ष जी, 23 मार्च को विधान सभा चली हुई थी, दिल्ली से घोषणा होती है कि पूरे देश को लॉकडाउन कर दिया जाए। 24 मार्च को हम सब अपने घर जाते हैं। एक ऐसी महामारी जिसका न किसी को ज्ञान था न किसी को इसका परिचय था । सब लोग इस बीमारी से न जागरूक थे और न सोचा था।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

08-09-2020/1420/ए.एस.-एन.जी./1

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जारी.....

उस समय हिमाचल प्रदेश की जनता ने अपने सेल्फ डिसिप्लिन का परिचय देते हुए नियमों का पालन किया है। कोरोना महामारी काल के लिए हमें सबसे पहले हिमाचल प्रदेश की जनता का धन्यवाद करना चाहिए। उसके बाद इस महामारी से जो लोग लड़ रहे हैं उनमें हमारे डाक्टर्स, पैरा मैडिकल स्टाफ, आंगबाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर्स व अन्य शामिल हैं, उनका धन्यवाद करना चाहिए। इस माननीय सदन के माध्यम से भी हमें इन सभी लोगों का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि इस विपदा की घड़ी में उन्होंने कोरोना वारियर्स के रूप में कार्य करके हिमाचल की जनता का साथ दिया है। इस महामारी से कैसे बचा जाए इसके लिए सब जगह चर्चा हुई और एक बात निकल कर आई कि हमें सामाजिक दूरी बना कर

रखनी चाहिए। कोरोना काल में सरकार दो माह तक सोई हुई थी और जो कर्मचारी इस महामारी से लड़ रहे थे उनके पास मास्क और पी.पी.ई. किट उपलब्ध नहीं थे। हिमाचल प्रदेश सरकार के पास ऐसे कोई साधन नहीं थे जिन्हें कोरोना वारियर्स को दिया जा सके। सरकार के कुछ नेता बोल रहे थे कि हमने अपने क्षेत्र में मास्क बना कर बांटे हैं। इस बात से यह प्रतीत होता है कि उस समय सरकार सोई हुई थी और सरकार कोरोना काल में असफल रही है। इस महामारी का सबसे बड़ा नियम सामाजिक दूरी है और इस नियम का सबसे ज्यादा उलंघन प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर ने किया है। शिमला में गायत्री मंत्र का जाप हो रहा है और वहां पर 200-300 लोग इक्ठ्ठा हुए हैं तब माननीय मुख्य मंत्री जी वहां पर पहूंच जाते हैं। प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री सामाजिक दूरी की बात तो करते हैं लेकिन स्वयं उसका पालन नहीं करते हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी स्वयं नियमों का उलंघन कर रहे हैं और न्यूज़ चैनलों पर माननीय मुख्य मंत्री जी की खबरें भी चलती हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा सामाजिक दूरी के नियम का पालन न करने के कारण सबसे ज्यादा केस उनके कार्यालय से ही आए हैं। उनके कार्यालय का आधे से ज्यादा स्टाफ कोरोना से संक्रमित हो चुका है।

08-09-2020/1420/ए.एस.-एन.जी./2

यह बात ठीक है कि महामारी के समय हम सब लोग संघर्ष करते हैं और हमें संघर्ष करना भी चाहिए। माननीय मुख्य मंत्री जी पहले नीति के हिसाब से कार्य करते थे लेकिन कोरोना काल में राजनीति बीच में ले आए और उस राजनीति का सबसे बड़ा शिकार इन्होंने अपनी ही पार्टी के एक नेता को बना दिया। स्वास्थ्य विभाग के अधीन पी.पी.ई. किट की खरीद में जो भ्रष्टाचार हुआ और उस स्वास्थ्य विभाग का जिम्मा माननीय मुख्य मंत्री जी के पास था, जिनके बिना कोई कार्य नहीं हो सकता था। लेकिन इस्तीफा आपकी पार्टी के अध्यक्ष को देना पड़ा। आपने केस बनाया और बेचारे बिंदल साहब से इस्तीफा ले लिया। भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर माननीय विपक्ष के नेता श्री मुकेश अग्निहोत्री जी ने जो आरोप लगाए हैं वह बिलकुल ठीक हैं। उसमें उन्होंने कहा कि पिछले चार महीनों में सरकार ने

केवल नियम बनाने का कार्य किया है। सरकार कह रही है कि हम इतने लाख लोगों को बाहर से हिमाचल प्रदेश में लेकर आए हैं, मैं सरकार से कहना चाहूंगा कि जब लोग हिमाचल प्रदेश में वापिस आना चाहते थे और जब वे कोरोना महामारी से पीड़ित नहीं थे तब वे कोविड ई-पास के लिए आवेदन करते थे परंतु उन्हें पास नहीं मिलता था। मैं सरकार से मांग करता हूं कि आप माननीय सदन में जानकारी दीजिए कि उस समय कितने लोगों ने कोविड ई-पास के लिए आवेदन किया और कितने लोगों को आपने पास दिया था। जब आपने दूसरे प्रदेशों में लोगों को लाने के लिए ट्रेनें व बसें भेजी उस समय कोरोना महामारी पीक पर जा रही थी।

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

08/09/2020/1425/MS/AG/1

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जारी-------

अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि आपने यह एक बहुत अच्छा फ़ैसला किया कि प्रदेश में आर्थिक तंगी का नाम लेकर एम.एल.ए. फण्ड बन्द कर दिया। हमने सोचा अच्छी बात है और यह एक ऐसा समय है जिसमें हम कांग्रेस के लोगों का भी दायित्व बनता है कि हम इस एम.एल.ए. फण्ड को अच्छे काम के लिए लगाएं। हमारे किसी विधायक ने इसके लिए आवाज नहीं उठाई। आज ये आवाज इसलिए उठा रहे हैं कि आर्थिक तंगी किस चीज की है? आये दिन आप तीन मंत्री बना रहे हैं। आपने 310 के लगभग पंचायतें बना दीं। तीन के लगभग नगर निगम बनने जा रहे हैं और 10 के लगभग आपने नगर पंचायतें बना दीं तो आर्थिक तंगी किस चीज की है? सिर्फ़ जो जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों को विकास के लिए धन मिला है, उसमें कट लगाया गया? इस तरह से इस सरकार में दूरदर्शी सोच की कमी है। अगर ये चाहते तो जो हमारा एम.एल.ए. फण्ड है; मैं एक उदाहरण देना चाहता हूं कि हमने कोरोना की आर.टी.पी.सी.आर. मशीन खरीदने के लिए पैसे दिए। आपकी चार अप्रैल को केबिनैट होती है और उस दिन सवेरे राधा कृष्ण मेडिकल कॉलेज के प्रिंसीपल के पास पैसे चले जाते हैं। बैंक के थ्रू पैसे डिपोजिट हो गए कि मशीन के लिए एम.एल.ए. फण्ड से पैसे जाएंगे और पांच तारीख़ को वे पैसे मेडिकल कॉलेज से वापिस होकर डी0सी0

साहब के पास चले जाते हैं। डी0सी0 साहब कहते हैं कि बहुत प्रैशर है इसलिए मुझे तो सारे पैसे वापिस लेने पड़ेंगे। मैं इस सरकार की दूरदर्शिता की बात कर रहा हूं। आपने नियम बनाया कि जो बाहर से आएगा, उसके लिए इन्स्टीच्यूशनल क्वेरेंटाइन होगा। आपने नदौन की एस.डी.एम. को इसलिए ट्रांसफर कर दिया कि उसने कहा कि मुंबई से जो लोग आ रहे हैं, मैं उनको इन्स्टीच्यूशनल क्वेरेंटाइन करूंगी। नियम आपका है और कानून का पालन वह महिला एस.डी.एम. कर रही थी। ऊपर से फोन आता है कि नहीं, ये मुंबई से हमारे खास मित्र आए हैं इसलिए इन्हें इन्स्टीच्यूशनल क्वेरेंटाइन नहीं करना है। इन्हें होम क्वेंरेटाइन कीजिए। जब उसने ऐसा करने से मना कर दिया तो रातोंरात उस एस.डी.एम. का तबादला कर दिया। यही नहीं,

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, बैठिए। मुख्य मंत्री जी कुछ बोलना चाह रहे हैं।

08/09/2020/1425/MS/AG/2

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य की बात बहुत गम्भीरता से सुन रहा हूं। माननीय सदस्य हमारे पुराने मित्र हैं। ये लम्बे समय तक पार्टी के अध्यक्ष रहे। एक-दो चीजों को लेकर मैं स्पष्ट कह देना चाहता हूं कि जो एस.डी.एम. की ट्रांसफर का विशेष तौर पर ज़िक्र किया गया है, मेहरबानी करके तथ्य बिल्कुल इसके विपरीत हैं। इस विषय का संस्थागत संगरोध से कोई लेना-देना नहीं है। कोई इशू all of a sudden crop-up हुआ जिसका ज़िक्र करना इस विधान सभा के अंदर उचित नहीं है। मैं यह कहना चाहता हूं कि प्रशासनिक अधिकारियों की ट्रांसफर ऐसी चीजों की वजह से नहीं होती है। ऐसे फोन हमें सैंकड़ों आए होंगे कि हमें ऐसा करवा दो, हमें वैसा करवा दो। लेकिन हमने कहा, नहीं। जो नियम की परिधि में होगा, वही करेंगे। एक भी जगह नियम का उल्लंघन नहीं हुआ है। माननीय सदस्य, मैं आपको यहां करैक्ट करना चाह रहा हूं कि आप एकदम तथ्यों से हटकर बोल रहे हैं। दूसरा, जिस बात को माननीय सदस्य ने कहा कि हमने नियमों की धज्जियां उड़ाई हैं, यहां जिस कार्यक्रम का ज़िक्र आप कर रहे हैं, उस कार्यक्रम में हम गए थे। वहां पर बाकायदा सामाजिक दूरी का पालन किया गया था। वहां सब लोग दूर-दूर बैठे हुए थे। सिर्फ़ जहां से ऊपर की तरफ से हमारी एंट्री हुई, उस प्वायंट पर थोड़ी भीड़ हुई थी। उसके बाद एक मिनट के अंदर हम सब अपने-अपने स्थान पर अलग-अलग थे। आप लोग

तो प्रदर्शन, धरने और पुतले जलाते रहे बल्कि अभी तो हम आपका चौड़ा मैदान में जो कार्यक्रम था, उसमें देख रहे थे कि आप सामाजिक दूरी का कितना पालन कर रहे थे। मेहरबानी करके जो आप खुद नहीं कर सकते हैं उसका संदेश हमें और समाज को इस माननीय सदन के अंदर मत दीजिए। अभी आप आधा घण्टा पहले क्या करके आये और वह क्या तमाशा था?

जारी जे0के0 द्वारा-----

08.09.2020/1430/JK/DC/1

मुख्य मंत्रीः------जारी--------

इसलिए मुझे लगता है कि इन सारी चीजों को ले करके यह कहने की आवश्यकता नहीं है। जहां तक भ्रष्टाचार की बात आती है, मैं इस बात को बड़े साफ शब्दों में कह रहा हूं कि जिसने भी गलत किया होगा, वह सज़ा का पात्र होगा, हम उसको नहीं छोड़ेंगे। खासतौर से इस कोरोना के संकट में मैंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अगर ऐसे संकट के क्षण में भी कोई गड़बड़ हुई तो उससे बड़ा पाप दूसरा कोई हो नहीं सकता है। इसलिए हमने कार्रवाई की है। यदि आपके ज़माने में होता तो मुझे नहीं लगता कि कोई मुख्यमंत्री हिम्मत करता उसके खिलाफ कार्रवाई करने की लेकिन हमने कार्रवाई की। शाम को मुझे पता लगता है और दूसरे दिन उसको गिरफ्तार करके अन्दर डाल देते हैं। हमने कार्रवाई की है। दूसरे मामलों में भी हमने जहां तक कार्रवाई की है, मैं बड़े स्पष्ट शब्दों में इस बात को कहना चाहता हूं कि अनावश्यक रूप से जो फेक्ट्स हैं, उनको मत करिए। आप अच्छे सुझावों के रूप में बात कहें। सुझावों के रूप में जो आप बात कहेंगे उसको हम ग्रहण करेंगे और हम आने वाले समय में उनका पालन भी करने की कोशिश करेंगे।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, श्री सुखविन्दर सिंह सुक्खु जी, अब आप बोलिए।

श्री सुखविन्दर सिंह सुक्खुः माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने उत्तर देना है, उस समय भी ये सब बातें हो सकती हैं।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, आप अपनी बात कहें।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खुः माननीय अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने हमारे दो-तीन मिनट खत्म कर दिए, आप इसका भी ख्याल रखें। माननीय मुख्य मंत्री जी ने बड़ी अच्छी बात की कि जो भी भ्रष्टाचार करेगा हम उसके खिलाफ बड़ी सख्ती से कार्रवाई करेंगे। आपने डायरैक्टर का इस्तीफा ले लिया। दूसरे दिन आपने अपनी पार्टी के अध्यक्ष, डॉ0 राजीव बिन्दल जी का भी इस्तीफा ले लिया। आपने माना है -/2

08.09.2020/1430/JK/DC/2

और हाउस में भी आपने माना है कि वे भी कहीं-न-कहीं भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं। यह मान कर कहा कि इसलिए हमनें उस पर सख्त कार्रवाई की है। मैं आपकी बात का अभिन्नदन करता हूं कि आप सख्त कार्रवाई करें। माननीय अध्यक्ष महोदय, विडंबना यह है कि इस आर्थिक तंगी के साथ समाज के हर वर्ग को सहायता प्रदान की जाए। जो पुलिस कर्मचारी बैरियर पर थे, चाहे वह मैहंतपुर बैरियर था, चाहे बद्दी बैरियर था, परवाणु बैरियर था या इन्दौरा का बैरियर था। लाखों की संख्या में वहां हिमाचली जो बाहर काम करते थे, यहां पर आना चाहते थे। उनके पास मास्क तक नहीं था। मैंने तो कई बार मुख्य मंत्री जी से बात की। हाउस में भी हमने कई बार कहा कि जो पुलिस के हमारे भाई हैं, उनके लिए डिस्क्रिमिनेशन नहीं होनी चाहिए। आठ साल कांट्रेक्ट के बाद वे रैगुलर होते हैं। दस रुपए के करीब उनकी डाइट बनी हुई है। इस कोरोना काल में अगर सबसे अच्छा कार्य किसी ने किया है तो हिमाचल प्रदेश के डॉक्टर्ज़ हैं, पैरा मैडिकल स्टाफ है और हमारे पुलिस कर्मचारी हैं। अगर सरकार गम्भीर होती तो इस बजट में या आने वाले बजट में उनके प्रति गम्भीरता दिखाती। जहां तक उद्योग की बात है, हिमाचल प्रदेश की टूरिज्म इण्डस्ट्री, हिमाचल प्रदेश की सबसे बड़ी इण्डस्ट्री है। अभी एक मंत्री जी ने नया काला कोट सिलवाया और आपने उनको पहनने लायक बनाया, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करना चाहूंगा। अभी बात कर रहे थे 'ease of doing business' में,हम 7वें नम्बर पर आ गए। यहां पर उद्योग मंत्री जी बैठे हैं। यहां पर मुख्य मंत्री जी भी बैठे हैं। आपने इण्डस्ट्रियल मीट

करवाई और इण्डस्ट्रियल मीट को हुए तीन साल हो गए। कितने पैसे अभी तक हिमाचल प्रदेश के, जहां उन्होंने उद्योग लगाए हैं, उन पर खर्च किए हैं। अभी तक एक भी पैसा खर्च नहीं हुआ है। 'Ease of doing business' का मतलब है कि आपने नियम कम कर दिए हैं और जो उद्योग लगाना चाहता है वह आए और हमारे पास आए। इसमें कोई आपको तमगा नहीं मिला है। लेकिन पर्यटन की दृष्टि से मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूं कि जो पैकेज आपने दिया हुआ है, वह नाकाफी है। हिमाचल प्रदेश का एक भी होटल कारोबारी आज होटल नहीं खोलना चाह रहा है। कितने प्रार्थना-पत्र उन्होंने डायरैक्टर टूरिज्म के पास इसलिए दे दिए हैं कि हम

08.09.2020/1430/JK/DC/3

अपना होटल बन्द करना चाहते हैं। इसके पीछे क्या कारण है? आपने कभी सोचा, नहीं है क्योंकि हिमाचल प्रदेश में तकरीबन 10 लाख के करीब हिमाचली लोग, चाहे वे वेटर के रूप में हैं, चाहे हाउस कीपिंग के रूप में है, चाहे शैफ के रूप में है, चाहे ट्रांसपोर्ट टैक्सी के रूप में है , चाहे घोड़ा चला रहा है और चाहे फोटोग्राफी कर रहे हैं।

अध्यक्षः माननीय सदस्य महोदय, प्लीज़ अब वाइंड अप करें।

श्री सुखविन्दर सिंह सुक्खुः माननीय अध्यक्ष जी, माननीय मुख्य मंत्री जी ने मेरे तीन मिनट ले लिए हैं।

अध्यक्षः माननीय सदस्य कौन से तीन मिनट? वह मैं नोट कर रहा हूं और सक्रीन पर देख भी रहा हूं।

श्री एस.एस. द्वारा जारी-----

08.09.2020/1435/SS-DC/1

अध्यक्ष जारीः मैं आपकी तरफ देख तो रहा हूं। इस चर्चा का तीन बजे उत्तर आना है। एक लम्बी सूची आपकी तरफ से भी आई हुई है जोकि मुकेश अग्निहोत्री जी ने भेजी है।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु : आप दिशा बदलने की कोशिश मत कीजिए। मैं पांच से सात मिनट में अपने सारे विषयों को समाप्त कर दूंगा। मेरा आपसे अनुरोध है कि माननीय मुख्य मंत्री जी आपने टूरिज्म का पैकेज दिया। किनको दिया? मालिक को दिया। उस होटल में वेटर लगा हुआ है।

अध्यक्ष : सुखविन्द्र जी, मेरी बात सुनिये। अगर आप कोरोना के ऊपर बोलें या अर्थव्यवस्था को ठीक करने पर बोलें तो बहुत अच्छा रहेगा।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु : मैं अब किस पर बोल रहा हूं? क्या मैं अभी किसी और चीज़ पर बोल रहा हूं? आप थोड़ा ध्यान लगाईये। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपका ध्यान भटका हुआ है। मैं उसी विषय पर बात कर रहा हूं। प्लीज़ आप थोड़ा ध्यान लगाईये।

अध्यक्ष : मेरा ध्यान इसी सदन में और जो आप बोल रहे हैं उसी पर है। कृपया करके अब आप वाइंड अप करें।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु : माननीय अध्यक्ष महोदय, टूरिज्म हिमाचल प्रदेश का एक ऐसा उद्योग है जिसमें 10 लाख के करीब हिमाचली कार्य करते हैं। अगर इस उद्योग को आपने कुछ पैकेज दिया तो वह होटल कारोबारियों को दिया। मुझे लगता है कि होटल कारोबारियों को भी नहीं दिया लेकिन आज जो होटल में काम करने वाला छोटा कार्यकर्ता है जैसे कि वेटर, हाउस कीपर, शैफ, ट्रांसपोर्टर और बाहर दरबान हैं उनके लिए आपने किसी पैकेज की घोषणा नहीं की। आपके छोटे कारोबारी हैं जोकि दो महीने दुकानें बंद करके रहे चाहे वे कहीं भी हों, चाहे नगर-निगम या नगर पंचायत में हों, सब ने अपनी दुकानें बंद कर दीं। सिर्फ इसलिए बंद कर दी कि वे खुद अनुशासन में रहना चाहते थे। यह सरकार के कारण लोग नहीं रहे बल्कि कोरोना को महामारी समझकर लोग सैल्फ-डिसीप्लन में रहे। माननीय मुख्य मंत्री जी, आपने उन लोगों को कोई पैकेज नहीं दिया। उद्योग मंत्री जी बैठे हैं, इनका एक लेबर वैल्फेयर बोर्ड है। मैं आपके ध्यान में ला रहा हूं कि लेबर वैल्फेयर बोर्ड में 20 हजार ऐसे लोग मजदूर बन बैठे हैं

08.09.2020/1435/SS-DC/2

जिनके पास गाड़ियां हैं, जिनके पास स्कूटर हैं, जिनके पास मोटर-साइकिल हैं। उन्होंने मनरेगा में काम नहीं किया लेकिन आपने क्या किया कि जो भी एसोसियेशन उसको

अटैस्ट करेगी वह मजदूर की कैटेगिरी में आ जायेगा। आपने मनरेगा के मजदूरों के लिए दो-दो हजार करके 6 हजार रुपया डाला है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी आपका ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि जो वेटर क्लास है वह सब बेकार हो चुकी है। होटल मालिक इसको क्यों बंद कर रहे हैं क्योंकि कोई होटल वाला या शैफ 15 हजार रुपये में लगा, जब वह दोबारा होटल खोलेगा तो कम-से-कम उसको 2 से 7 हजार रुपये में वेटर मिलेगा। इस प्रकार उसकी 20 साल की नौकरी चली गई।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया वाइंड अप करें।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु : मैं वाइंड अप ही कर रहा हूं। मैं एक और बात आपके ध्यान में लाना चाहता हूं।

अध्यक्ष : काफी हो गया। मैं समय देख रहा हूं आप कृपा करके वाइंड अप करें।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु : मैं वाइंड अप कर देता हूं। आप मंत्री और मुख्य मंत्री जी का समय निकाल दीजिए और वह समय मुझे बोलने के लिए दे दीजिए। ...(व्यवधान)...

अध्यक्ष : आप कृपया वाइंड अप करें। जो आपको बोलना था वह आप बोले नहीं और अब आप सोच रहे हैं कि मैं उसे बोलूं। इतना लम्बा मत खीचें। मैंने समय निर्धारित किया था। इसलिए अब आप वाइंड अप करें।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं कुछ और चीज़ों की तरफ ध्यान दिलाना चाहता हूं।

अध्यक्ष : आपको बोलते हुए 17 से 18 मिनट हो गए हैं।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु : अध्यक्ष महोदय, पहले यह क्लैरीफाई करिये कि मैंने लगातार 17 मिनट बोला है या नहीं।

08.09.2020/1435/SS-DC/3

अध्यक्ष : चलो दो मिनट माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा है और ऐसा भी है कि जो आपने कहा है उसका स्पष्टीकरण सरकार की ओर से दिया गया है। अब माननीय बिक्रम जी भी

बोलने के लिए हाथ खड़ा कर रहे हैं। आपने कहा है तो अब उनको भी बोलना है। सरकार की तरफ से ये बोलेंगे ही।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु : मुझे ऐसा लगता है कि भारतीय जनता पार्टी कोरोना महामारी से ग्रसित हो चुकी है। बोलने की महामारी से ग्रसित हो चुकी है। मैं सिर्फ एक बात आपके ध्यान में लाना चाहता हूं कि पिछले चार महीने में आपका एक विधायक बोलता है कि अगर मेरी नगर पंचायत नहीं बनाई तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। दूसरा बोलता है कि मैंने क्रशर नहीं बंद किया तो इस्तीफा दे दूंगा। शांता कुमार जी, पूर्व मुख्य मंत्री जोकि सबके आदरणीय हैं और इस सदन को रिप्रैजेंट करते हैं वे बोलते हैं कि अगर पालमपुर को नगर-निगम नहीं बनाया तो मैं आप लोगों के बारे में सोचूंगा। वे अपनी सरकार के खिलाफ चिट्ठी लिखते हैं कि इस सरकार में भ्रष्टाचार बढ़ा हुआ है।

जारी श्रीमती के0एस0

08.09.2020/1440/केएस/एचके/1

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जारी---

...(व्यवधान) शांता कुमार जी यह कहते हैं कि यह सरकार भ्रष्टाचारी है। माननीय मुख्य मंत्री जी, मंच पर खड़े हो कर कह रहे हैं कि मैं किसी भ्रष्टाचारी को नहीं बख्शूंगा। एक भ्रष्टाचारी को तो आपने निकाल दिया है लेकिन जो आने वाले समय में आपके विभाग में आप अपने मंत्री की विजिलैंस इन्क्वायरी कर रहे हैं, उनके बारे में क्या आप अपना वक्तव्य देंगे?

अध्यक्षः माननीय सदस्य, अब समाप्त करें। आपका सारा विषय आ गया। अब आप बैठ जाएं।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खुः अध्यक्ष जी, मेरी माननीय मुख्य मंत्री जी से एक विनम्र प्रार्थना है कि जो आपको डरा रहे हैं, धमका रहे हैं, कांग्रेस का काम आपको सचेत करना है। आपके इर्द-गिर्द जो लोग बैठे हैं और जिस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं, कोरोना काल

में यह सबसे बड़ा संकट आपकी सरकार पर आया है। आपने हिमाचल प्रदेश की जनता को सही रूप में कोरोना महामारी की ओर धकेला है। आज कोरोना महामारी की वजह से तीन और मौतें हो गई है और लगभग 8000 के करीब यहां पर केसिज़ आ गए हैं।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, अब वाइंड अप कीजिए।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खुः अध्यक्ष महोदय, सही दृष्टि से, दूरदर्शी नीति से अगर ये कोरोना से निपटना चाहते हैं तो सही मायने में कुछ और अच्छे फैसले करें ताकि हिमाचल प्रदेश की जनता का इससे बचाव हो सके। इन्हीं शब्दों के साथ अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अंत में मैं यह कहूंगा, अध्यक्ष जी, आप हमें बीच में टोक देते हैं और बात की दिशा बदलने की कोशिश करते हैं। आप माननीय मुख्य मंत्री जी को बोलिए, ये बीच में आ कर स्पष्टीकरण दे देते हैं तो बाद में उस स्पष्टीकरण का क्या फायदा रह गया? तो आप थोड़ा इस पक्ष का भी ध्यान रखिए।

08.09.2020/1440/केएस/एएस/2

अध्यक्षः मैं पक्ष और विपक्ष दोनों का ध्यान रखता हूं। मैंने कहा था कि यहां पर माननीय सदस्य 5 से 8 मिनट बोलेंगे जबकि आप 18 मिनट बोले हैं। इस प्रकार से इंगित करना सदन को शोभा नहीं देता।

उद्योग मंत्रीः माननीय अध्यक्ष जी, श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जी ने कामगार बोर्ड के बारे में बात की, लेकिन ये अक्सर मेरे कैबिन में आ कर मुझे सजैस्ट करते हैं कि यह काम करो और आज ये एक नई बात ले कर आ गए हैं कि जिनके पास अच्छी गाड़ियां हैं, स्कूटर हैं, उनकी रजिस्ट्रेशन हो रही है। आप अभी कोई चार नाम मुझे बताएं ताकि हमें पता लग जाए और हम उन पर एक्शन ले सके। विभाग के जिन लोगों ने यह किया है उनसे इन सारे विषयों पर हम पूछताछ करें । जो भी आपके पास डिटेल है, आप दीजिए । ...(व्यवधान) मैं सोया नहीं हूं, मैं जाग रहा हूं लेकिन आप यहां पर सनसनी मत फैलाएं। आपके समय में कामगार बोर्ड के अंदर क्या हुआ है, सभी अच्छे तरीके से जानते हैं। हम ठीक तरीके से

काम कर रहे हैं और अगर आपके पास कोई बड़े लोगों की, गाड़ी वालों की, स्कूटर वालों की लिस्ट है तो हमें दीजिए जिनकी वहां पर रजिस्ट्रेशन हुई है। माननीय अध्यक्ष जी, मेरे विभाग में केवल उन्हीं की रजिस्ट्रेशन हुई है जिन्होंने 90 दिन मनरेगा के अंदर काम किया है। उन्होंने किसी और जगह पर दिहाड़ी लगाई है, उनकी रजिस्ट्रेशन हुई है। अगर आपके पास कोई ऐसी सूचना है तो दीजिए।

08.09.2020/1440/केएस/एएस/3

अध्यक्षः अब इस चर्चा में माननीय शहरी विकास मंत्री, श्री सुरेश भारद्वाज जी हिस्सा लेंगे।

शहरी विकास मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, नियम-67 के अंतर्गत इस सदन में एक महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हो रही है। कल मैं सदन के बाद एक चैनल को सुन रहा था। विपक्ष के नेता आदरणीय मुकेश अग्निहोत्री जी कह रहे थे कि हमने बड़ी भारी जीत हासिल की है, नियम- 67 के अंदर हमने चर्चा करवा दी । कल जब हम यहां पर चर्चा एक्सैप्ट करने वाले थे तो उससे ये परेशान हो रहे थे। माननीय जगत सिंह नेगी जी इनको कह रहे थे कि तुम बोलोगे और ये नेगी जी को कह रहे थे कि तुम बोलोगे। क्योंकि दोनों की कोई तैयारी ही नहीं थी। इनको यह लगता ही नहीं था क्योंकि इन्होंने कभी अपने कार्यकाल में नियम-67 के अंतर्गत चर्चा करवाई ही नहीं है लेकिन यह वैश्विक महामारी है। जो वर्ष 1918 में स्पैनिश फ्लू के बाद 100 साल के बाद पहली बार आई है,

श्रीमती अ0व0द्वारा जारी---

8.9.2020/1445/av/hk/1

शहरी विकास मंत्री---------- जारी

उसके ऊपर अगर किसी में चर्चा करवाने का दम है तो वह जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व में चल रही सरकार में है। यह कोई आपकी जीत नहीं है, अगर आप इसी को अपनी जीत मानना चाहते हैं तो आप इसको बड़ी खुशी के साथ मान सकते हैं। मैं आज सुबह एक

वीडिया देख रहा था जो कि बाई चान्स मोबाईल पर आ रहा था। हमारे देश की राज्य सभा के नेता प्रतिपक्ष श्री गुलाम नबी आज़ाद जो कि बहुत सीनियर लीडर है। ---(व्यवधान) मैं क्या यहां महात्मा गांधी जी का नाम नहीं ले सकता? मैं यहां उनके विरुद्ध कुछ नहीं कह रहा हूं। ---(व्यवधान) ठीक है, नाम हटा दीजिए। मैं यह कहना चाह रहा हूं कि मैं वीडियो पर राज्य सभा के नेता प्रतिपक्ष का बयान सुन रहा था जिसमें उन्होंने यह कहा है कि आज इस कांग्रेस पार्टी में किसी की नहीं सुनी जा रही है और कांग्रेस के यदि यही हाल रहे तो अगले 50 साल तक कांग्रेस पार्टी विपक्ष में ही बैठी रहेगी। यह मैं नहीं बोल रहा हूं बल्कि यह इनके नेता बोल रहे हैं। ---(व्यवधान) सुन लीजिए ---(व्यवधान) what do you mean by 'nonsense'? विक्रमादित्य सिंह पांच बार के मुख्य मंत्री का लड़का है और यहां पर नॉनसैंस बोलता है।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, बैठ जाइए। कृपया सभी माननीय सदस्य बैठ जाइए। माननीय मंत्री जी, आप बोलिए।

शहरी विकास मंत्री : माननीय आशा कुमारी जी यहां पर इस प्रकार की शब्दावली नहीं चलेगी। आप इस बारे में कुछ विरोध कीजिए। ---(व्यवधान) असंसदीय शब्द माननीय सदस्य श्री विक्रमादित्य सिंह जी ने बोला है। ---(व्यवधान) इन्होंने असंसदीय शब्द बोला है और इसको निकाला जाना चाहिए।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री, आप बैठ जाइए। माननीय सदस्य श्री विनोद कुमार जी, आप भी बैठ जाइए। कृपया सभी सदस्य बैठ जाइए। ---(व्यवधान) बैठ जाइए। माननीय नेता प्रतिपक्ष, आप बैठ जाइए। ---(व्यवधान) अग्निहोत्री जी बैठ जाइए। यह चर्चा

8.9.2020/1445/av/hk/2

अच्छी दिशा में आगे बढ़ रही है। ---(व्यवधान) नहीं, माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी अच्छा तालमेल बैठाते है। ---(व्यवधान) ऐसा नहीं है। यहां पर माननीय सुखविन्द्र सिंह जी ने माननीय शांता कुमार जी का ज़िक्र किया। ---(व्यवधान) इन्होंने भी ठीक सैंस में नाम

लिया है, इनकी मंशा भी सही है। राज्य सभा में नेता प्रतिपक्ष की बात हो रही है तो उसके बारे में इतना बवंडर खड़ा करने की ज़रूरत क्या है? इन्होंने तो अच्छे शब्दों और ठीक भाषा में बात रखने की कोशिश की है। इसलिए मैं आपसे भी आग्रह करना चाहता हूं कि इतना उत्तेजित होने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि जितना जोर से बोलेंगे तो कोरोना फैलने की ज्यादा सम्भावना रहेगी।

माननीय मंत्री जी, आप बोलिए।

मंत्री श्री टी सी द्वारा जारी

08.09.2020/1450/टी0सी0वी0/वाई0के0-1

शहरी विकास मंत्री : अध्यक्ष महोदय, हम बहुत शोर सुनते थे कि हम ये कर देगें, वो कर देंगे, सदन में हम ये मुद्दा उठा देंगे लेकिन जब कल बोलना शुरू किया तो जिस विषय पर चर्चा करनी थी, उस पर एक शब्द भी नहीं बोलें। माननीय विपक्ष के नेता कहते हैं कि सरकार कंफ्यूज है लेकिन ये देख नहीं पा रहे हैं कि कंफ्यूज सरकार है या कंफ्यूज विपक्ष है। ये कंफ्यूज ही नहीं है इनके फ्यूज भी उड़ गये हैं। यहां किसने भाषण इंनिशिएट करना है, किस विषय पर बोलना है, उस पर क्या बोलना है, उस पर भी इनको कंफ्यूजन है। श्री जगत सिंह नेगी जी कहते हैं कि मुख्य मंत्री दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी जी की ओर देखते हैं। इसके साथ ही ये कहते हैं हमारा तो इमरजेंसी की तरह गला बंद कर दिया है यानी ये खुद मान रहे हैं कि इमरजेंसी में इन्होंने गला बन्द किया था क्योंकि इमरजेंसी तो इनकी सरकार ने लगाई थी और इन्होंने गला बंद किया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी हिन्दुस्तान की सरकार के प्रधानमंत्री ही नहीं, आज एक विश्व स्तरीय नेता है। सारी दुनिया आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की ओर देख रही है लेकिन इनके कार्यकाल में जिस इमरजेंसी का जिक्र माननीय जगत सिंह नेगी जी कर रहे हैं, उस काल में श्री देवकांत वर्वा इनके एक अध्यक्ष हुआ करते थे और वे इमरजेंसी में कहा करते थे- 'Indira is

India and India is Indira' इनको तो 10 जनपथ से बाहर कोई दूसरा दिखाई ही नहीं देता है। आज तो इनके 23 नेता जिनमें हिमाचल प्रदेश के बड़े-बड़े नेता भी हैं, वे इनकी राष्ट्रीय अध्यक्षा को पत्र लिख रहे हैं कि इस कांग्रेस के बारे में ठीक से डिस्कशन कीजिए वरना 50 साल तक कहीं भी नहीं रहेंगे। ...(व्यवधान) ये अपने बारे में सोचें। मैं कोविड के ऊपर बोल रहा हूं। ...(व्यवधान) आपने जो बोला मैं उसका जवाब दे रहा हूं। ...(व्यवधान)

अध्यक्षः प्लीज समय का ध्यान रखें। बैठ जाइये।

(कांग्रेस विधायक दल के सभी सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर नारेबाजी करने लगे)

08.09.2020/1450/टी0सी0वी0/वाई0के0-2

शहरी विकास मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा सारे देश के मुख्य मंत्रियों की कॉन्फ्रेंस की गई जिसमें उन्होंने एक्नॉलेज किया कि हिमाचल प्रदेश में जो एक्टिव केस फाइंडिंग (ए.सी0.एफ.) का कार्य हुआ है, वह हिमाचल प्रदेश के मॉडल पर सारे हिन्दुस्तान में किया जाना चाहिए। ...(व्यवधान)

श्री आर0के0ए0 द्वारा जारी ...

08.09.2020/1455/RKS/YK-1

शहरी विकास मंत्री... जारी

(कांग्रेस विधायक दल के सभी सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर नारेबाजी करते रहे।)

शहरी विकास मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, कोविड-19 से लड़ने के लिए देश की एक स्वतंत्र एजेंसी ने आदरणीय जय राम ठाकुर जी को देश का बैस्ट परफोर्मिंग मुख्यमंत्री का

खिताब दिया है और ये लोग कहते हैं कि कोराना काल में कुछ भी नहीं हुआ। मैं जानना चाहता हूं कि ये लोग इस कोरान काल में कहां थे? हिमाचल प्रदेश पहला प्रदेश है जिसने ऑल-पार्टी-मीटिंग बुलाकर इस महामारी से निपटने की तैयारियां की। इस मीटिंग में नेता प्रतिपक्ष, माननीय मुकेश अग्निहोत्री और कुलदीप सिंह राठौर भी उपस्थित थे। (...व्यवधान) इस कोराना काल में हिमाचल प्रदेश के जो अढ़ाई लाख लोग प्रदेश से बाहर रहते थे उन्हें वापिस लाया गया। जो विद्यार्थी राजस्थान के कोटा में पढ़ाई कर रहे थे उन्हें भी वापिस लाया गया। हिमाचल प्रदेश में भले ही 25 मार्च, 2020 को लॉकडाउन लगाया गया परंतु 12 मार्च, 2020 से मेले, त्यौहार इत्यादि का आयोजन बंद कर दिया गया था। 14 मार्च, 2020 को सभी स्कूल व कॉलेज बंद कर दिए गए थे। 16 मार्च, 2020 को जगराता, कीर्तन और लंगर इत्यादि को बंद करने के लिए आदेश पारित कर दिए गए थे। 17 मार्च, 2020 को सभी सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और सामूहिक समारोह बंद कर दिए गए थे। 19 मार्च, 2020 को सभी घरेलू व विदेशी पर्यटकों को यहां आने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। यह सारी चीजें लॉकडाउन से पहले ही कर दी गई थी। 20 मार्च, 2020 को कॉन्ट्रेक्ट्स कैरिज व इंटरास्टेट बसों को बंद कर दिया गया था। 23 मार्च, 2020 को विधान सभा का बजट सत्र बीच में ही स्थगित कर दिया गया था। लॉकडाउन के दौरान माननीय मुख्य मंत्री जी ने अपने घर में बैठकर पूरे प्रदेश की समस्याओं को निपटाने का कार्य किया। इस कोराना काल के

08.09.2020/1455/RKS/YK-2

दौरान डाक्टर्ज, पैरा-मैडिकल स्टाफ, पुलिस के जवान तथा सफाई कर्मचारियों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह सारी व्यवस्था लॉक डाउन के दौरान की गई है। परंतु मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि ये लोग इस लॉक डाउन के दौरान कहां थे? किस व्यक्ति को आपने राशन, सैनिटाइजर या मास्क दिए हैं? आपने किस व्यक्ति की सहायता की है? सरकार के क्रिटिसिज्म के अलावा आपने कोई काम नहीं किया।

अध्यक्षः माननीय शहरी विकास मंत्री जी, कृपया आप बैठ जाइए। मैं विपक्ष के सभी सदस्यों से भी आग्रह करता हूं कि वे अपना स्थान ग्रहण करें।

(कांग्रेस विधायक दल के सभी सदस्य अपने-अपने स्थान पर बैठ गए)

अध्यक्षः माननीय शहरी विकास मंत्री जी अब आप बोलिए।

शहरी विकास मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, नियम-67 के अंतर्गत कोविड-19 के विषय में जो प्रस्ताव लाया गया है उसमें इन लोगों के पास बोलने के लिए कुछ भी नहीं है। वर्तमान सरकार ने लॉकडाउन से पहले, 12 मार्च से ही, विभिन्न संस्थान बंद कर दिए थे। कोरोना काल से पूर्व भले ही माननीय मुख्य मंत्री 10-11 बजे अपने कार्यालय पहुंचते होंगे परंतु लॉकडाउन के समय माननीय मुख्य मंत्री समय पर कार्यालय पहुंच जाते थे।

श्री बी.एस. द्वारा.... जारी

08.09.2020/1500/बी0एस0/ए0जी0/-1

शहरी विकास मंत्री जारी...

इस बारे में सारी कार्रवाई ऑल पार्टी मिटिंग में जो चर्चा के बाद शुरू की गई है। उस मिटिंग में इनके प्रदेश अध्यक्ष माननीय कुलदी सिंह राठौर जी और माननीय मुकेश अग्निहोत्री जी उपस्थित रहे हैं। आप सारे देश में पता कर लीजिए कि कौन से राज्य में इस तरह की मिटिंग हुई है और कोविड-19 के बारे में बातचीत हुई है। यह पहला प्रदेश है जहां सबसे विचार-विमर्श किया गया है। माननीय अग्निहोत्री जी पत्र लिखते थे और इनके पत्रों पर बाकायदा अमल होता था। कोरोना एक वैश्विक महामारी है यह कोई हिन्दुस्तान या हिमाचल प्रदेश में ही नहीं है। दुनिया के 15 देशों की आबादी 147 करोड़ है और वहां पर एक्टिव केसिज और मृत्यु दर भारत से कहीं ज्यादा है। हमारे देश में माननीय प्रधान मंत्री जी लॉकडाउन समय पर किया था यही कारण है कि यहां पर बचाव हुआ है। मैं आज इनसे पूछना चाहता हूं कि आपकी 60 साल की सरकार रही आपने क्या किया? आज हिमाचल प्रदेश में वैंटिलेटर क्यों नहीं हैं? हिमाचल प्रदेश में 21 वैंटिलेटर थे। आज हिमाचल प्रदेश

सरकार ने वैंटिलेटर खरीदे हैं और 500 सैंटिलेटर माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने हिमाचल प्रदेश को दिए हैं। आज हिन्दुस्तान 50 लाख पी.पी.ई. किट्स हर दिन विदेशों को एक्सपोर्ट कर रहा है। आज अगर हिमाचल प्रदेश में इंडस्ट्री के बारे में पूछा जाता है कि क्या हुआ? हिमाचल प्रदेश में जो इंडस्ट्रीज लगी हैं वह माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय की लगी हैं। जो उन्होंने रिवेट दिया था और जो पॉलिसी बनाई थी उसका यह परिणाम है। इन्होंने तो वह भी 10 साल पहले उसे समाप्त कर दिया था। आज अगर हिमाचल प्रदेश में इंवैस्टर मीट होती है और ease to do business के लिए सतारहवें स्थान से उठकर सातवें स्थान पर पहुंचता है तो वह क्रेडिट जानी चाहिए या नहीं जानी चाहिए? इनके कार्यकाल में भी इंवैस्टर मीट का प्रबंध किया गया था, ये अहमदाबाद, मुम्बई, दिल्ली में इन्होंने यात्राएं की थीं और 87 लाख रुपए उस वक्त खर्चा किया था लेकिन उसका नतीजा क्या निकला? हमने जो भी खर्चा किया होगा उसका नतीजा निकल रहा है। आज अगर कोविड न होता तो देखते कि आज तक क्या हो गया होता। यह सब चीजे इकॉनौमी को रिवाइव करने के लिए हिमाचल प्रदेश में विभिन्न प्रकार के एक्शन इस सरकार ने लिए हैं। आरणीय सुक्खु जी बोर्ड के कर्मचारियों की बात कर रहे थे

08.09.2020/1500/बी0एस0/ए0जी0/-2

उनमें अधिकांश रजिस्ट्रेशन इनके कार्यकाल में हुई है। हमारी सरकार द्वारा डेढ़ लाख से अधिक मजदूरों को तीन किस्ते दो-दो हजार रुपए की दी गई है। इतना ही नहीं किसान समान निधि में माननीय प्रधान मंत्री जी ने दो-दो हजार की किस्तें दी हैं। जिसमें हिमाचल प्रदेश के सवा आठ लाख लोग लाभान्वित हुए हैं। प्रधान मंत्री जी की "जन धन योजना " के तहत हर गृहिणी जानती है कि उन्हें कितना लाभ हुआ है। "उज्ज्वला" योजना के तहत फ्री सिलेंडर दिए गए। हिमाचल प्रदेश सरकार ने भी दिए और केन्द्र सरकार ने भी दिए। मेरा निवेदन है कि इस कोरोना महामारी के समय सही कार्य करना चाहिए केवल सोशल मीडिया के तहत आलोचना करने से महाकारी समाप्त नहीं होगी। सब मिल करके यदि काम करेंगे तो इस महामारी का सामना किया जा सकता है। अगर हमारी माननीय सदस्या रीता धीमान जी संक्रमित हुई हैं तो विपक्ष के माननीय सदस्य लखविंद्र जी भी संक्रमित हुए हैं। यह बीमारी कोई पार्टी नहीं देखती। वह सबके लिए समान है। इस पर हम सब को मिल

करके काम करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश केवल मात्र एक प्रदेश है जहां पर 10 दिनों का सत्र बुलाया गया है बाकी जगहों पर एक और दो दिन का ही सत्र बुलाया गया है। आप जितनी चर्चा करना चाहते हैं हम उसके लिए तैयार है।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

08-09-2020/1505/ए.जी.-एन.जी./1

शहरी विकास मंत्री जारी.....

मेरा विपक्ष के लोगों से निवेदन है कि हैल्दी आलोचना करें और इसके लिए हम हमेशा तैयार भी रहते हैं। उसमें इनके द्वारा दिए गए सुझावों पर अवश्य विचार किया जाएगा और जो करणीय कार्य होंगे हम उन्हें सरकार में लागू भी करेंगे। जैसा माननीय पठानिया जी कह रहे थे कि जब युद्ध की स्थिति होती है तब सभी को मिल कर कार्य करना चाहिए। इसलिए आज चीन के साथ जो तनाव की स्थिति है तो ऐसी स्थिति में हम सब को मिल कर कार्य करना चाहिए। मैं विपक्ष के मित्रों से कहना चाहता हूं कि चीन से किसी भी प्रकार का रिश्ता न रखें जो इन्होंने रखे हुए हैं।(व्यवधान)... इनके राष्ट्रीय अध्यक्ष के फाउंडेशन को चीन से पैसे मिलते रहे हैं उसके बारे में विचार करें। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बालने का समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।(व्यवधान)...

अध्यक्ष : माननीय संसदीय मंत्री जी ने ठीक कहा है कि यह संक्रमण पूछ कर नहीं आता है। माननीय सदस्य श्री लखविन्द्र सिंह जी संक्रमित हुए हैं तो माननीय सदस्या श्रीमती रीता देवी जी भी संक्रमित हुई हैं।(व्यवधान)...

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, संक्रमित तो कोई भी हो सकता है लेकिन कोरोना इन्होंने फैलाया है।(व्यवधान)...

अध्यक्ष : पिछले कल से पक्ष और विपक्ष की ओर से बहुत लम्बी चर्चा हुई है। मेरे विचार में नियम-67 में(व्यवधान)... सुनिए(व्यवधान)... यहां से रूलिंग आ सकती है। इस विषय पर

चर्चा प्रयाप्त हुई है इसलिए अब मैं माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी को(व्यवधान)... आप सब बैठ जाएं। माननीय मुकेश जी आप कुछ कहना चाहते हैं।

08-09-2020/1505/ए.जी.-एन.जी./2

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, यह क्या हो रहा है पहले एक मंत्री फिर दूसरा मंत्री फिर तीसरा मंत्री फिर मुख्य मंत्री, ये क्या मोनोपोली चल रही है? क्या माननीय सदन एक तरफ से चलेगा? आप पहले विपक्ष के किसी सदस्य को बुलवाओ फिर मंत्री जी बोलेंगे।(व्यवधान)...

अध्यक्ष : माननीय सदस्यों से मेरी विनती है कि नियम-67 के तहत पिछले कल से चर्चा हो रही है। मुझे बीच-बीच में रोकना व टोकना भी पड़ा है परंतु आप लोगों ने काफी विषय इस माननीय सदन में रखे हैं।(व्यवधान)... अब माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री माननीय सदन में अपनी बात रखेंगे।(व्यवधान)... आप से मैं आग्रह कर रहा हूं, विनती कर रहा हूं आप सब शांत हो जाएं। आप सभी का विषय आ गया है।(व्यवधान)... इतने विस्तार से चर्चा हुई है।(व्यवधान)... क्या आपको अपने विपक्ष के नेता पर विश्वास नहीं है?(व्यवधान)... आप में से एक व्यक्ति बोलेगा और आप लोग उसका नाम निश्चित कर लीजिए।(व्यवधान)... सिर्फ एक सदस्य(व्यवधान)...

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी....

08/09/2020/1510/MS/AG/1

अध्यक्ष जारी----

...(व्यवधान) सुन्दर सिंह ठाकुर जी, आप दूसरे की सीट पर जाकर न बोलें। आपके नेता प्रतिपक्ष एक व्यक्ति का नाम बताएंगे।...(व्यवधान) बैठिए।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, आपने नियम-67 के अंतर्गत निर्णय लेकर कहा कि इस विषय पर इस सदन में चर्चा करेंगे और दोनों पक्ष इस पर बोलेंगे। जब दोनों पक्षों के बोलने की बात आती है तो स्वाभाविक रूप से पक्ष वालों की संख्या 46 है। इस चर्चा के क्रम में एक

सदस्य पक्ष की तरफ से और एक सदस्य विपक्ष की तरफ से बोल रहा है। हमने इस पर कोई आपत्ति नहीं की और इसलिए आपत्ति नहीं की क्योंकि यह विषय विपक्ष की ओर से मूव हुआ है। अतः हम चाहते हैं कि ज्यादा-से-ज्यादा विपक्ष के माननीय सदस्य इस चर्चा में भाग लें। वैसे पक्ष के भी काफी सारे माननीय सदस्य इस चर्चा में भाग लेना चाहते हैं। लेकिन उसके बावजूद एक व्यवस्था के अनुसार इसकी एक समय-सीमा है। आज की यह बैठक समाप्ति की ओर बढ़ रही है। मैं समझता हूं कि काफी माननीय सदस्यों के मत आ गए हैं। कोविड पर चर्चा होते-होते अब यह चर्चा एक आम चर्चा हो गई है। मेरा इसमें एक निवेदन है कि अगर एक सदस्य वहां से बोले और एक सदस्य पक्ष की ओर से बोले और उसके बाद जवाब हो जाए तो मुझे लगता है कि वह पर्याप्त है। ऐसी व्यवस्था आज से पहले भी इस माननीय सदन में होती रही है। यह ज़रूरी नहीं है कि सभी माननीय सदस्य चर्चा में भाग लें। अध्यक्ष जी, आज यदि सभी माननीय सदस्यों के चर्चा में भाग लेने की बात आती है तो इस चर्चा का जवाब आज संभव नहीं है। इसका जवाब फिर कल ही होगा। अगर आप लोगों को अभी चर्चा में और भाग लेना है तो फिर कल का प्रश्न काल भी ऐसे ही चला जाएगा।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, इस सदन में पहली बार नियम-67 के अंतर्गत चर्चा हो रही है। हम मुख्य मंत्री जी के जवाब को बड़े गौर से सुनेंगे लेकिन आप सभी माननीय सदस्यों को चर्चा में भाग लेने का मौक़ा दे दें और मुख्य मंत्री जी आप इस चर्चा का जवाब कल दे दीजिएगा।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मुझे इसमें कोई आपत्ति नहीं है। अगर सभी लोग चर्चा करना चाहते हैं तो यहां से भी माननीय सदस्य बोलेंगे और विपक्ष से भी बोलेंगे। लेकिन आप लोग यह मानकर चलिए कि फिर इस चर्चा का आज जवाब नहीं आएगा।

08/09/2020/1510/MS/AG/2

अध्यक्ष : मैं एक बात सदन के ध्यान में लाना चाहता हूं। यहां पर संसदीय कार्य मंत्री जी भी मौजूद हैं। यह चर्चा नियमों के अनुसार दो से अढ़ाई घण्टे में समाप्त होती है। नियम-67 के तहत इस चर्चा को स्वीकार किया है और यह चर्चा पिछले कल से चल रही है। इस समय सवा तीन बज रहे हैं। मेरा यह मानना है कि ऐसी चर्चाएं फिर एण्डलैस रहती हैं। अतः इस चर्चा को कहीं-न-कहीं तो विराम देना होगा। इसलिए नेता प्रतिपक्ष से मेरा निवेदन है कि

विषय की गम्भीरता को समझते हुए नियम-67 के अंतर्गत इस पर पिछले कल से चर्चा हो रही है अतः इसको अब समाप्ति की ओर ले जाते हैं। दलील और अपील तो जैसे मर्ज़ी हो लेकिन नियम ऐसा कह रहे हैं।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, चर्चा के लिए दोनों पक्ष सहमत हो गए हैं। मुख्य मंत्री जी का जवाब कल हो जाएगा और आज आप चर्चा पूरी करवा लें।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो अधिकांश बातें चर्चा में रिपीट हो रही हैं लेकिन फिर भी हमने नियम-67 के तहत चर्चा को स्वीकार किया है। मैंने पहले ही कह दिया है कि चर्चा के लिए मुझे कोई आपत्ति नहीं है। माननीय सदन की अगर सहमति होती है तो निश्चित रूप से इस चर्चा को आज आप जारी रखें और जारी रखते हुए इस चर्चा में दोनों पक्षों के लोग भाग लेंगे। लेकिन 5.00 बजे अपराह्न बैठक समाप्त होकर फिर कल नये सिरे से इस पर चर्चा होनी चाहिए। वास्तव में जैसे अध्यक्ष महोदय ने कहा कि नियमानुसार इस चर्चा के लिए अढ़ाई घण्टे समय का प्रावधान है। हालांकि मैंने नियमों को स्टडी नहीं किया है लेकिन फिर भी उसके बावजूद जैसा आपने कहा, तो हम उस समय-सीमा से बहुत आगे निकल गए हैं,
जारी जे0के0 द्वारा----

08.09.2020/1515/JK/AS/1

मुख्य मंत्रीः----जारी-----

क्योंकि पिछले कल भी हमने इसी में चर्चा की और आज भी हमने पूरा दिन इसी में चर्चा की है। यह जनहित का विषय है, लोकहित का विषय है और यही सोच करके इस विषय को इस माननीय सदन में चर्चा के लिए आपने स्वीकृत किया है। ऐसी परिस्थिति में मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मुझे लगता है कि अगर सबकी सहमति है तो इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

अध्यक्षः श्री राकेश जम्वाल जी इसमें कुछ बोलना चाह रहे हैं।

श्री राकेश जम्वालः माननीय अध्यक्ष जी, हमारी तरफ भी अभी बहुत सारे लोग बोलने वाले हैं। मुझे लगता है कि यह चर्चा कल भी खत्म नहीं हो पाएगी। अभी तो हमारे यहां पर बहुत सारे सदस्य बोलने वाले हैं। यह चर्चा आज तो समाप्त नहीं हो पाएगी और कल भी सारा दिन इसमें लग जाएगा।

अध्यक्षः माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी कुछ कहना चाह रहे हैं।

संसदीय कार्य मंत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदन के नेता और विपक्ष के नेता दोनों ने सहमति व्यक्त की है कि आज चर्चा हो जाए और कल फिर माननीय मुख्य मंत्री जी इसमें अपना ज़वाब देंगे। कल फिर प्रश्नकाल नहीं होगा। क्योंकि जब तक चर्चा कम्पलीट नहीं होती है तब तक प्रश्नकाल नहीं हो सकता है। प्रश्नकाल के टाइम 11.00 बजे कल मुख्य मंत्री जी जवाब देंगे। आज जिन-जिन माननीय सदस्यों ने बोलना है, वे अपना-अपना नाम माननीय अध्यक्ष महोदय को दे दें।

अध्यक्षः जैसे कि माननीय सदन के नेता ने और संसदीय कार्य मंत्री जी ने विषय रखा है कि आज शाम 5.00 बजे तक इस चर्चा को खत्म कर लें, आपके ध्यानार्थ मैं एक बात लाना चाहता हूं कि दो दिनों से जो प्रश्न लगने थे, वे नहीं लगे हैं।

08.09.2020/1515/JK/AS/2

बहुत से शासकीय/प्रशासकीय काम इसके कारण दो दिनों से बिल्कुल नहीं हुए हैं। इन विषयों को गहराई से समझने की जरुरत है। अगर माननीय सदन की सहमति हो तो हम 5-5 मिनट के लिए, यानि 5 से 6 मिनट नहीं होंगे। श्रीमती आशा कुमारी जी, आप लोगों की ही बारी है। हमें भी यह ध्यान में रहता है। ठीक है, संख्या के हिसाब से दो सदस्य यहां से और एक सदस्य वहां से बोलेगा। जगत सिंह नेगी जी, क्या आप बोल रहे हैं कि तीन सदस्य यहां से बुलवाने हैं। ठीक है, ऐसा कर लेंगे। अब श्री इन्द्र दत्त लखनपाल जी चर्चा में भाग लेंगे। सभी माननीय सदस्य 5 मिनट का ध्यान रखें।

08.09.2020/1515/JK/AS/3

श्री इन्द्र दत्त लखनपालः (बड़सर)ः माननीय अध्यक्ष महोदय, पिछले कल विपक्ष के नेता, श्री मुकेश अग्निहोत्री जी ने जो नियम-67 के अन्दर कोरोना महामारी के चलते कुप्रबधंन के ऊपर प्रस्ताव लाया है, मैं उस पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, काफी चर्चा और परिचर्चा पक्ष व विपक्ष ने इस सन्दर्भ में की है। पूरे देश व प्रदेश में जो वातावरण आज पैदा किया गया है और एक पिक्चर पूरे देश व प्रदेश में प्रचारित व प्रसारित करने की कोशिश की जा रही है कि जितनी भी इस महामारी के खिलाफ लड़ाई लड़ी जा रही है, वह केवलमात्र भारतीय जनता पार्टी की तरफ से लड़ी जा रही है, यह ठीक नहीं है। आज देश तानाशाही की ओर बढ़ रहा है और वही हालात हमारे प्रदेश के भी हैं।

श्री एस.एस. द्वारा जारी----

08.09.2020/1520/SS-DC/1

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल क्रमागत :

आज ब्यूरोक्रेटिक सिस्टम में विधायकों का जो इंस्ट्रियूट है वह कितना असफल हुआ है और उसको कितना असफल कर दिया है यह सोचने और चिन्ता करने वाली बात है। सारे इश्यु कोरोना से संबंधित हैं। यहां पर पक्ष की तरफ से बार-बार यह कहा गया कि विषय के ऊपर चर्चा नहीं कर रहे हैं। ये जितने भी विषय उत्पन्न हुए हैं वे कोरोना की वजह से ही उत्पन्न हुए हैं और इसकी गम्भीरता में जाना चाहिए। हम लोग कोई बात करते हैं तो आप उसको कांग्रेस पार्टी से जोड़ देते हैं। यहां कुछ लोगों ने कहा कि हमने अपने-अपने क्षेत्रों में कोरोना की लड़ाई के लिए एन0जी0ओ0 और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के माध्यम से लोगों की सेवा की है। लेकिन आप एक तरफी पिक्चर क्यों पेश करना चाहते हैं? कांग्रेस पार्टी के विधायकों व कार्यकर्ताओं ने जो काम किया है उसको भी आप देखें। आपने उसको देखा है। ऐसा नहीं है कि आप नावाकिफ़ हैं। लेकिन आप जानबूझकर कांग्रेस पार्टी को इंगित करते हैं कि कोरोना की लड़ाई में उसने कुछ नहीं किया है। यह सरासर गलत

है। हमारे राजेन्द्र राणा जी ने काम किया, हमने किया। सर्वश्री सुन्दर ठाकुर, रायजादा जी, विक्रमादित्य जी, मुकेश अग्निहोत्री जी और सभी विधायकों ने अपने-अपने सामर्थ्य के अनुसार काम किया। आपने हमारी सैलरी काटने की बात कही, वह हमने दी। आपने और फंड्स जनरेट करने की बात की तो हमने अपने लोगों के माध्यम से एस0डी0एम0 के पास पैसे जमा करवाए। कौन कहता है कि हमने काम नहीं किया? एक जो वैश्विक महामारी है उसमें हमने कंधे-से-कंधा मिला कर चाहे प्रदेश की बात हो या देश की बात हो, उसमें कांग्रेस पार्टी ने आगे बढ़कर काम किया है। यह अलग बात है कि देश और प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकारों ने हमारे कदमों को रोकने की कोशिश की है। जगह-जगह पर उन्होंने हमारे लोगों पर एफ0आई0आर0 दर्ज की। केस दर्ज किये, काम करने नहीं दिया। आप बोलते हैं कि हमने इतने मास्क बांट दिये, महिला मंडलों ने इतने मास्क बनाएं, हमने भी मास्क बंटवाये। हमने भी मास्क बनवाए, हमने भी अपनी जेब से पैसा खर्च किया, लोगों की सेवा की और इसमें किसी ने अहसान नहीं किया। अगर आपने भी काम किया तो आपने भी कोई अहसान नहीं किया। हमने वक्त की नज़ाकत को देखते हुए देश के प्रधान मंत्री ने जब इस देश में ऐलान किया कि लॉकडाउन लगना है तो हमने उसका पूरी तरह

08.09.2020/1520/SS-DC/2

पालन किया। उन्होंने जब कहा कि थाली बजाओ तो हमने थाली बजाई। उन्होंने कहा कि दीये जलाओ तो हमने भी दीये जलाए। लेकिन यह कहना कि यह सब यशस्वी प्रधान मंत्री जी ने किया और किसी ने कुछ किया ही नहीं तो यह सरासर गलत है। जहां पर हमने काम किया, उसकी आपको बात रखनी पड़ेगी। उसके लिए आपको हमें भी शाबाशी देनी पड़ेगी। आपने काम किया है हम आपको भी शाबाशी देंगे। लेकिन यह बात कहना कि सारा काम भारतीय जनता पार्टी ने किया, आपके लोगों ने किया, अरे भाई आप लोग सरकार में बैठे हैं आपकी जिम्मेवारी बनती है। आप यह बताईये कि आपने एक बार सर्वदलीय बैठक करने के बाद इस कोरोना महामारी के समय में आज तक जितनी अधिसूचनाएं जारी की हैं उसकी कितने विधायकों को सूचना दी। यह आप अपने अधिकारियों से पूछिये। आपने जो निर्णय लिये, क्या उसकी सूचना विधायकों को दी? किसी विधायक को कुछ नहीं बताया गया चाहे वह पास बनाने की बात हो, चाहे राशन वितरित करने की बात हो। ऐसा भी समय आया जब मजदूरों को यहां से बाहर भेजने की बात थी तो हमने अपनी जेब से पैसा

खर्च किया। बसें बुक की और उनको उनके गंतव्य तक पहुंचाया। हमने माननीय मुख्य मंत्री जी के संज्ञान में भी लाया। मैं धन्यवाद करना चाहूंगा कि इन्होंने हमारे फोन को अटैंड किया। हम इस बात से इंकार नहीं करते हैं। जो इनके करने का काम था, वह इन्होंने किया होगा लेकिन कुछ मजबूरियां भी रही होंगी। परन्तु जहां पर राजनीतिक दृष्टि से आप लोग सारा श्रेय अपने को लेने की कोशिश कर रहे हैं वह सच्चाई नहीं है। इसमें कांग्रेस पार्टी ने भी चाहे देश की बात हो, प्रदेश की बात हो, हर नेता ने जनता के साथ जुड़कर काम किया है। हमने अपने इलाके में इस कोरोना महामारी के समय में कम-से-कम 50 लाख रुपया खर्च किया है चाहे वह राशन बांटने की बात हो या चाहे सैनिटाइजर बांटने की बात हो। आज अव्यवस्था की बात देखिये। आप हॉस्पिटल्ज़ में जाईये। क्वारंटीन सैंटर में जाईये, आप देखिये कि आपके स्वास्थ्य संस्थान में जितने भी अधिकारी हैं, निचले स्तर से लेकर सी0एम0ओ0 स्तर तक उनमें कोई तालमेल नहीं है।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप कृपया वाइंड अप करें।

08.09.2020/1520/SS-DC/3

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल : हमीरपुर मेडिकल कॉलेज के जो डॉक्टर हैं वे काले बिल्ले लगाकर काम कर रहे हैं। आप उनकी व्यथा जानिये। आशा वर्कर्ज़ की आपने छुट्टियां बंद कर दीं, वे दिन-रात काम कर रही हैं। उनके लिए आपने 500 रुपये बढ़ा दिये तो क्या उनको बहुत बड़ा तगमा दे दिया? आप बोलते हैं कि हमने यह कर दिया, वह कर दिया। वास्तव में कुछ भी नहीं किया है। जो करने की चीज़ें थीं उनको अभी भी करिये। क्वारंटीन सैंटरों में कीड़े वाला खाना मिल रहा है। आप वहां जाकर देखिये, उनकी पशुओं से भी बुरी हालत है जिस प्रकार से उनको क्वारंटीन सैंटरों में रखा जा रहा है।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप कृपया वाइंड अप करें।

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल : फिर आप कहते हैं कि हमने बहुत कुछ किया। जो क्वारंटीन सैंटर्स आपने बनाए, प्राईमरी स्कूलों में आपने लोगों को पशुओं की तरह रखा। उनको कीड़े वाला पानी पीने के लिए मजबूर किया। इसके बारे में कौन जवाब देगा?

जारी श्रीमती के0एस0

08.09.2020/1525/केएस/डीसी/1

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल जारी--

अध्यक्ष महोदय, ये सारी बातें हैं आप इसको राजनीतिक रंग न दे कर अगर महामारी से लड़ाई लड़नी है, आप हमें आगे करिए, हम आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे लेकिन अगर आप एक तरफा फैसले लेंगे तो विरोध होगा। सड़कों पर भी होगा और सदन में भी होगा। अध्यक्ष महोदय, आपने समय दिया, बातें तो बहुत कुछ करने को थीं, आज भी मेरे चुनाव क्षेत्र में लगभग 1000 बेरोज़गार लोगों का डाटा मेरे पास है। होटल इंडस्ट्री से जो लोग बेरोज़गार हो कर घर में बैठे हैं, होटल के मालिक उनको पांच-पांच महीने से तनख्वाह नहीं दे रहे हैं, उनके बारे में कुछ नीति बनाएं। उसका डाटा इकट्ठा कीजिए। केवल खाली बातें करने और एक-दूसरे की तारीफ करने से काम नहीं चलेगा, आपको गम्भीरता से सोचना पड़ेगा । हमारे समाज में सरकार की क्या ज़रूरत है, उसके बारे में सोचिए और सही तरीके से चलिए एक लोकतांत्रिक व्यवस्था को लागू कीजिए। ब्यूरोक्रेटिक सिस्टम के ऊपर लगाम लगाइए तब जा कर हम कहेंगे कि आपने कुछ काम किया है। अध्यक्ष महोदय, समय की कमी है, बहुत कुछ बोलने का था, आपने समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

8.09.2020/1525/केएस/डीसी/2

अध्यक्षः अब माननीय सदस्य कर्नल इन्द्र सिंह जी चर्चा में भाग लेंगे।

कर्नल इन्द्र सिंह (सरकाघाट): अध्यक्ष महोदय, जो प्रस्ताव नियम-67 के अंतर्गत नेता प्रतिपक्ष ने इस सदन में लाया है, मैं उस पर चर्चा के लिए खड़ा हुआ हूं। आपने समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय, कोरोना संक्रमण एक विश्वव्यापी बीमारी है और यह हमारे लिए भी एक बहुत बड़ी चुनौती है। समय की मांग है कि संकट की घड़ी में पार्टी लाइन से ऊपर उठकर हम सब एक जुट हो कर इसका सामना करें । जिस नैगेटिविटी के साथ, तथ्यों से हटकर

विपक्ष ने अपने विचार रखे, वह थोड़ा चिंता का विषय है। मैं समझता हूं कि विपक्ष के माननीय सदस्यों को अपना माइंड सैट काफी हद तक चेंज करने की आवश्यकता है।

अध्यक्ष महोदय, इस महामारी को कंट्रोल करने के लिए हमारे मुख्य मंत्री जी की अप्रोच human centric रही है। जितने भी कदम इस महामारी को कंट्रोल करने के लिए प्रदेश में उठाए गए हैं, उसका केन्द्र बिन्दू एक मात्र ह्यूमैन लाइफ सुरक्षित रहे, यह माननीय मुख्य मंत्री जी की सोच रही है जो काबिले तारीफ़ है। यही सोच माननीय प्रधान मंत्री जी की भी रही है । जहां तक इकॉनोमी की बात है, economy is coming back on recovery. इसमें कोई शक नहीं है। हमारी इकोनॉमी में डैप्थ है, resilience है। ह्यूमैन रिसोर्स जो देश की बड़ी ताकत है, उसको बचाना मैं समझता हूं कि हमारी पहली प्राथमिकता है। इसीलिए समय पर इस देश में लॉक डाउन किया गया और उसकी वजह से इस महामारी के न फैलने में हमें मदद मिली है और हम मुख्य मंत्री जी का भी धन्यवाद करते हैं कि इन्होंने समय रहते प्रदेश में भी लॉक डाउन किया जिसके अच्छे रिज1ल्ट्स हमारे सामने हैं। विपक्ष के कुछ लोग कह रहे हैं कि लॉक डाउन समय से पहले हो गया और कुछ कहते हैं कि समय के बाद हुआ, मैं समझता हूं कि यह समय पर हुआ है और अगर आप तुलना करें तो हिन्दुस्तान में जिस ढंग से

08.09.2020/1525/केएस/डीसी/3

इस प्रबन्धन को किया गया और यू.एस.ए. में जिस ढंग से किया गया, जहां economy centric approach रही है और हिन्दुस्तान में जैसे मैंने कहा यहां ह्यूमैन सैंट्रिक अप्रोच रही है। अगर दोनों की तुलना करें तो जो प्रबन्धन हमारे देश और प्रदेश में हुआ है, वह बहुत बढ़िया हुआ है। यू.एस.ए. की आबादी 32 करोड़ है और हिन्दुस्तान की आबादी 137 करोड़ है । आप जानते हैं कि यू.एस.ए. एडवांस कंट्री है और हमारी डवैल्पिंग कंट्री है। वहां हर प्रकार की सुख-सुविधा अवेलेबल है । चाहे हैल्थ सैक्टर लें या कोई ओर सैक्टर लें। हमारे देश में कमियां हैं, हमारी डवैल्पिंग कंट्री है लेकिन कोरोना की वजह से यू.एस.ए. में 1 लाख 92 हजार के करीब मौतें हुई हैं और हिन्दुस्तान में केवल 70-71 हज़ार हुई हैं।

यू.एस.ए. का डैथ रेट 3.19 परसेंट है और हिन्दुस्तान का डैथ रेट 1.76 परसेंट है तो किसका प्रबन्धन ठीक रहा है? हिन्दुस्तान का प्रबन्धन ठीक रहा है या अमेरीका का ठीक रहा है? आपको यह मानना पड़ेगा कि जिस तरीके से यहां पर लॉक डाउन लगा, समय पर लगा है और हमारे प्रदेश में भी समय पर लगा है। हमें दुख है कि हमारे 55 लोग कोरोना की वजह से मर गए लेकिन हमारा डैथ रेट 0.58 परसेंट है। आपको इसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी की सराहना करनी चाहिए, जो अप्रोच रही है, उसकी सराहना करनी चाहिए, मैं ऐसा समझता हूं।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

8.9.2020/1530/av/hk/1

कर्नल इन्द्र सिंह---------- जारी

कोई कहता है कि प्रदेश में तो टैस्टिंग की सुविधा ही नहीं है। इस समय प्रदेश में हमारे पास लगभग 8 टैस्टिंग लैब हैं और उनमें 2000 की कैपेसिटी से टैस्ट हो रहे हैं। टाइमली लॉकडाउन की वजह से देश को अपना इंफ्रास्ट्रक्चर इम्प्रूव करने के लिए बहुत समय मिला है। अगर हमने लॉकडाउन नहीं किया होता और अमेरिका की तरह खुला छोड़ दिया होता तो हमारी भी वही हालत होती जो अमेरिका तथा इटली की है। वहां पर सड़कों पर लाशें पड़ी हुई दिखती हैं मगर यहां पर समय पर लॉकडाउन लगाकर परिस्थिति को कंट्रोल किया है। दिनांक 1 अप्रैल, 2020 तक देश में केवल 151 टैस्ट लैब्ज थीं जबकि आज देश में लगभग 1623 टैस्ट लैब्ज हैं। मैं पी0पी0ई0 किट्स, वैंटिलेटर, एन095 मास्क की पोजिशन के बारे में भी कहना चाहता हूं। पहले हमारे देश में प्रति वर्ष लगभग 62 लाख पी0पी0ई0 किट्स बनते थे मगर आज इनकी संख्या 21 करोड़ हो गई हैं और यह काम माननीय प्रधान मंत्री जी की सही अप्रोच की वजह से हुए हैं। पहले देश में 3360 वैंटिलेटर थे जबकि आज देश की वैंटिलेटर बनाने की कैपेसिटी 3.14 लाख प्रति वर्ष हो गई है। पहले देश में 1.30 करोड़ एन095 मास्क बनते थे जबकि आज हमारी 15 करोड़ बनाने की

कैपेसिटी हो गई है। ये सब कैसे सम्भव हुआ? ये सब कुछ प्रोपर सोच, अच्छी नीति तथा समय पर लॉकडाउन लगाने की वजह से हुआ है। हमें केंद्र ने 500 वैंटिलेटर दिए और पहले हमारे पास केवल 127 वैंटिलेटर थे। मैं समझता हूं कि आज हमारे प्रदेश में 627 वैंटिलेटर उपलब्ध हैं और इसके अतिरिक्त प्रदेश को केंद्र सरकार से 1.60 लाख पी0पी0ई0 किट मिलीं जिसके लिए हम केंद्र सरकार को धन्यवाद करने के साथ-साथ माननीय मुख्य मंत्री जी की सही अप्रोच की भी सराहना करते हैं। केंद्र सरकार से हमें लगभग 3 लाख एन0 95 मास्क मिले हैं। कोरोना के प्रभाव को कम करने के लिए और लॉकडाउन की वजह से लोगों को जो कठिनाइयां हुई हैं उससे निकलने के लिए केंद्र सरकार ने देश को 20 लाख करोड़ रुपये का जो पैकेज दिया है यह बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। इस राशि से आम जनता को कोरोना के कारण हुई कठिनाइयों से रिलीफ मिलेगा। माह अप्रैल, 2020 से लेकर के नवम्बर, 2020

8.9.2020/1530/av/hk/2

तक 80 करोड़ गरीब जनता को आटा, चावल और एक दाल मुफ्त में दी गई ताकि कोई भूखा न रहे। इसके अतिरिक्त गरीब महिलाओं के लिए 3 गैस सीलैंडर मुफ्त में दिए हैं जिससे लगभग 8 करोड़ महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि 8.70 लाख किसानों को हर महीने 2000 रुपये की किश्त दी जा रही है। इसी तरह से मनरेगा की मज़दूरी भी 182 रुपये से बढ़ाकर 202 रुपये कर दी गई है। ये सारी व्यवस्थाएं गरीबों की मदद के लिए केंद्र सरकार ने की है। इसके साथ ही, केंद्र सरकार ने प्रधान मंत्री गरीब कल्याण योजना का निर्माण भी किया जिसके तहत 43 करोड़ लोगों को लगभग 70000 करोड़ रुपये का लाभ मिला। इसके तहत गरीबों, किसानों, विधवाओं और विकलांगों के लिए वित्तीय सहायता मिली है। हमारे प्रदेश में दिनांक 1 मई, 2020 तक केवल एक संक्रामक मरीज़ था। आप सबकी मांग के मुताबिक माननीय मुख्य मंत्री जी ने विदेशों व देश के दूसरे राज्यों से लगभग ढाई लाख लोगों को हवाई जहाज, बसिज व ट्रेनों के माध्यम से इस प्रदेश में लाया। इस तरह से माननीय प्रधान मंत्री जी और माननीय मुख्य मंत्री जी ने

इस महामारी के दौरान देश व प्रदेश की जनता को बहुत सारी सुविधाएं प्रदान की हैं। अंत में मैं यही कहना चाहता हूं कि केंद्र से हमें अब तक लगभग 2930 करोड़ रुपये, 37 हजार मीट्रिक टन राशन और 2.60 लाख गैस सीलैंडर उज्ज्वल योजना के तहत मिले हैं। इस तरह से मुझे लगता है कि प्रदेश को बहुत कुछ मिला है और उसको हमने ऑपरचुनिटी में बदला है। हमें जो सैट बैक मिला है उससे हमने लैसन लिया है इसमें चाहे डिफैंस सैक्टर की बात कीजिए या किसी और सैक्टर की बात कीजिए। लेकिन आज देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है।

श्री टी सी द्वारा जारी

08.09.2020/1535/टी0सी0वी0/वाई0के0-1

कर्नल इन्द्र सिंह .... जारी

हर आदमी आज टैक्नोलॉजी का फायदा उठा रहा है। ये इसकी एक देन है। माननीय अध्यक्ष महोदय, अंत में, मैं यह कहना चाहता हूं कि कोविड-19 चाहे कितनी बड़ी रुकावट हो लेकिन माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी की विकास यात्रा को वह रोक नहीं सकती।

इन्हीं शब्दों के साथ, अध्यक्ष महोदय, आपने समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

08.09.2020/1535/टी0सी0वी0/वाई0के0-2

अध्यक्ष : अब इस चर्चा में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री भाग लेंगे।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय नेता विपक्ष द्वारा जो प्रस्ताव चर्चा में नियम-67 के तहत लाया गया है, उस पर चर्चा में भाग लेने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं। आपने समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। कोविड-19 जब से देश, दुनिया और प्रदेश में फैला है तब से लगातार इसके खिलाफ लड़ाई लड़ी जा रही है। हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कोविड-19 के खिलाफ जो कदम उठाए हैं, उसके कारण देश को ही नहीं पूरी दुनिया को एक दिशा मिली है और वे एक वैश्विक लीडर के रूप में उभर कर सामने आये हैं। इसके साथ ही हमारे प्रदेश के यशस्वी मुख्य

मंत्री, श्री जय राम ठाकुर जी ने पुरी मुस्तैदी के साथ दिन-रात कोरोना वायरस से उत्पन्न होने वाली स्थितियों पर पैनी नज़र रखते हुए समय के अनुसार जो-जो निर्णय लेने पड़े, वे निणर्य लिए और प्रदेश की जनता को इस कोरोना वायरस से मुक्त रखने के लिए भरपूर प्रयास किए। जिसके परिणामस्वरूप आज हिमाचल प्रदेश इस कोरोना वायरस से काफी हद तक बचा रहा है। हालांकि कुछ संक्रमण के मामले हुए हैं लेकिन जिस मात्रा में अन्य प्रदेशों में संक्रमण फैला है, उस अनुपात में हिमाचल प्रदेश आज फिर भी सुरक्षित है। इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश के अंदर माननीय मुख्य मंत्री जी ने बहुत सारे प्रयास किए जिसके कारण आज हिमाचल प्रदेश की जनता उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा कर रही है। नेता प्रतिपक्ष के द्वारा जो प्रस्ताव यहां रखा गया और उस पर जो चर्चा यहां लाई गई उसमें कई प्रकार से यह प्रयास किया गया कि सनसनी फैलाई जाये लेकिन वास्तविकता से हटकर इन्होंने जो चर्चा यहां पर रखी, जैसे कहा कि राशन महंगा कर दिया और प्रदेश की जनता के ऊपर राशन का बोझ डाल दिया, ये सारी बातें तथ्यों से परें हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि राशन के बारे में जो चर्चा माननीय नेता प्रतिपक्ष ने यहां की है, उसके बारे में मैं कहना चाहूंगा कि किसी प्रकार का बोझ जनता के ऊपर नहीं डाला गया। जिन बी.पी.एल. और अंत्योदय के लोगों को राशन मिल रहा है, उनकी संख्या 6,78,000 हैं। हमारे प्रदेश के अंदर जो अत्यंत गरीब लोग हैं,

08.09.2020/1535/टी0सी0वी0/वाई0के0-3

उनके ऊपर किसी भी प्रकार का बोझ नहीं पड़ा है। जिन लोगों की आय अधिक है या टैक्स देते हैं, उनके ऊपर सरकार ने निर्णय लिया है और ऐसे समय में निर्णय लिया है जब देश और प्रदेश एक संकट से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में हमारे जो ए.पी.एल. कार्ड होल्डर हैं, उनकी सब्सिडी खत्म नहीं की गई है बल्कि उनकी सब्सिड कम की गई है। जैसे दालों में हिमाचल प्रदेश सरकार सब्सिडी 30 रुपये दे रही थी, वह अब 10 रूपये कम की गई है। ऐसे ही चीनी में 6 रुपये और तेल में 5 रुपये कम किए गए हैं। बाकी आटा, चावल

और गेहूं पर जो सब्सिडी भारत सरकार की ओर से हिमाचल को दी जा रही है उसमें किसी भी प्रकार की कोई कटौती नहीं की गई है।

श्री आर0के0एस0 द्वारा जारी ...

08.09.2020/1540/RKS/YK-1

माननीय खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री... जारी

जो आयकरदाता हैं उनके संबंध में सरकार ने निर्णय लिया था कि उनको इस सुविधा से वंचित रखेंगे। लेकिन अब इसमें संशोधन करते हुए आयकरदाताओं को भी डिपूओं से राशन लेने की अनुमति दी है। जो भारत सरकार द्वारा चावल, आटे पर सब्सिडी दी जाती है, वह इन करदाताओं को पहले की तरह मिलती रहेगी। लेकिन जो प्रदेश सरकार दाल, चीनी और तेल पर सब्सिडी देती थी यह सब्सिडी उनको नहीं मिलेगी। यह सारी चीजें उनको उसी दर पर डिपूओं के माध्यम से मिलेगी जिससे उनको ओपन मार्किट की तुलना में 6, 8 या 10 रुपये फायदा होगा। जो बातें फैलाई जा रही है कि डिपूओं में राशन मंहगा कर दिया, यह सरासर झूठ है। आज हमारा प्रदेश संकट के समय से गुजर रहा है और इस समय सभी लोग अपना योगदान दे रहे हैं। इस संकट के समय अधिक आय वाले लोगों को भी अगर सुविधा मिलती है तो इसमें कोई बुराई नहीं है। इस प्रदेश के संचालन के लिए इन लोगों का भी काफी योगदान है। एक वर्ग आयकरदाता का है और दूसरा वर्ग अत्यंत निर्धन व्यक्तियों का है, अगर आयकरदाता भी वही सब्सिडी लेता है तो इन दोनों वर्गों में क्या अंतर रह गया? मैं इस सदन में यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि सरकार ने यह निर्णय कोविड-19 के तहत लिया है। चाहे लोगों को बाहर से लाने की बात हो, चाहे कोविड सैंटर्ज में व्यवस्थाओं की बात हो, इन सब चीजों के प्रयास किए गए हैं और किए जा रहे हैं। केवल हिमाचल प्रदेश ही एक ऐसा प्रदेश है जहां कोराना मरीजों की देखभाल स्वयं प्रदेश सरकार कर रही है। बाकी प्रदेशों में कोई किसी को नहीं पूछ रहा है यह मैं दावे के साथ कह सकता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का समय दिया आपका धन्यवाद।

08.09.2020/1540/RKS/YK-2

अध्यक्षः माननीय मंत्री जी आपने निर्धारित समय पर अपनी सारी बात रखी, आपका धन्यवाद। अब डॉ0 (कर्नल) धनी राम शांडिल इस चर्चा में भाग लेंगे।

डॉ0 (कर्नल) धनी राम शांडिलः माननीय अध्यक्ष महोदय, नियम-67 के अंतर्गत नेता प्रतिपक्ष ने जो चर्चा इस सदन में आरंभ की थी इसमें भाग लेने के लिए मैं भी खड़ा हुआ हूं। Before I come to the subject, there is a small submission that कभी-कभी हमें किसी उद्देश्य के लिए ज्यादा काम भी करना पड़ जाए तो उससे घबराना नहीं चाहिए। Because we all have come with purpose. I am quoting about the 13th Lok Sabha that is in the year of 1999-2000, स्वर्गीय प्रमोद महाजन जी इस दुनिया में नहीं हैं। वे रात के दो बजे तक काम करवाते थे जिसमें देश के प्रधानमंत्री स्वयं भाग लेते थे। इसलिए हमें अगर कभी ज्यादा काम करना पड़ जाए तो हमें उससे घबराना नहीं चाहिए। इसी सदन में नेता प्रतिपक्ष ने पूर्व में कोविड के दृष्टिगत एक चेतावनी दी थी और ऐसी चेतावनी शायद पार्लियामैंट ऑफ इंडिया में भी दी गई थी। लेकिन इस चीज पर कोई गौर नहीं किया गया और मैं समझता हूं कि इसका कुप्रभाव अब धीरे-धीरे देखने को मिल रहा है। मैं कोई आरोप नहीं लगा रहा हूं। Some time we must heed to the suggestions even given by the lowest of lowly in a society or anywhere else. मैं यहां पर यह भी कहना चाहूंगा कि अगर माननीन डोनाल्ड ट्रम्प की जो भारत यात्रा हुई थी उसे रोक देते और मध्य प्रदेश की सरकार को बाद मे गिरा देते, क्योंकि उन्होंने गिराना ही था, तो इस संक्रमण को रोकने में काफी फायदा होता।

श्री बी.एस. द्वारा.... जारी

08.09.2020/1545/बी0एस0/वाई0के0/-1

डॉ0(कर्नल) धनी राम शांडिल जारी...

तो मैं समझता हूं कि इस संक्रमण पर काफी रोक लगी होती। यह मेरा आकलन है।। am sure all are agree with this. मेरा विश्वास है कि इस देव भूमि हिमाचल प्रदेश में हम बहुत सुरक्षित रहे हैं और अब भी हैं। इसके लिए माननीय सदस्यों ने बात कही है कि श्वेत पत्र होना चाहिए या कार्य की जानकारी दी जानी चाहिए। यदि माननीय मुख्य मंत्री जी ने इतना साफ और स्वस्थ कार्य किया है तो श्वेत पत्र देने में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। हमारे पास कितना फंड था किस प्रकार से हमने कार्य किया और किस प्रकार से उसका खर्चा हुआ है। यह सब बातें लोगों के सामने आनी चाहिए। लॉकडाउन के समय में यह प्रशंसनीय कदम था कि पूरे तंत्र ने मिलकर कार्य किया और निर्देशों का पालन हुआ। यहां तक की मैंने भी स्वयं भांपा और जिन नौकरशाहों ने अच्छा कार्य किया मैंने उन्हें अपने पत्र से सम्मानित किया है, यह चीज आगे भी रहनी चाहिए। धीरे-धीरे जब सावधानी घटी और हमने दूसरे प्रदेशों से लोगों को लाना आरंभ किया तो स्थिति थोड़ा बिगड़ गई। यह भी देखा गया कि संक्रमित लोग ट्रकों में छिप करके यहां पहुंचे और हमारे बीच में आ गए। Col. Inder Singhji said that these 59 deaths could have been avoided, I also feel so. हमारे प्रदेश में जब एक-दो मृत्यु हुई थी तो उस वक्त हमने इन मामलों को बहुत गंभीरता से लिया था और वे नहीं होनी चाहिए थी। क्वारंटीन केन्द्रों की बहुत चर्चा हुई है और सचमुच में मैंने एक-दो जगह देखा है वहां स्थिति चिंताजनक है। हमारे पास मैडिकल यंत्र पर्याप्त मात्रा में आज भी नहीं हैं। यह ठीक है कि हमें केन्द्र से भी मदद मिली है और हमने कोशिश भी की है परंतु आज भी अगर हम सच कहें कि अचानक हमें कोई जांच करनी हो तो उसकी सुविधा हमारे पास नहीं है। हमें जापान और कोरिया से सीखना चाहिए। वहां बच्चों को अगर थोड़ा सा जुकाम और खांसी भी हो जाए तो उन्हें मास्क का प्रयोग करवाया जाता है और वह उनकी आदत में होता है। आपने देखा होगा कि इन दोनों देशों में इस संक्रमण का असर कम हुआ है। माननीय अध्यक्ष महोदय, आप तो स्वयं स्वास्थ्य मंत्री रह चुके हैं आपको इसका ज्यादा ज्ञान है। मैं किसी पर कोई टीका-टिप्पणी नहीं करना चाहता परंतु कई बार हमें बड़े ध्यान से देखना चाहिए और सामाजिक दूरी को भी बनाए रखा जाना चाहिए।

08.09.2020/1545/बी0एस0/वाई0के0/-2

यदि अनुशासन की कमी कहीं पर भी नजर आती है तो उसे हमें सुधारना चाहिए। उसी के कारण ये चीज ज्यादा हो रही है। आप चाहे तबलिकी की बात लें या अन्य कार्यक्रमों को ले

लें, अगर हम शारीरिक दूरी ठीक से रखें तो इससे लाभ होगा। मैं जानता हूं कि जो स्वास्थ्य विभाग में गड़बड़ियां हुईं वे नहीं होनी चाहिए थीं। इन बिंदुओं पर भरपूर तरीके से ध्यान आकर्षित हो चुका है। मेरा मानना है कि हमें अगला कदम उठाना चाहिए। जो आवश्यक है वह है कि कौन सा रोडमैप हम बनाएं। हमारा चाहे पर्यटन है, चाहे कृषि है, बेरोजगारी है, मंहगाई है, we are at the lowest. The GDP of the country is minus 23.9 which never happened. किसी के प्रशंसा या अप्रशंसा का तालुक नहीं है। It's a question of our countries economy. Regarding education of children, ऑन लाइन समस्याएं, कल का भविष्य अच्छा हो। इसके लिए हमें बड़े ध्यान से इन बातों को देखना होगा। अध्यक्ष महोदय, समय बहुत कम है और विषय बहुत गंभीर है। I feel that we must remember what we are going to leave behind in the traces of our time or the contribution for our coming generations, it is our children education. We were very happy.

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

08-09-2020/1550/ए.जी.-एन.जी./1

डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल जारी.....

माननीय मुख्य मंत्री जी ने अपने व्यक्तित्व के अनुरूप एक बहुत अच्छा फैसला लिया था। जैसा की माननीय सदस्यों ने बताया that MLALAD Scheme was made. हमें भी बहुत खुशी हुई कि पौने दो करोड़ रुपये हैं परंतु वह सारे वहीं रहे गए और फ्रीज करने पड़े। मैं जानता हूं कि इस दौरान आप सभी लोगों ने अपने पास से धन दान किया और भी बहुत कुछ किया। It is very appreciable.

अध्यक्ष : माननीय कर्नल साहब कृपया वाइंडअप करें।

Dr. (Col.) Dhani Ram Shandil: Mr. Speaker, Sir, through you, I urge upon the Hon'ble Chief Minister to please revive the MLA fund. अंत में मैं एक प्वाइंट बोलना

चाहता हूं कि माननीय मुख्य मंत्री जी किसी-न-किसी प्रकार से सभी माननीय विधायकों को बुलाएं और हमें आगे क्या करना चाहिए यह राय सभी से लें। यहां बैठे सभी माननीय सदस्य बहुत होनहार हैं। मैं समझता हूं कि किसी का विधायक बनना गौरी शंकर पर्वत को पार करने के समान है। दोनों पक्षों के विधायकों से जब राय लेंगे तो कुछ अच्छा निकल कर आएगा। जैसे माननीय सदस्य श्री इन्द्र सिंह जी ने कहा, I also subscribe to that view. That is my last point. You gave me very valuable time. Thank you so much. Jai Hind.

08-09-2020/1550/ए.जी.-एन.जी./2

अध्यक्ष : अब इस चर्चा में माननीय सदस्य श्री किशोरी लाल जी भाग लेंगे।

श्री किशोरी लाल (आनी) : अध्यक्ष महोदय, नियम-67 के अन्तर्गत विपक्ष के नेता श्री मुकेश अग्निहोत्री जी ने कोविड-19 का जो विषय लाया है मैं उस पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, इस देश के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी और प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी ने कोरोना महामारी को रोकने के लिए बहुत से बेहतरीन कार्य किए हैं जिसके लिए हम पूरे प्रदेश की जनता की तरफ से बहुत-बहुत धन्यवाद करते हैं। विपक्ष के माननीय सदस्यों ने जो यहां पर टिप्पणी की है वह बहुत निंदनीय है। विपक्ष के नेता ने तो यहां तक कह दिया कि प्रदेश की जनता को खून के आंसू रुलाए गए हैं। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि जब हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी इस कोरोना महामारी से निपटने के लिए प्रयास कर रहे थे तब आप कहां थे? माननीय मुख्य मंत्री जी ने समय रहते ही प्रदेश की सीमाओं को सील कर दिया था और सभी स्कूल, कॉलेज व धार्मिक संस्थानों को भी बंद कर दिया था। इसके अलावा जो लोग प्रदेश से बाहर रहते थे और प्रदेश में आना चाह रहे थे उनके लिए हमारी सरकार ने सम्पूर्ण व्यवस्था की तथा 2.5 लाख से अधिक लोगों को प्रदेश में वापिस लेकर आए। मेरे विधान सभा क्षेत्र में भी लगभग 2500 लोगों को अन्य राज्यों से वापिस लाया गया है। जिसके लिए हम सब माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करते हैं। कोरोना काल के दौरान केन्द्र सरकार की तरफ

से प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को तीन किस्तों में 6000 रुपये की राशि प्राप्त हुई है। जिन गरीब लोगों के जनधन योजना के तहत खाते खोले गए थे उन खातों में भी 1500 रुपये की राशि केन्द्र सरकार द्वारा डाली गई है। इसके अलावा उज्जवला योजना के अन्तर्गत गरीबों को तीन सिलेंडर निःशुल्क प्रदान किए गए हैं। इन सब के लिए हम माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का धन्यवाद करते हैं।

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

08/09/2020/1555/MS/AG/1

श्री किशोरी लाल जारी-------

और जितना राशन अभी कोविड-19 के समय इस प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री जी के प्रयासों द्वारा लोगों को मिला है, उतना कभी नहीं मिला है। एडवांस में राशन मिल रहा था और किसी चीज की कोई कमी नहीं थी।

जहां तक मेरे आनी विधान सभा क्षेत्र की बात है, हमने वहां पर जैसे ही लॉकडाउन हुआ तो मुख्य मंत्री राहत कोष और प्रधान मंत्री राहत कोष में लगभग 35,000,00/-रुपये जमा करवाए। इसके अलावा 3500 लोग जो आनी विधान सभा क्षेत्र में काम कर रहे थे जो कि बाहर से आए हुए मज़दूर थे, उनको राशन किट बांटी। इसी तरह से आनी विधान सभा क्षेत्र में लगभग 1,26000 मास्क बांटे गए हैं। मैंने स्वयं भी लगभग 5000 मीटर कपड़ा मास्क हेतु खरीदा था और कपड़े को गांव-गांव में बांटा था। हमने आनी विधान सभा क्षेत्र के निरमण्ड और दलाश में कोविड केयर सेंटर खोले ताकि लोगों को किसी तरह की कोई समस्या न हो। मैं इस प्रदेश के मुख्य मंत्री और सभी मंत्रियों का धन्यवाद करता हूं कि इस महामारी को रोकने के लिए उन्होंने बहुत से सराहनीय कार्य किए हैं।

यहां पर विशेष रूप से राकेश सिंघा जी ने बात की कि सेब की फसल के लिए समय रहते प्रबंध नहीं किया गया। इसमें मैं यह कहना चाहता हूं कि इस साल पहली बार पूरे प्रदेश के अंदर मुख्य मंत्री जी के सहयोग ...(घण्टी) और आशीर्वाद से सेब की फसल के लिए उचित प्रबंध किए गए हैं और बाहर से जितने भी आढ़ती लोग आ रहे थे उनको रहने की उचित व्यवस्था की गई तथा बागवानों को इस दफा सेब के सबसे अच्छे दाम मिले हैं। इसके लिए हम मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करते हैं।

विपक्ष ने यहां पर बहुत सारी बातें रखी हैं। मैं इनसे यह कहना चाहता हूं कि इतनी बड़ी महामारी से देश और प्रदेश जूझ रहा है, आप लोग छः महीनों से कहां थे? इन्होंने कौन सा काम किया है? मुझे लगता है कि इन्होंने उस समय भी कोई काम नहीं किया है।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, समाप्त कीजिए।

श्री किशोरी लालः जिस तरह से हिमाचल प्रदेश के लोकप्रिय मुख्य मंत्री ने इस कोरोना काल के समय में काम किया है, उसके लिए मुख्य मंत्री जी को बैस्ट मुख्य मंत्री का अवार्ड दिया गया है। इसके लिए मैं पूरे प्रदेश के लोगों

08/09/2020/1555/MS/AG/2

की ओर से मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं। जो यहां पर इस प्रस्ताव को चर्चा हेतु स्वीकृति प्रदान की है, उसके लिए भी प्रदेश के मुख्य मंत्री जी का मैं धन्यवाद करना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, आपका धन्यवाद।

08/09/2020/1555/MS/AG/3

अध्यक्ष : अब इस चर्चा में माननीय सदस्य, मोहन लाल ब्राक्टा जी भाग लेंगे।

मोहन लाल ब्राक्टा (रोहड़ू) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे इस चर्चा में भाग लेने के लिए समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया समय का ध्यान रखें ताकि सभी को बोलने का मौक़ा मिले।

मोहन लाल ब्राक्टा (रोहड़ू) : अध्यक्ष महोदय, मैं समय का बिल्कुल ध्यान रखूंगा। सबसे पहले मैं मुकेश अग्निहोत्री जी जो कि विपक्ष के नेता हैं, उनको तथा साथ ही दूसरे माननीय सदस्य जिन्होंने नियम-67 के अंतर्गत यहां चर्चा लाई, बधाई देना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपका भी धन्यवाद करना चाहता हूं कि आपने सभी माननीय सदस्यों को इस चर्चा में भाग लेने का मौक़ा दिया।

अध्यक्ष महोदय, वैसे तो मुझ से पूर्व-वक्ताओं ने, खासकर हमारे विपक्ष के सदस्यगणों ने इस विषय पर काफी विस्तृत चर्चा कर दी है लेकिन फिर भी मैं संक्षेप में कुछ कहना चाहता हूं। मैं सब्जैक्ट मैटर से बाहर नहीं जाऊंगा।

अध्यक्ष महोदय, जब यह कोरोना काल शुरू हुआ तो शुरू में जो लॉकडाउन लगा, उस शुरू-शुरू के लॉकडाउन में जो लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, वह बड़ा दर्दनाक रहा है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि,
जारी जे0के0 द्वारा----

08.09.2020/1600/JK/AS/1

श्री मोहन लाल ब्राक्टाः------जारी------

शुरू में जो लॉक डाउन लगा था, उस लॉक डाउन से शुरू-शुरू में लोगों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, वह समय बड़ा दर्दनाक रहा है। उस समय लोग रोते थे,क्योंकि कइयों के बच्चे बाहर थे, कोई मुम्बई में, कोई दिल्ली में और कई दूसरी जगहों में थे लेकिन ई-पास मिल नहीं रहा था। जैसे कि यहां पर बताया गया कि जब ऑनलाइन ई-पास के लिए अप्लाई करते थे तो वह रिजैक्ट हो जाता था। यहां तक कि मैं कई बार खुद कंसर्ड अधिकारियों से बात करता था कि फ्लां पास बनाओ, फिर भी नहीं बनता था। यहां तक की पर्सनल तौर पर भी गया तब भी नहीं बनता था। मेरा कहने का मतलब यह है कि इन सारे मामलों में सरकार विफल रही है। यहां पर हैल्थ स्कैम की बात आई, सैनेटाइज़र स्कैम भी आप लोगों के सामने है, उसमें ज्यादा बोलने की आवश्यकता नहीं है। आई.जी.एम.सी. के प्रिंसिपल को वहां से बदलना, ये सभी बातें आपके सामने हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं यहां पर जो बात करना चाहता हूं वह बागवानों से सम्बन्धित है। जैसे की हमारा सेब सीज़न पीक पर होने जा रहा था। हम कुछ लोग माननीय मुख्य मंत्री जी से मिले। हमने माननीय मुख्य मंत्री जी से आग्रह किया कि सेब सीज़न आने वाला है, हमें लेबर्ज़ की दिक्कत आएगी। साथ-ही-साथ जो लदानी सेब खरीदने वाले हैं, इस महामारी की वज़ह से उसमें भी दिक्कत आएगी। अगर यहां पर लदानी नहीं आएंगे तो आप

सरकारी स्तर पर सेब खरीदने का प्रबन्ध करें। हमें मुख्य मंत्री जी से आश्वासन मिला कि लेबर का इन्तज़ाम सरकार करेगी। यह बात समाचार-पत्रों में भी आई। माननीय मुख्य मंत्री जी के बयान आए कि सरकार मज़दूरों को अपने खर्चे पर लाएगी परन्तु जब लेबर की बारी आई तब सरकार कहने लगी कि इसका का प्रबन्ध आप अपने आप करो, अपने खर्चे पर करो। उसके बाद बागवानों ने अपने स्तर पर लेबर का इन्तज़ाम किया और फिर सरकार ने कहा कि

08.09.2020/1600/JK/AS/2

कोरेन्टाइन के लिए जगह भी आप स्वयं देखो। फिर उनके लिए बागवानों को जगह भी खुद ही देखनी पड़ी। बागवानों के पास इतनी ज्यादा अकमोडेशन नहीं थी तो कई जगह 8-8 लोग रहे और एक ही कमरे में रहे। उससे क्या हुआ कि जितनी भी हमारी लेबा आई, वे सारे-के-सारे पोज़िटिव निकले, इसमें भी सरकार फेल हुई।

अध्यक्ष महोदय, मैं रोहड़ू सब्जी मण्डी की बात करता हूं, जहां पर आजकल सेब सीज़न चला हुआ है। एक दिन वहां पर मैं इन्सपैक्शन के लिए चला गया। वहां पर सरकार की ओर से कोई इन्तज़ाम नहीं था। वहां न सेनेटाइज़र का प्रबन्ध था, न मास्क आदि का कोई प्रबंध था, न ही कोई सोशल डिस्टैंसिंग और न कोई टैस्टिंग का इन्तज़ाम था। मैंने उनसे पूछा कि क्या सरकार की ओर से यहां पर कोई इन्तज़ाम है। उन्होंने कहा कि कुछ इन्तज़ाम नहीं है। जो बाहर से लदानी आ रहे हैं, ट्रक ड्राइवर्ज़ आ रहे हैं, उनके बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि कोई रोक-टोक नहीं है वे आ रहे हैं और जा रहे हैं, इससे तो महामारी और बढ़ेगी। मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि जैसे कि अभी पक्ष के लोगों ने तारीफ की कि हमारी सरकार ने इस दौरान इतना अच्छा काम किया है। ऐसा लग रहा है कि being the Members of the Ruling Party, they are bound to praise the Government. मैं हकीकत आपको बता रहा हूं कि ऐसी दिक्कतें कई आई हैं। इसके अलावा रोहड़ू, रामपुर, ठियोग, चौपाल और जुब्बल-कोटखाई में कहीं भी कोविड-19 सेन्टर नहीं खुला है। रोहड़ू में एक खोला है, वह भी सिविल हॉस्पिटल की पुरानी बिल्डिंग के साथ एक नई बिल्डिंग बनने जा रही है, जो कि अण्डर कन्सट्रक्शन है, उसका अभी तक उद्घाटन भी नहीं हुआ है, उसमें अभी बहुत काम करने को है। जब मैंने इस बारे में प्रशासन से बात की तो उसमें

कोई भी सुविधा नहीं थी। वहां पर न तो वेंटिलेटर, न ही कोई दूसरी सुविधाएं हैं और न वहां पर लाइट है लेकिन बाद में उन्होंने थोड़ा-बहुत काम किया। ...(व्यवधान) विनोद कुमार जी, मैंने आपसे इस बारे में कोई डिटेल नहीं लेनी है और न ही मैंने आपसे कुछ सीखना है। अध्यक्ष जी, जब मैं वहां पर गया तो मैंने उनसे कहा कि इस सैंटर को यहां पर न खोलो, कहीं दूसरी जगह पर खोलो।

अध्यक्षः माननीय सदस्य अब आप प्लीज़ वाइंड अप कर दें।

श्री एस.एस. द्वारा जारी----

08.09.2020/1605/SS-AS/1

श्री मोहन लाल ब्राक्टा क्रमागत :

अंत में माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरी जानकारी के अनुसार हमारे भारत के जो गृह मंत्री हैं और भारतीय जनता पार्टी के दूसरे बड़े नेता हैं उन लोगों को भी सरकारी अस्पतालों में विश्वास नहीं है। वे भी अपना इलाज प्राइवेट हॉस्पिटल्ज में करवाने गए। इससे क्या पता लगता है कि आपकी जो सरकार है चाहे वह केन्द्र की है या प्रदेश की है, कोविड-19 बीमारी से रिलेटिड जो भी प्रॉब्लम्ज़ आई हैं उनके समाधान में हर एंगल पर फेल हुई है। यही मैं कहना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ मैं अंत में एक बार फिर आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

08.09.2020/1605/SS-AS/2

अध्यक्ष : अब इस चर्चा में श्री जीत राम कटवाल जी हिस्सा लेंगे। माननीय सदस्य महोदय, आप कृपया समय का ध्यान रखें।

श्री जीत राम कटवाल (झण्डुता) : अध्यक्ष महोदय, नियम-67 के अंतर्गत इस माननीय सदन में जिस विषय पर चर्चा हो रही है उसके ऊपर बोलने के लिए आपने मुझे भी वक्त दिया, उसके लिए मैं आपका आभार व अभिवादन करता हूं। कोविड-19 वैश्विक महामारी के नाम से जो एक हादसा पूरे विश्व के सामने आया है जिसमें पूरे संसार में 195 कंट्रीज में

से 183 कंट्रीज प्रभावित हुई हैं और इतिहास की सबसे बड़ी मोबेलाइजेशन जो कहें वह पूरे विश्व में अब तक की यही एक घटना है जोकि रिकॉर्डिड है कि इतने आदमी प्रभावित हुए और इतनी इसकी सीरियसनैस आई। इसके ऊपर चर्चा हुई, भारत सरकार ने माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में प्रिंसीपल के तहत एडमिनिस्ट्रेशन किया। इसकी व्यवस्था जो सम्भालनी थी तो उस प्रिंसीपल के अंतर्गत National Disaster Management Authority (NDMA) की अगुआई में हरेक गतिविधि व कार्य को अंजाम देना था। मैं इस बात को मानता हूं कि सरकार एक सबसे बड़ी सशक्त संस्था होती है परन्तु समाज में और भी संस्थाएं हैं उन सभी का योगदान होता है और जैसे सोसाइटी पूरी-की-पूरी इंवोल्व थी तो सभी लोगों ने काम करने का प्रयास किया। मेरा कहना किसी के काम को नज़रअंदाज करना नहीं है। परन्तु इतना जरूर है कि एक अच्छे नागरिक के रूप में बहुत बड़ी विपदा की घड़ी में एक सच्चे वक्तव्य की ओर बढ़ना चाहिए। सच्ची बातें स्वीकार करनी चाहिएं। सिर्फ हल्ला मचाने के चक्कर में शोरोगुल नहीं करना चाहिए। जो व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव आते हैं उनसे पूछिये कि क्या दशा होती है। हम तो यहां बैठकर कुछ भी बोल सकते हैं। आप सब को मालूम है कि अभी तक इस बीमारी का कोई ट्रीटमैंट नहीं आया है और अननॉन वायरस अननॉन परिस्थिति पैदा कर रहा है। इसके लिए कुछ सावधानियां बरतने हेतु लॉकडाउन की ही व्यवस्था थी। वह प्रथम चरण में 3 मई तक हुआ। उसमें मास्क का यूज और सोशल डिस्टेंसिंग थी। हिमाचल सरकार ने भी जैसे ही जनवरी महीने में यह वायरस आया तो हमारे चिकित्सा विभाग ने इसके लिए दिशा-निर्देश जारी किये। 23 मार्च को पहली दफा हिमाचल में लॉकडाउन हुआ। उसके बाद केन्द्र सरकार ने जब पूरे भारतवर्ष में लॉकडाउन किया तो हम सब उसका पालन करते रहे। यह एक अच्छी बात थी, व्यवस्था की बात थी। मेरे कई साथियों ने मामला उठाया कि कुछ लोग छोड़ने थे और कुछ बाहर से लाने थे, यह

08.09.2020/1605/SS-AS/3

बात सही है। भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एक बहुत ही उम्दा काम किया है जिसकी पूरे विश्व में आज तारीफ होती है। एक स्टेज पर आया कि एच0सी0क्यू0 से इसका ट्रीटमैंट हो सकता है वह दवाई पूरे वर्ल्ड में भारत ने भेजी। यह भी एक अच्छा उदाहरण था कि भारतवर्ष की पूछ विश्व स्तर पर हुई। एक अच्छे नेतृत्व की पहचान पूरे विश्व में हुई। इस घड़ी में केन्द्र सरकार ने भी राज्यों के

लिए 20 हजार करोड़ रुपये का पैकेज दिया। आई0आर0डी0पी0 के परिवारों को 5-5 किलो राशन और 3-3 गैस सिलेण्डर मुफ्त में दिये और अभी नवम्बर तक उनको बढ़ाया है। जनधन योजना के अंतर्गत महिलाओं को 500-500 रुपये दिये। मैं मानता हूं कि टूरिज्म और ट्रांसपोर्ट व्यवस्था में एकदम अवरोध स्वाभाविक था। लॉकडाउन किसी एक की वजह से नहीं था,

जारी श्रीमती के0एस0

08.09.2020/1610/केएस/डीसी/1

श्री जीत राम कटवाल जारी-------

लॉक डाउन के जो प्रिंसिपल्ज़ थे, उन्हीं के अंतर्गत पूरी दुनिया में वे गतिविधियां चलाई जा रही थी और श्री जय राम ठाकुर जी ने हिमाचल प्रदेश में इस स्थिति का बहुत अच्छे तरीके से निष्पादन किया जिसके लिए मैं इन्हें बधाई देता हूं। लोगों को दूसरे प्रदेशों से लाया गया जिसके बारे में भी विपक्ष के कई साथियों ने कहा कि कौन सा एहसान कर दिया? एहसान तो कोई नहीं करता परन्तु अगर लाए हैं तो किसी नियम के अंतर्गत, किसी व्यवस्था के अंतर्गत और किसी परिस्थिति के अंतर्गत लाने का तरीका था। कई हमारे साथी बोल रहे थे कि बहुत लेट हो गए और कइयों ने कहा कि बहुत पहले लाया गया। ऐसा नहीं है, आप लोगों को मानना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी ने, जैसे कि आयुष्मान भारत है, यह पूरी दुनिया का सबसे बड़ा प्रोग्राम है। यह सबसे बड़ी मोबलाइजेशन भारतवर्ष में हुई और भारतीय जनता पार्टी ने इसमें अपना योगदान नेशनल लैवल पर दिया है । मैं आपको हिमाचल के कुछ आंकड़े दूंगा 1 लाख 5 हजार पैकेट पूरे राज्य में खाने के बांटे गए। 1 लाख राशन किट्स दी गई। बैनेफिशरी 14 लाख 80 हजार थे जिसमें मज़दूर और गरीब भाई-बहन थे। प्रत्येक घर तक पार्टी पहुंची और साढ़े 26 लाख मास्क पार्टी ने बांटे और उसमें हमारे विधायक भी शामिल थे। आप लोगों ने भी सैलरी दी होगी। विधायकों में मैं और राकेश जम्वाल जी सबसे पहले 2 लाख 10 हजार सैलरी देने वालों में थे और यह हमारी अन्तरात्मा की आवाज़ थी। आपने भी सहयोग दिया होगा, उसकी भी हम प्रशंसा करते हैं।

यह मामला सभी के सहयोग का था, मात्र सरकार का ही नहीं था। प्रधान मंत्री मोदी जी ने प्रत्येक व्यक्ति को इकट्ठा करने के लिए प्रत्येक 14 दिन, 20 दिन बाद अड्रैस किया और सारे देश को इसको फेस करने के लिए एक तरीके से तैयार किया। कोरोना से जो मौतें हुईं, हिमाचल के जो आंकड़े हैं, 7500 के लगभग यहां पर कोविड पोज़िटिव केसिज़ आएं। 5311 केसिज़ रिकवर भी हो गए, 60 लोगों की मृत्यु हुई। इम्युनिटी की बात है। मैनेजीबल स्टेट है, आप लोगों का भी सहयोग होगा परन्तु सरकार को ऐसे तरीके से कहना ठीक नहीं है। अनाप-शनाप बोलना, अनर्गल या दलाल टाइप शब्द प्रयोग करना बहुत गलत बात है।

08.09.2020/1610/केएस/डीसी/2

अध्यक्षः माननीय सदस्य, वाइंड अप करें।

श्री जीत राम कटवालः अध्यक्ष महोदय, जैसे ट्रांसपोर्ट और टूरिज्म की बात हुई। विपक्ष के साथी किराया बढ़ाने की बात करते हैं तो किराया तो बढ़ाना ही पड़ेगा। एक बस में आजकल 3 आदमी जा रहे हैं। कमर्शियल ऑर्गेनाइजेशन्ज़ हैं, फिर भी गवर्नमैंट ने जितना किया, उतना शायद सम्भव नहीं होता। प्रत्येक आदमी ने उसके लिए सहयोग दिया और इस तरह की बयानबाज़ी करने का औचित्य नहीं बनता। यह किसी एक आदमी की क्रिएटिड स्थिति नहीं है। हम सभी लोग इस स्थिति से निपटे हैं। आप लोगों ने भी सहयोग दिया होगा परन्तु इस सदन में इस तरीके से ऊल-ज़लूल बोलना ठीक नहीं है। वीहवान जंगल में भटके हुए बालक की तरह स्टेटमैंट देना या कुछ भी बोलना, उससे बचना चाहिए, मेरा तो यही परामर्श है। अच्छे तरीके से बात करने का मौका था और इतनी भयानक परिस्थिति थी, एक आदमी नहीं सारा विश्व इसमें शामिल है और सारे विश्व को इसमें एक-दूसरे के सहयोग की अपेक्षा है। चीन की परिस्थितियां आई। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी उससे भी अच्छे तरीके से निपट रहे हैं, आप सभी को पता है एक परिवार और एक व्यक्ति की बात नहीं है। एक आम व्यक्ति से उठे हुए व्यक्ति की सोच, निर्णय और क्षमताओं का आकलन है जो कि आप सभी लोगों को करना चाहिए। हमारे मुख्य मंत्री महोदय ने भी काम किया। बहुत बातें हुई लेकिन ये बहुत अच्छे तरीके से इस परिस्थिति से

निपटे। हम लोग इनके साथ थे और आगे भी साथ रहेंगे। इन्हीं शब्दों के साथ, अध्यक्ष महोदय आपका समय लिया, बहुत कम समय मिलता है परन्तु फिर भी आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे उम्मीद है कि इस महामारी से निपटने के लिए हम सभी लोग सक्षम हैं,सक्षम होंगे। धन्यवाद, जय हिन्द।

नैहरिया जी, श्रीमती अ0व0 की बारी में---

8.9.2020/1615/av/ DC/1

अध्यक्षः अब इस चर्चा में माननीय सदस्य श्री विशाल नैहरिया जी हिस्सा लेंगे।

श्री विशाल नैहरिया (धर्मशाला) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे माननीय सदन में नियम-67 के तहत चल रही चर्चा पर बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

पिछले कल से इस माननीय सदन में कोरोना के ऊपर चर्चा चल रही है। कोरोना एक वैश्विक महामारी है और इस महामारी से आज देश व विश्व का आम जनमानस भली-भान्ति परिचित है। लेकिन हम सभी जानते हैं कि यह वायरस चीन से निकलकर पूरे विश्व के देशों में फैला। इस वायरस से बहुत से लोगों की जान भी जा चुकी है। अगर हम इस बीमारी की वजह से वर्ल्डवाइड डैथ रेट देखें तो वह 3.2 प्रतिशत बनता है जबकि भारत में यह 1.7 प्रतिशत है जो कि पूरी दुनिया के मुकाबले बहुत कम है। जब किसी इंसान की मृत्यु होती है तो स्वाभाविक है कि उस परिवार, प्रदेश व देश के लिए वह दुःखमयी समय होता है। कोई नहीं चाहता कि किसी इंसान की मृत्यु हो मगर फिर भी यदि इस वैश्विक महामारी से हुई मृत्यु के वर्ल्डवाइड आंकड़े देखें तो हिन्दुस्तान ने श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एक ऐसी व्यवस्था खड़ी करके दी है जिसकी वजह से कोरोना से हमारे देश में डैथ रेट बहुत कम रहा है। विश्व के अगर विकसित देशों जैसे यू0के0, मैक्सिको, यू0एस0ए0 इत्यादि की बात करें तो वहां पर डैथ रेट 10 प्रतिशत को भी क्रॉस कर चुका था। हिन्दुस्तान में अगर हम हिमाचल प्रदेश की बात करें तो यहां पर मोर्टेलिटी रेट प्वाईंट सात है जिसको शून्य ही माना जा सकता है। हिमाचल प्रदेश में 7000 से ज्यादा कोरोना पोजिटिव मरीज़

आएं जिनमें से अभी तक केवल 55 लोगों की मृत्यु हुई हैं और वे सभी किसी-न-किसी गम्भीर बीमारी से ग्रसित थे। हम लोग उनकी मृत्यु पर भी खेद व्यक्त करते हैं। अगर यहां पर कोरोना की वजह से डैथ रेट देखा जाए तो अन्य राज्यों की भांति यानी अगर हम कांग्रेस पार्टी शासित राज्यों को भी ले लें तो उनके मुकाबले हमारे यहां डैथ रेट बहुत कम है। इसके लिए एक बैस्ट मैकेनिज्म और अच्छा सिस्टम खड़ा करने का श्रेय अगर किसी को जाता है तो माननीय मुख्य मंत्री जी को जाता है। यहां पर बात की जा रही है कि नम्बर ऑफ केसिज बढ़ रहे हैं। अगर आप नम्बर ऑफ केसिज बढ़ने की बात कर रहे हैं तो आप इस चीज को भी

8.9.2020/1615/av/ DC/2

देखिए कि हम प्रतिदिन नम्बर ऑफ टैस्ट भी कितने बढ़ा रहे हैं। अगर नम्बर ऑफ टैस्ट की बात की जाए तो यू0एस0ए0 के बाद हमारा हिन्दुस्तान दूसरे नम्बर पर आता है जिसने सबसे ज्यादा कोरोना टैस्ट किए हैं और उनकी संख्या 4 करोड़ से ज्यादा है। कोरोना एकदम से हमारे हिन्दुस्तान में भी फैला तथा इसकी एंट्री हिमाचल प्रदेश में भी हुई। इस कोरोना से बचने के लिए हमें बहुत कम समय मिला तथा यहां पर रातों-रात इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया गया। हमने यहां पर 25 से ज्यादा डेडिकेटिड कोविड-19 केयर सैंटर बनायें। इसके अतिरिक्त डेडिकेटिड होस्पिटल बनायें। यहां पर जितने भी मरीज़ आए उनको अच्छे से ट्रीट करने के साथ-साथ उनके लिए अच्छी व्यवस्था भी खड़ी की गई। अगर कोरोना के रिकवरी रेट की बात की जाए तो हिमाचल प्रदेश में 72 प्रतिशत से ज्यादा रिकवरी रेट है। यहां पर यह भी कहा गया कि प्रदेश सरकार ने कोरोना के लिए रिलीफ फंड लिया। हिमाचल प्रदेश की जनता ने प्रदेश सरकार पर विश्वास करके यहां पर कोविड के लिए लड़ाई लड़ते हुए कोविड केयर में अपनी तरफ से योगदान दिया है। जनता को विश्वास है कि जय राम ठाकुर जी की सरकार प्रदेश की जनता के लिए भलाई का काम कर रही है। यह जनता का ही विश्वास है जो आज यहां पर करोड़ों रुपये के हिसाब से रिलीफ फंड दिया गया है क्योंकि उन्हें पता है कि यह पैसा प्रदेश की जनता के स्वास्थ्य व

उनकी भलाई के लिए लगेगा। इसके अतिरिक्त यहां पर रोजगार की बात की जा रही है। पूरे विश्व में रोजगार पर मार पड़ी और इसमें गिरावट आई, स्वाभाविक है कि काफी लोगों का रोजगार गया।

श्री टी सी द्वारा जारी

08.09.2020/1620/टी0सी0वी0/एच0के0-1

श्री विशाल नैहरिया .... जारी

परंतु हमारे गवर्नमैंट सैक्टर में कहीं पर भी कोई गिरावट नहीं आई। सरकार ने अपने अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए यथास्थिति व्यवस्था बनाई रखी। माननीय मुख्य मंत्री जी ने इम्प्लॉयमैंट डवलपमैंट के लिए एक मैकेनिज्म डवलप किया और हिमाचल प्रदेश इकलौता एक ऐसा राज्य हैं जहां पिछले एक-डेढ़ महीने में सबसे ज्यादा एग्जाम कंडक्ट करवाए जा चुके हैं। हाल ही में जे.बी.टी. और डी.लिट की परीक्षाएं हिमाचल प्रदेश में ली गई जिसमें 25,000 से ज्यादा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और एक भी विद्यार्थी कोरोना पॉजिटिव नहीं हुआ। ये माननीय मुख्य मंत्री जी की व्यवस्था थी जो 25,000 विद्यार्थियों की परीक्षा कंडक्ट करने के बावजूद भी वहां कोरोना नहीं फैलने दिया। एच0पी0 टैट के अंतर्गत 8 दिन परीक्षाएं चलती रहीं और एक भी विद्यार्थी कोरोना पॉजिटिव नहीं निकला। हम आने वाले दिनों में 13 सितम्बर, 2020 को हिमाचल प्रदेश में एच0ए0एस0 का प्रीलिमिनरी एग्जाम भी कडंक्ट करवाने जा रहे है और हमें पूर्ण विश्वास है कि कोरोना का कोई भी केस वहां पर भी नहीं आएगा। दूर्भाग्यवश जहां पर कोरोना का केस आ रहा है, हम उन लोगों का इलाज करवा रहे हैं। जो कोरोना पेशेंट्स आ रहे हैं, वे भी हमारे समाज का हिस्सा है और उनका इलाज करना, उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी हमारी नैतिक जिम्मेदारी है जिसको हम बखूबी हिमाचल प्रदेश में निभा रहे हैं। ऐसी वैश्विक महामारी से हमें एकता के साथ लड़ना है। मैं माननीय विपक्ष के नेता से भी आग्रह करता हूं कि इसके ऊपर राजनीति न करें। आप कृपया करके अपने शीशों के महलों से बाहर निकलें, जनता के बीच में जाएं और उनकी सेवा करें जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्त्ताओं ने लोगों के बीच में जाकर सेवाएं की हैं। ताकि आने वाले समय में इस लोकतांत्रिक प्रणाली

में लोगों का हमारे ऊपर विश्वास बना रहे। आप लोग आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति छोड़कर एकता के साथ यहां पर कोरोना के लिए लड़ाई लड़ते हुए अपना परिचय दें।

अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे इस विषय पर बोलने के लिए समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

08.09.2020/1620/टी0सी0वी0/एच0के0-2

अध्यक्षः अब इस चर्चा में माननीय सदस्य श्री आशीष बुटेल जी हिस्सा लेंगे।

श्री आशीष बुटेल(पालमपुर) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, नियम-67 के तहत जो एडज़ोर्नमैंट मोशन लाया गया है, मैं आपको बधाई देना चाहता हूं , आपने इसको एक्सैप्ट किया और हमें अलाउ किया। इसके साथ ही मैं नेता प्रतिपक्ष और सभी सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं और खासकर भाजपा के जो माननीय सदस्य दूसरे ओर बैठे हैं, वे बार-बार यह कहते रहे हैं कि यह जो मोशन चर्चा के लिए अलाउ हुआ है, यह इनकी विधायक दल की मीटिंग के बाद अलाउ हुआ है। इसमें सच क्या है, यह पता नहीं लेकिन हम तो आपको बधाई ही देंगे। ये बधाई उन 70 लाख लोगों को जाती है जो सदन के बाहर हैं, यह उनकी जीत है जो यहां पर यह एडज़ोर्नमैंट मोशन अलाउ हुआ है। पिछले बजट सत्र में 8 मार्च, 2020 को नेता प्रतिपक्ष ने कोरोना की गम्भीरता के ऊपर अपनी बात रखी थी और उसके बाद माननीय मुख्य मंत्री जी ने हिमाचल प्रदेश में एडवाइजरी भी जारी की थी लेकिन यदि सबसे पहले उस एडवाइजरी का किसी ने उल्लंघन किया तो वह भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने किया। पावंटा सहिब में 16-17 मार्च, 2020 को आपने एक बैठक रखी। मुख्य मंत्री जी की एडवाइजरी यह थी कि लोग इकट्ठे न हों और यह भी कहा था कि सोशल डिस्टेंसिंग रखें लेकिन जो फोटोज, सोशल मीडिया और अखबारों के माध्यम से बाहर आई, उसमें तो यह लगता था कि इस एडवाजरी की सारी-की-सारी धज्जियां अगर किसी ने उड़ाई है तो वह भाजपा के नेतृत्व ने उड़ाई हैं। उसके बाद सैशन में रिसैस हुआ,

होली का पर्व था, सैंकड़ों लोग आपके घर आते थे लेकिन हिमाचल प्रदेश के लोगों को यह पता था कि कोरोना कितना गम्भीर है। वे अपने घरों से बाहर नहीं निकले, होली का पर्व जितने उत्साह से मनाया जाता था, वह नहीं मनाया लेकिन फिर भी हमारी सरकार सोई रही। उसके बाद यहां पर सत्र दोबारा से शुरू किया गया।

श्री आर0के0एस0 द्वारा जारी...

08.09.2020/1625/RKS/HK-1

श्री आशीष बुटेल जारी.....

और मैं समझता हूं कि उसका एक ही कारण रहा क्योंकि 26 मार्च को मध्य प्रदेश की सरकार का फ्लोर टैस्ट था। मुझे यह कहते हुए भी कोई संदेह नहीं हो रहा कि केन्द्र सरकार की ओर से कोई फोन आया होगा और उन्होंने कहा होगा कि अगर हिमाचल प्रदेश की विधानसभा को बन्द करेंगे तो हमें और विधान सभाओं को भी बन्द करना पड़ेगा तथा मध्य प्रदेश में जो फ्लोर टैस्ट है वह भी नहीं हो पायेगा। इसलिए सबकी सुरक्षा को ताक में रखते हुए हिमाचल प्रदेश सरकार ने फिर भी सत्र का आयोजन किया। लॉकडाउन लगाते समय न यह सोचा गया कि गरीब के लिए राशन की व्यवस्था कहां से की जायेगी। न मरीजों के लिए इलाज़ की व्यवस्था की गई; न एम्बुलैंस की सुविधा थी; न ही कोई ऐसी व्यवस्था की गई थी कि अगर कोविड का कोई रोगी आ जाए तो उसे अस्पताल तक कैसे पहुंचाया जाए? इन सभी चीजों के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई और मेरे विधान सभा क्षेत्र, पालमपुर में भी ऐसा ही हुआ। यह भी पता चला कि जब शिमला में कोविड-19 के कारण मरीजों की मृत्यु हुई तो उनके अन्तिम संस्कार के लिए एम.सी. या प्रशासन ने किस तरह का प्रोटोकोल अपनाया, यह त्रुटियां भी आपके सामने हैं। जो प्रस्ताव हमने प्रस्तुत किया है वह सरकार के कुप्रबंधन पर चर्चा करने के लिए है न की आपकी पार्टी का जो प्रबन्धन था उसके बारे में। यहां पर उपस्थित सत्ता पक्ष के एक भी

सदस्य ने यह नहीं कहा कि हमारी सरकार ने क्या किया? जो भी सदस्य बोलने के लिए खड़ा हुआ उसने सिर्फ यही कहा कि भाजपा ने उनके विधान सभा क्षेत्र में क्या किया। आपने यह बताया कि आपने कितना पैसा अपनी जेब से खर्च किया। आपने यह बताया कि आपकी पार्टी ने राशन की कितनी किटे बांटी। आपने यह भी बताया कि आपने कितने सेनिटाइजर व मास्क महिला-मण्डलों के माध्यम से बंटवाए। लेकिन सरकार ने क्या किया, सत्ता पक्ष के एक भी सदस्य ने इसकी चर्चा इस माननीय सदन में नहीं की। मैं आपको कहना चाहूंगा की यह सिर्फ आपकी ही पार्टी नहीं है, पार्टी हम

08.09.2020/1625/RKS/HK-2

लोगों की भी है, जिन्होंने कोरोना काल में काम किया। आप अगर पता करना चाहते हैं तो पालमपुर के एस0डी0एम0 से पता कर सकतें हैं कि हमने कितना काम किया। पालमपुर की प्रत्येक समाज सेवी संस्था ने, हरेक राजनैतिक दल ने, शायद उसमें आपके दल के भी कुछ लोग हैं और कुछ लोग हमारे दल के भी हैं, उन लोगों ने यह सुनिश्चत किया कि पालमपुर विधानसभा क्षेत्र का कोई भी परिवार भूखा न सोए और यह भी सुनिश्चित किया कि प्रत्येक आदमी तक राशन पहुंचे। सारे कार्य तो राजनैतिक पार्टियों और समाज सेवी संस्थाओं ने किए, सरकार का क्या योगदान रहा, मैं यह जानना चाहता हूं? सरकार ने कितना राशन उपायुक्त कांगड़ा या एस0डी0एम0 पालमपुर के ज़रिये पालमपुर विधानसभा में उपलब्ध करवाया, कितना पैसा उस पर खर्च हुआ, यह सारी जानकारी आप सामने लायें। आपने बाहर के राज्यों में फंसे अपने लोगों को वापिस लाने की बात की, आपने उनके ऊपर कितना पैसा खर्च किया यह आप बतायें? यहां से लेबर क्लास के लोग अपने-अपने प्रदेशों में वापिस जाना चाह रहे थे, आप ने उनकों वापिस भेजने पर कितना पैसा खर्च किया, आप यह भी बतायें? जब यह बात शुरू हो ही गई है, तो मैं अपने सत्ता पक्ष के मित्रों को यह कहना चाहूंगा कि पालमपुर विधानसभा क्षेत्र में 30 लाख रुपये के लगभग का राशन एकत्रित हुआ और वह राशन सभी संस्थाओं के द्वारा एकत्रित किया गया। राशन लोगों तक पहुंचाया गया। उसका श्रेय सरकार को नहीं जाता। सरकार ने यह जरूर किया

कि जो कांग्रेस पार्टी के लोग थे उनको बाहर निकलने से रोका। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि प्रदेश सरकार ने टू-सेट-ऑफ रूल्स के अन्तर्गत काम किया। मैं आपको पालमपुर का उदाहरण देता हूं। वहां पर कहा गया कि एक संस्था काम करेगी और एक संस्था काम नहीं करेगी। ऐसा क्यों हुआ कि एक संस्था तो पका हुआ राशन भी खिला सकती है और एक संस्था राशन भी नहीं बांट सकती? ऐसा क्यों हुआ कि अगर हम कांग्रेस के लोग राशन एकत्रित कर रहें हैं तो वह राशन केवल प्रशासन के द्वारा ही बांटा जा सकता है, वह खुद जाकर नहीं दे सकते। ऐसा सरकार के द्वारा हर जगह किया गया है। मैं सत्ता पक्ष

08.09.2020/1625/RKS/HK-3

के सभी सदस्यो से यह कहना चाहूंगा, आप सभी मेरे मित्र हैं, जो आज आपने बातें इस माननीय सदन में रखी है कृपया करके बाहर लोगों तक न पहुंचायें नहीं तो वह आपको बिल्कुल भी माफ नहीं करेंगे। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि लोगों को दूसरे राज्यों से वापिस लाना था। आप बार-बार विपक्ष पर आरोप लगा रहें हैं कि जो लोग वापिस आने थे उनके लिए कांग्रेस के द्वारा ही दबाव डाला गया कि बॉर्डर खोलो। हमने कहा था कि हिमाचल के लोगों को वापिस लाइये। उनका कोई प्रबन्ध बाहर के प्रदेशों में नहीं किया था।

श्री बी0एस0 द्वारा जारी

08.09.2020/1630/बी0एस0/वाई0के0/-1

श्री आशीष बुटेल जारी...

हमने यह कहीं नहीं कहा कि आप एक ही दिन में 50 हजार परमिट एक ही एंट्री बॉर्डर से दे दो, हमने यह कभी नहीं कहा कि वहां पर कतारे लगा दो और वहां पर काई भी सामाजिक दूरी न रहे। हमने यह आग्रह किया था कि जो बच्चे बाहर पढ़ने गए हैं और जो बेरोजगार हो गए हैं जिनके पास खाने के लिए कुछ नहीं उनको लाने का प्रबंध किया जाए, वह आज भी हम कहते हैं। आपके अभी तक दो सैट ऑफ रुल्ज थे, लास्ट कैबिनेट में आपने उन्हें बदला

है। आपने क्या रुल बनया हुआ था कि अगर प्रदेश में बाहर से कोई पर्यटक आता है तो वह अपना कोविड टैस्ट करवा कर प्रदेश में आ जाए और अगर किसी हिमाचली को आना होता था तो आप उसे अनुमति नहीं देते थे। उनको क्वारंटीन किया जाता था। यह कहां की इंसानियत हुई। यह तो वही बात हुई कि "गैरो पर कर्म और अपनों पर सितंम" यह बात आपने की है।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य कृपया अपनी बात समाप्त करें।

श्री आशीष बुटेल : प्रस्ताव में भ्रष्टाचार की बात आ गई है इसलिए मैं उस पर नहीं बोलूंगा। महोदय, केवल एक मिनट और बोल कर मैं अपनी बात समाप्त करूंगा। मंगाई की आप बात कर रहे हैं कि एच0आर0टी0सी0 का किराया बढ़ाया तो उसे बढ़ाना पड़ता था क्योंकि कम सवारियां उसमें बैठती है, बिजली का बिल आपने बढ़ाया है। कृपया मुझे बताइए कि मंगाई हो गई है तो क्या आपको कोविड का समय ही यह सब करने को मिला था? बेरोजगारी इतनी हो गई है कि आदमी के पास पैसा नहीं है, नौकरी नहीं है उनसे आप बढ़ा हुआ किराया वसूल कर रहे हैं। अगर यह सरकार इतनी संवेदनशील थी तो आपको कम-से-कम छह महीने रुक जाना चाहिए था। आपको यह कहना चाहिए था कि कोई बात नहीं सरकार इस खर्चे को वहन करेगी because it's a welfare State. Like everybody has said that this State is a welfare State so we have to look after our people. It cannot happen that we leave them at the mercy of somebody else. आप सत्ता में है यह आपकी जिम्मेवारी बनती है। महोदय, आत्महत्याओं की बात हुई। आपने कहा कि सब सरकारों में होती है। ऐसे वाक्य सब सरकारों में होते हैं परंतु क्या सरकार ने यह जानने की कोशिश कि इस बार आत्महत्याएं क्यों बढ़ी; किसी ने यह

जानने की कोशिश की कि वे कौन लोग थे? अगर आपने जानकारी हासिल प्राप्त की होती तो पता चलता कि इनमें कई लोग ऐसे थे जिनका रोजगार छिन गया, कई ऐसे लोग थे जो अपने परिवार का पालन-पोषण नहीं कर सकते थे। कई ऐसे थे जिनसे अपनी लोन की किस्त नहीं भरी जा रही थी। उन लोगों ने आत्महत्याएं की हैं। अध्यक्ष महोदय, आपने मेरे

पालमपुर क्षेत्र में मैडिकल क्लेम से संबंधित बहुत सारे मामले निपटाए हैं इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। लेकिन महोदय अभी क्या हुआ है कि सरकारी अस्पतालों में सर्जरी नहीं हुई है और सबने प्राइवेट अस्पतालों में अपने-अपने हिसाब से करवाई हैं। कृपया उनके बारे में भी सोचिए, अगर हो सके तो उनके पैसे को रिफंड किस तरह से कर सकते है उनका पैसा किस तरह से वापिस कर सकते हैं। एक बात और जिसे आप बार-बार कहते हैं कि मोटैलिटी रेट हिमाचल प्रदेश में कम है और भारत में भी कम है यह भी जान लीजिए कि भारत में शायद पूरे विश्व भर में अगर सबसे ज्यादा इम्यूनिटी है वह भारत में है। अगर सबसे वीक स्ट्रेन इस कोविड का है तो वह भारत में है। उसका श्रेय आप लोग मत लीजिए वह श्रेय इक्यूनिटी और वीक स्ट्रेन को दीजिए। मैं इतना ही कहना चाहता हूं आप सबका धन्यवाद।

08.09.2020/1630/बी0एस0/वाई0के0/-3

अध्यक्ष : माननीय सदस्य आपने अपने दूसरे साथियों का समय भी ले लिया है इसलिए मुझे इसकी एडजस्टमैंट करनी पड़ेगी। अब श्री सुरेन्द्र शौरी जी इस चर्चा में भाग लेंगे

श्री सुरेन्द्र शौरी (बंजार): माननीय अध्यक्ष महोदय, नियम 67 के अन्तर्गत जो प्रस्ताव विपक्ष की ओर से आया है उसमें बोलने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं। 24 मार्च को पूरे देश भर में जनता कर्फ्यू लगा और उस वक्त स्थिति बहुत भयावह थी कि पूरे देश के ऊपर एक बहुत बड़ा संकट आ गया है। हम सब को लग रहा था कि भारत की जनसंख्या के अनुपात के अनुसार स्थिति बहुत गंभीर हो जाएगी।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

08-09-2020/1635/वाई.के.-एन.जी./1

श्री सुरेन्द्र शौरी जारी.....

हम धन्यवाद करना चाहते हैं देश के आदरणीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी का जिन्होंने बहुत गम्भीरता और संजीदगी के

साथ पुरे देश व प्रदेश को सम्भाला है। हिमाचल प्रदेश के लोकप्रिय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी ने 70 लाख हिमाचलियों तक पहूंचने के लिए कोरोना काल के आरम्भ में ही एक्टिव केस फाइंडिंग अभियान शुरू कर दिया था। माननीय मुख्य मंत्री जी ने जिस कार्य कुशलता के साथ यह योजना बनाई उसकी प्रशंसा पूरे प्रदेश की जनता द्वारा की गई है। हम सब जानते हैं कि जब कोरोना वायरस प्रदेश के अंदर आया था तब केवल दो स्थानों पर इसकी टैस्टिंग हो रही थी। लेकिन आज प्रदेश में आठ स्थानों पर कोरोना की टैस्टिंग की जा रही है। इस स्थिति में हम सब ने पूरे प्रदेश में बहुत अच्छा काम किया है। जब कभी इस प्रकार की वैश्विक महामारी आती है तो उस समय सभी को एक हो कर कार्य करने की आवश्यकता होती है। लेकिन मुझे लगता है कि विपक्ष के लोग इस परिस्थिति में भी सिर्फ राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं। मैं अपने विधान सभा क्षेत्र की बात करूं तो जब हम दिनांक 24 मार्च, 2020 को वापिस अपने क्षेत्र में गए तो वहां पर पूरा प्रशासन संजीदगी के साथ खड़ा हुआ था। प्रशासन व्यवस्था कर रहा था कि लोगों को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत न आए, लोगों को हम कैसे राहत दे सकते हैं उसके लिए काम किया जा रहा था। कोई भूखा न सोए इसके लिए हर गरीब-मजदूर तक फूड पैकेट के माध्यम से भोजन पहूंचाने की व्यवस्था की गई। मुझे नहीं लगता कि ऐसे समय में भी राजनीति की जा सकती है। यह एक ऐसा कालखण्ड है जब सबको दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर कार्य करना चाहिए। माननीय मुख्य मंत्री जी ने ऐसे समय में बहुत ही गम्भीरता से कार्य किया है। मेरे विधान सभा क्षेत्र के बहुत सारे लोग प्रदेश से बाहर रहते हैं जो लॉकडाउन के कारण अन्य प्रदेशों में फंस गए थे।

08-09-2020/1635/वाई.के.-एन.जी./2

केवल गोवा में ही 400 लोग फंसे हुए थे जिनके परिवार वाले हमें लगातार फोन कर के सम्पर्क कर रहे थे कि हमारे बच्चों को वापिस घर लाने का प्रबंध किया जाए। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं जिन्होंने अन्य प्रदेशों में फंसे सभी लोगों को सकुशल वापिस घर पहुंचाया। मैं अपने विधान सभा क्षेत्र में वापिस घर आए लोगों व उनके

परिवार वालों से मिला तो उन सभी ने प्रदेश सरकार का तहदिल से धन्यवाद किया। अध्यक्ष महोदय, जब अनलॉक शुरू हुआ और लोगों को रोज़गार की आवश्यकता थी तब ऐसे समय में आम जनता व गरीबों की साहयता करने के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने शहरी क्षेत्र में भी मनरेगा योजना को शुरू किया। ग्रामीण क्षेत्र में भी अधिक-से-अधिक लोग आत्मनिर्भर बने और मनरेगा में काम कर सकें इसके लिए माननीय विधायकों के माध्यम से जिलाधीष महोदय द्वारा मनरेगा की अतिरिक्त मदों को स्वीकृत किया गया। इसके लिए हम माननीय मुख्य मंत्री जी का तहदिल से धन्यवाद करना चाहते हैं। ऐसे विकट समय में हमारे बागवान व किसान की फसलें मंडियों तक पहूंच सकें इसके लिए सरकार द्वारा सम्पूर्ण व्यवस्थाएं की गई। कोरोना काल में जनहित के लिए सरकार द्वारा सब कुछ किया गया है लेकिन विपक्ष के लोगों ने केवल राजनीति की है। मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक आहवान पर महिला मोर्चा और स्वयं सेवी साहयता समूहों ने 1 लाख से अधिक फेस मास्क वितरित किए हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व पर विश्वास करते हुए मेरे विधान सभा क्षेत्र के लोगों ने 35 लाख रुपये से अधिक की धनराशि को कोविड-19 फंड में जमा करवाया है। मेरा कहने का अभिप्राय यह है कि प्रदेश की जनता द्वारा जो संभव हो सकता था वह सबकुछ किया गया है।

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

08/09/2020/1640/MS/AG/1

श्री सुरेन्द्र शौरी जारी-------

इस समय हम सभी को एक होने की आवश्यकता है। अभी भी मुझे लगता है कि ख़तरा टला नहीं है। आज हम सब लोगों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर जो प्रदेश के अंदर नये केसिज आ रहे हैं, उनसे निपटना होगा। मुझे लगता है कि हम सब लोगों को एक होकर पूरे प्रदेश के अंदर जो कोरोना के केसिज की संख्या बढ़ रही है, उस पर कैसे नियंत्रण कर सकते हैं, उस बारे में विचार करना होगा। माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस छः महीने के कोरोना काल के दौरान चाहे प्रशासन के अधिकारी हों, विधायक हों या कर्मचारी हों, सबसे

निरंतर संवाद जारी रखा और ये सबका मनोबल भी बढ़ाते रहे। इस कोविड के समय में हम कैसे आम जनता को राहत दे सकते हैं, कैसे प्रदेश के लिए कुछ अच्छा कर सकते हैं, उस नाते इन्होंने काम किया है। उसके लिए हम मुख्य मंत्री जी के आभारी हैं। जो विपक्ष ने नियम-67 के अंतर्गत स्थगन प्रस्ताव लाया है, उस बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि इनको शायद ऐसा लग रहा था कि इस नियम के तहत चर्चा नहीं होगी लेकिन आप अपने ही जाल में फंस गए और आज प्रदेश की जनता इस बात को बखूबी जान चुकी है कि इन छः महीनों के कोरोना काल में सरकार ने बहुत अच्छा काम किया है। हमारे लोकप्रिय मुख्य मंत्री जी ने दिन-रात मेहनत करके जनता को सुविधा देने का काम किया है।

अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

08/09/2020/1640/MS/AG/2

अध्यक्ष : वैसे दोपहर के समय यही निर्धारित हुआ था कि 5.00 बजे अपराह्न तक सदन की इस बैठक को चलाएंगे। अब 5.00 बजने वाले हैं और जितने माननीय सदस्यों ने बोलना था, बोल लिया है। ...(व्यवधान) हमें कहीं-न-कहीं तो कन्क्लूड करना पड़ेगा। अब मैं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि आप इस चर्चा में भाग लें। ...(व्यवधान) स्वास्थ्य मंत्री जी ने भी तो बोलना है। माननीय मुख्य मंत्री महोदय कुछ बोलना चाहते हैं।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, इस सदन में नियम-67 के तहत काफी विस्तार से चर्चा हो गई है। मुझे लगता है कि नियम-67 के तहत जो यह मसला है, यह मूल रूप से स्वास्थ्य विभाग से संबंध रखता है क्योंकि कोरोना स्वास्थ्य विभाग से संबंधित है। लेकिन इसमें आप लोगों ने जो नोटिस दिया है उसमें और भी इशूज जोड़े हैं इसलिए इसका जवाब मुझे देना है। अन्यथा सिर्फ़ कोरोना पर ही चर्चा की अगर आप लोगों ने बात कही होती तो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी ने ही जवाब देना था क्योंकि यह विभाग इनके पास है। इसलिए मेरा निवेदन है कि इस पर स्वास्थ्य मंत्री जी विस्तृत रूप से अपनी बात कहें।

08/09/2020/1640/MS/AG/3

अध्यक्ष : अब माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी चर्चा में भाग लेंगे।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : अध्यक्ष महोदय, ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण (विपक्ष की ओर बोलते हुए), कृपया बैठ जाइए।...(व्यवधान) कुल्लू के सुरेन्द्र शौरी जी बोले हैं। ये जिला कुल्लू के ही तो हैं। (सुन्दर सिंह ठाकुर जी की ओर इशारा करते हुए)। आप इस चर्चा को विधान सभा क्षेत्र तक सीमित मत कीजिए। माननीय मंत्री महोदय आप बोलें।...(व्यवधान)

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : अध्यक्ष महोदय, विश्वव्यापी इस कोरोना महामारी के कारण पूरा विश्व अक्रांत हुआ है,
जारी जे0के0 द्वारा-----

08.09.2020/1645/JK/AG/1

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रीः---------**जारी**-------

और हमारा प्रदेश भी इस बीमारी से अछूता नहीं रहा है। .....(व्यवधान) माननीय सदस्य मुझे आप लिखित में दे दें। .....(व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय मुकेश अग्निहोत्री जी ,सारी बातें इस माननीय सदन में सहमति से होती हैं, जो बातें आपसी सहमति से होती हैं, उन बातों पर आप भी टिक लिया करें। .....(व्यवधान) ठीक है, आप अपोजिशन में हैं। आप लीडर ऑफ अपोजिशन हैं। आपके साथ 5.00 बजे का समय निर्धारित हुआ था। ऐसा नहीं है कि हर बार कोई नया मुद्दा आए.....(व्यवधान)

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रीः माननीय अध्यक्ष जी, इनको दो मिनट दे दीजिए। जो ये मुद्दा रखना चाह रहे हैं, वे रख लें। .....(व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय मुकेश अग्निहोत्री जी, कल से सुझाव ही तो आ रहे हैं। .....(व्यवधान) जो सुझाव दिए जा रहे हैं, वे यहां पर लिखे जा रहे हैं और उनको शामिल किया जा रहा है। माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी कोरोना के विषय में बात करेंगे। कुछ विषय

इसमें और जुड़े हैं उनको कल मुख्य मंत्री जी यहां पर रखेंगे। .....(व्यवधान) जब हम आपसे दो-सवा दो बजे मिले थे, उस समय यह तय हुआ था कि 5.00 बजे तक कन्क्लूड करेंगे। हमने सभी माननीय सदस्यों को कहा कि 6 मिनट बोलें, 7 मिनट बोलें या 8 मिनट बोलें .....(व्यवधान) आप लोगों को उस तरफ से बोलने की इजाज़त है, आप बोल सकते हैं, जो आप बोल भी रहे हैं परन्तु जो बोलना है, उसको आप सोच-समझ कर बोला करिए। .....(व्यवधान) मुकेश अग्निहोत्री जी, आपने सवा 2.00 बजे सहमति दी थी कि हम 5.00 बजे कन्क्लूड करेंगे। यह तो आपने ही कहा था। .....(व्यवधान) आप बैठें और चेयर की डायरैक्शन यह है कि माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी इस चर्चा में हिस्सा लेंगे। आप लोग बैठिए। .....(व्यवधान) माननीय मंत्री जी, आप चर्चा शुरू करें। .....(व्यवधान)

(**कांग्रेस पार्टी के सभी माननीय सदस्यों ने अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर नारेबाजी शुरू की**)

08.09.2020/1645/JK/AG/2

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रीः माननीय अध्यक्ष जी, ये जो विश्वव्यापी कोरोना महामारी है। .....(व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय मंत्री महोदय, आप चेयर को देख कर एड्रैस करें।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, इस महामारी ने पूरे विश्व को अपनी चपेट में लिया है और कोई भी देश इससे अछूता नहीं रहा। इसी कड़ी में हमारा देश भी इससे अछूता नहीं रहा और हमारा प्रदेश भी इससे अछूता नहीं रहा है। निश्चित तौर से यह हमारे प्रदेश व देश के लिए संकट काल है।

श्री एस.एस. द्वारा जारी---

08.09.2020/1650/SS-AS/1

अध्यक्ष : इतने महत्वपूर्ण विषय पर आप (विपक्ष से) स्वास्थ्य मंत्री जी का वक्तव्य सुनना नहीं चाहते इससे पता चलता है कि आप कितने गम्भीर हैं। मैं इस चेयर से यह बात कह रहा हूं। बहुत महत्वपूर्ण विषय है और आप इसको सुनना नहीं चाहते। आपमें कितनी

गम्भीरता है वह इससे पता चलती है। नहीं, मैं आपकी बात को बिल्कुल स्वीकार नहीं करूंगा। माननीय मंत्री महोदय, आप अपनी बात रखें।

(विपक्ष के माननीय सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए।)

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : माननीय अध्यक्ष जी, इस देश को कोरोना मुक्त करना है और देश को कांग्रेस मुक्त भी करना है तथा यह सदन भी अब कांग्रेस मुक्त हो गया है। पूरा विश्व इस महामारी की चपेट में आया और ऐसे देश जिनकी स्वास्थ्य सेवाओं की खूबियों का जिक्र हमारे देश में भी होता था तथा जब वे देश इस चुनौती से दो-चार हुए तो वहां स्थितियां काबू से बाहर हो गईं। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि अगर हमारा देश बचा है तो संबल व सक्षम नेतृत्व के कारण बचा है। सम्माननीय प्रधान मंत्री जी का नेतृत्व और उनका कुशल प्रबंधन और समय रहते जो उन्होंने फैसले किये, जिसके ऊपर चर्चा हमारे सभी सत्तापक्ष के विधायकों ने की है तभी यह देश बच पाया है। उसी कड़ी में मैं कहना चाहूंगा कि उसी नेतृत्व का अनुसरण करते हुए अगर हमारा प्रदेश भी आज बचा है तो उसका श्रेय हमारे सम्माननीय मुख्य मंत्री जी और उनके सक्षम नेतृत्व को जाता है। सभी को साथ लेकर चलने की उनकी भावना को जाता है और जनता की नब्ज पर हाथ रख करके उनके दु:ख-दर्द में शरीक होने की उनकी भावना को जाता है। आंकड़े बड़े स्पष्ट हैं अगर हम गौर करें और हमारे प्रदेश के मामलों की तुलना साथ लगते प्रदेशों से करें तो उत्तराखंड में कंफर्म्ड केसिज़ 25436 हैं और वहां पर 348 डैथ्स हुई हैं। इसी के साथ जम्मू-कश्मीर में 44570 कंफर्म्ड केसिज हैं और कुल 801 डैथ्स हुई हैं। पंजाब में 65583 मामले कंफर्म्ड हुए हैं और 923 डैथ्स हुई हैं। उसी प्रकार हरियाणा में 78773 मामले कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट हुए हैं और 829 वहां पर डैथ्स हुई हैं। एक बिल्कुल छोटा-सा यूनियन टैरिटरी चंडीगढ़ जोकि हमारे प्रदेश के बिल्कुल साथ लगता है वहां पर कुल कंफर्म्ड केसिज 5995 हैं लेकिन 74 डैथ्स हुई हैं। इस महामारी को ले करके अगर आज हमारा प्रदेश बहुत बेहतर परिस्थिति में है तो मैं उसका श्रेय सम्माननीय मुख्य मंत्री जी के कुशल नेतृत्व व प्रबंधन को दूंगा। साथ-ही-साथ कोरोना वॉरियर्ज़ के तौर पर जिन लोगों ने काम

किया, ऐसे हमारे स्वास्थ्य और आयुर्वेद विभाग के कर्मचारी/अधिकारीगण जो इस मुहिम में लगातार सरकार के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर खड़े रहे। पुलिस विभाग और अग्निशमन विभाग के कर्मचारी, हमारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर्ज़, हमारे सफाई कर्मचारी, पंचायत निकाय, नगर परिषद् व नगर-निगमों के चुने हुए प्रतिनिधि और सभी कर्मचारी तथा मैं जिक्र करना चाहता हूं कि अनेक सामाजिक, धार्मिक संगठनों ने भी बढ़-चढ़कर सरकार का सहयोग इस महामारी की चुनौती से निपटने में किया है। मैं मुख्य मंत्री जी को बधाई दूंगा कि आपने समय रहते कुछ ऐसे फैसले किये जोकि केन्द्र के फैसलों से भी पूर्व प्रो-ऐक्टिव हो करके हमारे प्रदेश हित में किये हैं। आज प्रदेश बेहतर स्थिति में है उसका श्रेय उन फैसलों को जाता है। वैसे तो सब अवगत हैं लेकिन मैं यहां उल्लेख करना चाहता हूं कि यह जो रणनीति हमने तय की, वह 6 सूत्रीय रणनीति हमारे प्रदेश ने सम्माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में अपनाई। उसका पहला बिन्दू क्वारंटाइन व इंफैक्शन कंट्रोल है। दूसरा, कंटैक्ट ट्रेसिंग एंड सर्विलैंस है। तीसरा, कोविड की जांच व परीक्षण है। चौथा, क्लीनिकल केयर।.

जारी श्रीमती के0स0

08.09.2020/1655/केएस/एएस/1

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जारी---

पांचवा care of vulnerable populations, छठा आई.ई.सी. एक्टिविटीज़। यानि पूरी जनता को इस चुनौती से उत्पन्न होने वाले खतरों के प्रति जागरूक करना। इसी 6 सूत्रीय रणनीति को ले कर जो सरकार ने कदम उठाए हैं, मैं सदन को उनसे अवगत करवाना चाहता हूं।

सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को क्रमशः दिनांक 23 और 25 जनवरी, 2020 को नोवेल कोरोना वायरस 2019 के सम्बन्ध में निवारक और नियंत्रण निर्देश जारी किए गए। 31 जनवरी, 2020 को आई.जी.एम.सी. शिमला और आर.पी.जी.एम.सी. , टांडा को जांच संग्रह केन्द्र और आइसोलेशन वार्ड बनाने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त उपायुक्तों और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को बड़े पैमाने पर आई.ई.सी. शुरू करने के निर्देश दिए

गए थे। चीन व अन्य कोरोना वायरस प्रभावित देशों से सफर करके आए लोगों को आइसोलेशन करना व उनकी निगरानी करना सुनिश्चित किया गया। धर्मशाला व मैकलोडगंज में हैल्थ आउटपोस्ट की स्थापना 31 जनवरी, 2020 को कर दी गई थी। 104 हैल्पलाइन 24X7 के आधार पर आरम्भ करवाई गई। इसके द्वारा बाहर से आने वाले लोगों के बारे में जानकारी एकत्रित की गई एवं सूचना आदान-प्रदान के लिए एकीकृत नम्बर स्थापित किया गया। हिमाचल प्रदेश एपिडेमिक डिजीज़ कोविड-19 रैगुलेशन 2020 को एपिडेमिक डिजीज़ एक्ट 1897 के अंतर्गत अधिसूचित किया गया। सभी जिलों के उपायुक्तों, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों व पुलिस अधीक्षकों के साथ वी.सी. के माध्यम से लगातार सम्पर्क बनाए रखा। राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों की आवाजाही पर रोक लगाई गई। इनफ्लुएंजा जैसी बीमारियों से ग्रसित सभी मरीजों की जांच हेतु प्रदेश के सभी प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों में फ्लू कॉर्नर्ज़ की स्थापना की गई। सभी स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बचाव के लिए सभी ज़रूरी व्यक्तिगत संरक्षित उपकरण और एन-95 मास्क और सर्जिकल मास्क पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध

08.09.2020/1655/केएस/एएस/2

करवाए गए जिसकी आपूर्ति मुख्यतः भारत सरकार के उपक्रम एच.एल.एल. द्वारा सुनिश्चित की गई। कोविड के मरीजों का दूसरे मरीजों से सम्पर्क रोकने के लिए अलग अस्पताल, ब्लॉक को कोविड के लिए चिन्हित किया गया। क्वारंटाइन के लिए समय-समय पर जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए गए। कोरोन मुक्त हिमाचल एप्लीकेशन के द्वारा होम आइसोलेशन पर निगरानी बढ़ाई गई। कांटैक्ट ट्रेसिंग के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए। एक्टिव केस फाइंडिंग कैम्पेन जो कि एक विशिष्ट कैम्पेन था जो कि सम्माननीय मुख्य मंत्री जी की सोच के कारण हमारे प्रदेश के अंदर आगे बढ़ा । इस केम्पेन के द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा लगभग 70 लाख लोगों की मौखिक स्क्रीनिंग की गई । गांव व शहरी क्षेत्रों में निगरानी हेतु पंचायतों व शहरी स्थानीय निकायों के अधिकारियों/कर्मचारियों व प्रतिनिधियों के माध्यम से निगाह अभियान में होम क्वारंटाइन

को सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई। टैस्टिंग को बढ़ावा देने के लिए 8 RT-PCR कार्यशालाओं की स्थापना की गई। 25 स्थानों पर ट्रू-नेट मशीनों की स्थापना की गई जिनमें से 5 मशीनें जनजातीय क्षेत्रों में स्थापित की गई एवं दो CBNAAT मशीनों द्वारा टैस्टिंग आरम्भ करवाई गई। रैपिड एंटीजन किट द्वारा भी टैस्टिंग करवाई गई। 20 गाड़ियों को सैम्पलिंग Kiosk के रूप में परिवर्तित करके दूर-दराज के क्षेत्रों में सैम्पलिंग के लिए तैनात किया गया।

अध्यक्षः माननीय मंत्री जी, बैठें। अब इस माननीय सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए बढ़ाई जाती है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, समर्पित कोविड केयर सैंटर, समर्पित कोविड केयर हैल्थ सैंटर एवं समर्पित कोविड हॉस्पिटल अधिसूचित किए गए। समर्पित कोविड केयर हैल्थ सैंटर एवं समर्पित कोविड हॉस्पिटल में ऑक्सीजन की सुविधा प्रदान करने के लिए पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन सिलेंडर एवं

08.09.2020/1655/केएस/डीसी/3

मेनिफोल्ड्स की स्थापना की गई। प्रदेश सरकार के आग्रह पर भारत सरकार द्वारा

राज्य को 500 वेंटिलेटर्ज़ उपलब्ध करवाए गए और कोविड-19 का यह दौर शुरू होने से पहले पूरे प्रदेश में जो टोटल वेंटिलेटर्ज़ थे, अगर हम निजी स्वास्थ्य संस्थानों के भी शामिल कर लें तो यह संख्या मात्र 136 थी लेकिन आज प्रदेश के हमारे जितने भी प्रमुख अस्पताल हैं, स्वास्थ्य संस्थान हैं, वहां पर आम आदमियों की सुरक्षा और सेवा के लिए वेंटिलेटर्ज़ उपलब्ध करवाए गए हैं।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

8.9.2020/1700/av/ डी0सी0/1

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री---------- जारी

प्रदेश सरकार के आग्रह पर भारत सरकार द्वारा प्रदेश को 500 ऑक्सिजन कंसंट्रेटर उपलब्ध करवाये गये हैं। कोविड-19 के लिए समर्पित सभी अस्पतालों में इस्तेमाल की जाने वाली दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करवाई गई है। प्रदेश में एक उच्च स्तरीय क्लीनिकल समिति का गठन किया गया है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में कोविड-19 के मरीज़ों के उपचार के लिए समर्पित स्वास्थ्य कर्मियों का प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण सुनिश्चित करवाई गई है। प्रदेश के विभिन्न कोविड संस्थानों में उपचार की पर्याप्तता और परीक्षण हेतु सभी राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालयों में क्लीनिकल समितियों का गठन किया गया जो कि प्रदेश के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में कोविड के मरीज़ों के उपचार पर निरंतर निगरानी रख रही है। कोविड-19 से ग्रसित मरीज़ों को लाने-ले जाने की सुविधा के लिए 47 एन0ए0एस0 108 एम्बुलैंस तैनात की गई। होम आइसोलेशन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए। गैर कोविड-19 बीमारियों से ग्रसित मरीज़ों के उपचार के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए। 600 से अधिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और स्वास्थ्य उप केंद्रों को हैल्थ और वैलनैस सैंटर में उन्नयन किया गया है। ई-संजीवनी ओ0पी0डी0 द्वारा घर बैठे टेली सुविधा के माध्यम से चिकित्सा परामर्श प्रारम्भ किए गए हैं। आशा कार्यकर्ताओं को कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान योगदान को ध्यान में रखते हुए मार्च माह से जून माह तक 1000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की है जिसे बढ़ाकर जुलाई माह में 2000 रुपये कर दिया गया है। कोविड-19 महामारी के दौरान प्रदेश सरकार द्वारा मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित बीमारियों से निपटने और सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए ऑनलाइन उपचार और परामर्श सेवा आरम्भ की गई है।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर हमारे विपक्ष के सदस्यों द्वारा बढ़ती हुई आत्महत्याओं के बारे में चिंता ज़ाहिर की गई है। मैं इसमें यह कहना चाहूंगा कि हो सकता है कि कोरोना वायरस के कारण पूरे विश्व व हमारे देश के अंदर कुछ ऐसी परिस्थितियां निर्मित हुई हों क्योंकि

8.9.2020/1700/av/ डी0सी0/2

लॉकडाउन के कारण लोगों को न केवल शारीरिक आघात पहुंचा है बल्कि मानसिक आघात भी पहुंचा है। इसके कारण काफी लोगों की नौकरी चली गईं और विद्यालय बंद हो गये। पारिवारिक आय में कमी, व्यापार में मंदी इत्यादि के कारण लोगों में चिंता, मानसिक तनाव और डर का माहौल बना है। सामाजिक दूरी एक किस्म से शारीरिक दूरी न रहकर मानसिक दूरी का रूप ले चुकी है। परिवारों का एक साथ घूमना, आपस में मिलना और बच्चों का दोस्तों के साथ मिलना, कोविड में संलिप्त स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों का अपने-अपने परिवारों से दूर रहना मानसिक तनाव का एक मुख्य कारण बन चुका है। लेकिन इन सब कारणों से और इसके निवारण हेतु सरकार सजग थी तथा इसके लिए सरकार ने पर्याप्त कदम उठाये हैं। यहां पर सरकार द्वारा उठाये गये कदमों की चर्चा करना मैं अपना कर्तव्य समझता हूं। कोविड महामारी के दौरान ई-संजीवनी के माध्यम से मनोरोग चिकित्सकों द्वारा लगातार मानसिक स्वास्थ्य रोगों का उपचार एवं विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं का निदान किया जा रहा है। प्रदेश में स्थापित की गई प्रणाली के अनुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य उप केंद्रों में कार्यरत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अब ई-संजीवनी पोर्टल के माध्यम से आई0जी0एम0सी0 शिमला, डॉ0आर0पी0जी0एम0सी0 टाण्डा और लाल बहादुर शास्त्री मैडिकल कॉलेज नेर चौक, मण्डी स्थित हब में स्पेशेलिस्ट एवं सुपर-स्पेशिलिस्ट चिकित्सकों से सलाह करके मरीजों को उच्चतम सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इस प्रणाली के तहत अब तक 454 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 307 स्वास्थ्य उप केंद्र जुड़ चुके हैं। ई-संजीवनी के माध्यम से मानसिक रोगों व समस्याओं से संबंधित परामर्श विशेषज्ञ मनोचिकित्सकों द्वारा किया जा चुका है। यह परामर्श मनोचिकित्सा विभाग आई0जी0एम0सी0, शिमला और लाल बहादुर शास्त्री मैडिकल कॉलेज नेर चौक, मण्डी द्वारा किया जा रहा है।

ई-संजीवनी ओ0पी0डी0 के अंतर्गत घर बैठकर मरीज़ चिकित्सा संबंधित सलाह एवं परामर्श राज्य के मैडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ चिकित्सों से प्राप्त

कर सकते हैं। इस ऐप को मोबाइल पर डाउनलोड करके इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके द्वारा ई-प्रीस्क्रिप्शन के माध्यम से उपचार एवं दवाइयां खरीदने की सुविधा उपलब्ध है। प्रदेश में स्थापित 99 नई दिशा केंद्रों में तैनात चिकित्सकों का मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण किया गया है। यह केंद्र सभी जोनल अस्पताल, जिला अस्पताल एवं विभिन्न सिविल अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्थापित है।

प्रदेश में व्यापक कॉल सैंटर 104 के माध्यम से मातृत्व एवं शिशु सेवाओं की निगरानी, चिकित्सा सलाह, किशोर परामर्श के अतिरिक्त मानसिक तनाव एवं आत्महत्या जैसी मानसिक परेशानियों के बारे में परामर्श देने की सुविधा है। यह सुविधा 104 हैल्पलाइन पर परामर्श के लिए 24x7 उपलब्ध है। दिनांक 31.8.2020 तक 267 लोगों को मानसिक रोगों व समस्याओं से संबंधित परामर्श दिया जा चुका है।

श्री टी सी द्वारा जारी

08.09.2020/1705/टी0सी0वी0/डी0सी0-1

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ... जारी

यह सुविधा 104 हैल्पलाइन पर परामर्श देने के लिए 24 घण्टे उपलब्ध हैं। दिनांक 31.08.2020 तक 267 लोगों को मानसिक रोगों व समस्याओं से संबंधित परामर्श दिया जा चुका है। कुछ मामले विपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा यहां पर उठाए गए हैं। वे पूर्णतः राजनीति से प्रेरित हैं और उन्होंने कुछेक चर्चा यहां पर अनियमितताओं को लेकर भी की हैं। उसमें पूर्व निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, हिमाचल प्रदेश द्वारा भ्रष्टाचार के प्रकरण पर प्रश्न खड़े हुए हैं लेकिन मैं यह कहना चाहूंगा कि इसमें जिस व्यक्ति की संलिप्तता थी उसको गिरफ्तार किया गया और 21 मई, 2020 को कार्मिक विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा

डॉ0 अजय कुमार गुप्ता को निलंबित करने के आदेश जारी किए गये। स्टेट विजिलेंस से प्राप्त सूचना के अनुसार अन्वेषण की कार्रवाई लगभग पूरी की जा चुकी है और अंतिम रिपोर्ट बनाई जा रही है। सक्षम अधिकारी से अभियोजन स्वीकृति प्राप्त हो जाने पर न्यायालय में चालान प्रस्तुत कर दिया जाएगा। इस मामले का सरकार या पार्टी के किसी भी व्यक्ति से कोई संबंध नहीं है। ये एक व्यक्ति विशेष के भ्रष्ट आचरण का मामला है। इसका पता लगते ही सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्रिमिनल केस दर्ज करने का निर्णय लिया और तुरन्त आरोपी अधिकारी को निलंबित किया। इस आइसोलेट केस का विभागीय क्रय प्रणाली से कोई नाता नहीं है और यह रिश्वत मांगने व देने का मामला है। जिस पर सरकार ने दण्डनीय कार्रवाई अविलंब की है। इस प्रकरण से पूरे विभाग पर विपक्ष का लांछन लगाना उचित नहीं है। स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूरे लॉकडाउन व कर्फ्यू के दौरान दिन-रात कार्य किया है। उसी के चलते आज हम कोरोना के प्रबंधन को लेकर पूरे देश में मजबूत स्थिति में हैं। हमारी स्थिति कुल केसिज/डेली केसिज और मृत्यु दर बड़े राज्यों में भी सबसे अच्छी है और यह सब स्वास्थ्य विभाग के कुशल प्रबंधन का नतीजा है। इसी के साथ हमारे मित्रों ने हिमाचल प्रदेश सचिवालय में हैंड सैनिटाजर की आपूर्ति से संबंधित कुछ अनियमितताओं के बारे में भी प्रश्न खड़े किए हैं। इसके बारे

08.09.2020/1705/टी0सी0वी0/डी0सी0-2

में मैं यह कहना चाहूंगा कि दिनांक 24.04.2020 को मुख्य सचिव कार्यालय और दिनांक 22.04.2020 को उप सचिव (सचिवालय प्रशासन) के पत्र प्राप्त हुए हैं जिसमें सचिवालय में हैंड सैनिटाइजर की आपूर्ति से संबंधित कुछ अनियमितताओं का उल्लेख किया गया है। इस संदर्भ में हिमाचल प्रदेश सचिवालय में प्राप्ति एवं निर्गम शाखा में कार्यरत सम्बधित अधिकारियों व कर्मचारियों को जिनकी संख्याः 07 है को कारण बताओ नोटिस दिनांक 24.04.2020 तथा 01.05.2020 को जारी किए गए। संबंधित कर्मचारियों से इन कारण बताओ नोटिस के जवाब, माननीय मुख्य मंत्री जी को विभागीय नस्ति पर प्रस्तुत किए गए,

जिस पर अनियिमितताओं की गम्भीरता को देखते हुए, उनमें से 4 अधिकारियों को चेतावनी पत्र दिया गया तथा अन्य अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाते हुए दिनांक 29.05.2020 को निलंबित तथा सी.सी.एस.(सी.सी.ए.) रूल्ज, 1965 के अधीन नियम-14 के अंतर्गत चार्जशीट किया गया है।

इसके अतिरिक्त दो अन्य सम्बन्धित कर्मचारियों के विरुद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाते हुए उन्हें दिनांक 29.05.2020 को सी.सी.एस.(सी.सी.ए.) रूल्ज, 1965 के अंतर्गत नियम-16 के अधीन चार्जशीट किया गया है।

अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया को जारी रखते हुए मामले में निष्पक्ष जांच करवाने हेतु विभाग द्वारा दिनांक 26.06.2020 को जाचं अधिकारी की नियुक्ति भी कर दी गई है। मामले की जांच अभी जारी है तथा जांच अधिकारी से जांच रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है।

इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा सतर्कता विभाग में श्री ललित कुमार, सप्लायर के विरुद्ध दिनांक 12.05.2020 को एक "प्रथम सूचना रिपोर्ट" न0 03/2020 Section 420,

08.09.2020/1705/टी0सी0वी0/डी0सी0-3

468, 471,120(b)IPC, Section 7 of Essential Commodities Act, 1955 Section 7 (C) of PC Act, 2018 के अधीन दर्ज करवाई गई है।

इस संदर्भ में सतर्कता विभाग ने उनकी दिनांक 20.08.2020 को प्राप्त नवीनतम रिपोर्ट के अधीन श्री ललित कुमार, सप्लायर के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश सचिवालय में कार्यरत संलिप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है।

श्री आर.के.एस. द्वारा जारी....

08.09.2020/1710/RKS/HK-1

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री... जारी

सतर्कता विभाग की सिफारिशों को मद्देनजर रखते हुए, विशेष सचिव, गृह (सतर्कता) द्वारा दिनांक 18.08.2020 को उक्त कर्मचारियों एवं अधिकारियों के विरुद्ध अदालत में अभियोग चलाने बारे, अनुमति प्रदान करने बारे मामला सरकार को प्राप्त हुआ है जिसका निरीक्षण/परीक्षण सरकार के स्तर पर किया जा रहा है।

जिला बिलासपुर में कोविड-19 के प्रबंधन से संबंधित सामग्री की आपूर्ति पर भी प्रश्न खड़े हुए हैं उसमें मैं यह कहना चाहूंगा कि विभाग द्वारा अपने स्तर पर कार्रवाई करते हुए जिला बिलासपुर में मार्च, 2020 से 30 अप्रैल, 2020 के अंतराल में कोविड-19 वैश्विक महामारी के प्रबंधन हेतु विभिन्न वस्तुओं की आपूर्ति की परिस्थितियों, गुणवत्ता प्रक्रिया, मूल्य निर्धारण इत्यादि पहलुओं की जांच हेतु तत्कालीन संयुक्त निदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण की अध्यक्षता में एक त्रि-सदस्यीय समिति का गठन किया। जांच समिति ने पाया कि दिनांक 28.03.2020 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बिलासपुर की अध्यक्षता में छः सदस्यीय एक स्थानीय क्रय समिति का गठन किया गया तथा उसी दिन क्रय समिति ने 17 आवश्यक वस्तुओं को सूचीबद्ध किया तथा विभिन्न सूत्रों से इनकी आपूर्ति की संस्तुति की। समिति ने पाया कि पी.पी.ई. किट्स के अंतर्गत coverall सरकार द्वारा प्राधिकृत संस्थान से अनुमोदित नहीं थे तथा इनमें thumb loop व seams पर tapingनहीं थी तथा Goggles tight fitting तथा prescription glasses युक्त नहीं थी। प्रस्तुत अभिलेख व नमूनों के अवलोकन से लघु त्रुटियों के अतिरिक्त यह नहीं पाया गया कि रेनकॉट या तिरपाल जैसी पी.पी.ई. किट्स की आपूर्ति की गई है। पी.पी.ई. किट्स की आपूर्ति के पश्चात् आई शिकायतों के फलस्वरूप मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने वैंडर से घटिया किट्स को बदलकर पुनः आपूर्ति करवाई। सामग्री की आपूर्ति में आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 व वित्त विभाग के अनुदेश दिनांक 03.04.2020 के अनुसार प्रदत्त ढील तथा कोविड-19 के प्रारंभिक काल में विशेषतः लॉकडाउन की अवधि में वस्तुओं की अनुपलब्धता या कमी के बावजूद आपूर्ति की गई ताकि स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। तत्पश्चात् एक द्वि-सदस्यीय

समिति ने मार्च, 2020 से 15 जून, 2020 तक की आपूर्ति के संदर्भ में पुनः जांच की तथा रिपोर्ट में टिप्पणी की है कि स्थानीय क्रय समिति ने अपनी बैठक में मूल्य निर्धारित नहीं किए। Chlorine Tablets तथा Bleaching Powder की आपूर्ति बिना क्रय समिति की संस्तुति से की गई है तथा एक जैसी वस्तुओं की विभिन्न सूत्रों से अलग-अलग दरों पर भी आपूर्ति पाई गई है। जांच समिति की रिपोर्ट मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बिलासपुर के स्पष्टीकरण सहित सरकार के विचाराधीन है। प्रकरण में निश्चित रूप से नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। माननीय अध्यक्ष जी, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अगर आज प्रदेश इस वैश्विक महामारी से सुरक्षित है तो वह सम्माननीय मुख्य मंत्री जी के प्रयासों के कारण है। मैं उन सभी धार्मिक संगठनों, सामाजिक संगठनों व कोरोना योद्धाओं का धन्यवाद करना चाहूंगा जिन्होंने हर प्रकार से सरकार का सहयोग किया है। मैं प्रदेश की जनता का भी आभार व्यक्त करना चाहूंगा क्योंकि उनके सहयोग के बिना यह मुहिम आगे नहीं बढ़ सकती थी। जिस प्रकार से केंद्र व राज्य सरकार ने दिशा-निर्देश जारी किए उन दिशा-निर्देशों का पालन हमारी जनता ने बखूबी किया है। व्यवस्था कोई भी हो उसमें खामियों की गुंजाइश रहती हैं लेकिन खामियों को गिनाना उचित नहीं है। किसी चीज को करने में अनेकों खूबियां भी रहती हैं लेकिन खूबियों को गिनाने की परंपरा इस सदन से गायब हो गई है। विपक्ष ने केवल आलोचना करके अपने राजनीतिक प्वाइंट्स स्कोर करने की भावना से व्यवहार किया है, जिसकी मैं पुरजोर निंदा करता हूं। कोई भी सत्ताधारी पार्टी नियम-67 के अंतर्गत चर्चा करने की अनुमति नहीं देती। लेकिन मैं माननीय अध्यक्ष और विशेषकर माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा जिन्होंने कर्त्तव्य निष्ठा/सत्यनिष्ठा की शपथ का पालन करते हुए निमय-67 के अंतर्गत चर्चा अलाउ की। पत्रकार बंधुओं ने सरकार को वस्तुस्थिति से अवगत करवाकर सरकार का सहयोग किया है इसलिए मैं इनका भी धन्यवाद करना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया आपका धन्यवाद।

अध्यक्ष श्री बी.एस. द्वारा.... जारी

08.09.2020/1715/बी0एस0/एच0के0/1

अध्यक्ष : अब इस माननीय सदन की कार्यवाही पांच मिनट के लिए बढ़ाई जाती है। माननीय शहरी विकास मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं?

शहरी विकास मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, इतने महत्वपूर्ण विषय पर सदन में चर्चा हो रही है और इस चर्चा को दो दिन हो गए हैं। नियम-67 पर चर्चा की अनुमति प्रदान करना यही आपके और माननीय मुख्य मंत्री जी के उदार ह्दय का परिचायक है। इसके साथ-साथ अढ़ाई घंटे की चर्चा को अढ़ाई दिन तक चालाए रखना यह उससे भी ज्यादा आपके विशाल ह्दय को दर्शाता है। लेकिन उसके बावजूद विपक्ष की जो भूमिका है वह बिल्कुल गैरजिम्मेदाराना है। कल उन्होंने जिस मुद्दे पर चर्चा मांगी उस पर वे कंफ्यूज हो गए और कुछ बोल नहीं पाए। उन्हें पूरे दो दिन चर्चा के लिए दिए गए। इस बारे में सदन के नेता और नेता प्रतिपक्ष दोनों की ओर से सहमति बनी कि पांच बजे तक यह हाउस चलेगा उसके बाद कल माननीय मुख्य मंत्री जी चर्चा का उत्तर देंगे। उस बात से भी ये मुकर गए। यहां साफ दिखाई दे रहा है कि माननीय विपक्ष के नेता के पीछे जो लोग बैठें हैं वे उनकी बात को नहीं मान रहे हैं। उनके दबाव में आ करके नेता प्रतिपक्ष को बाहर जाना पड़ा है। आज जो वॉकआउट किया गया है या सदन से बाहर जा रहे हैं उस बारे में कुछ भी बोलना वे भूल गए हैं। इसलिए आज का वॉकआउट नहीं माना जाएगा और न ही इसकी घोषणा विपक्ष के द्वारा की गई है। विपक्ष द्वारा इस तरह से उठ करके सदन से चले जाना बिल्कुल गैरजिम्मेदाराना है और हम इसकी निंदा करते हैं।

अध्यक्ष : नियम-67 के अंतर्गत लगभग दो दिन तक विस्तार से चर्चा हुई है और अंत में हमारे माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी ने विषय रखा है परंतु इसमें वैश्विक महामारी कोरोना के साथ-साथ अन्य विषय भी जुड़े हैं जिसमें विपक्ष ने हत्या, आत्महत्या इत्यादि विषयों को भी जोड़ा है इसलिए कल प्रातः 11:00 बजे जब सत्र आरंभ होगा उस समय माननीय मुख्य मंत्री जी विस्तार से चर्चा का उत्तर देंगे। अब इस माननीय सदन की बैठक बुधवार 09 सितम्बर, 2020 के 11:00 बजे पूर्वाहन तक स्थगित की जाती है।

शिमला-171 004 **यशपाल शर्मा,**
दिनांकः 08 सितम्बर, 2020 **सचिव ।**